CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :30°C
न्यूनतम: 24°C

नई दिल्ली, बुधवार 17 सितम्बर 2025 राष्ट्रीय संस्करण: वर्ष 23 अंक 166 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | आश्विन कृष्ण पक्ष 11 विक्रमी सम्वत् 2082 | 24 रबी उल अव्वल 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

उप्र में संत कबीर के नाम पर बनेंगे वस्त्र एवं परिधान पार्क पेज 2

वेलकुमार ने भारत को स्पीड स्केटिंग में पहला विश्व स्वर्ण पदक दिलाया खेल टाइम्स

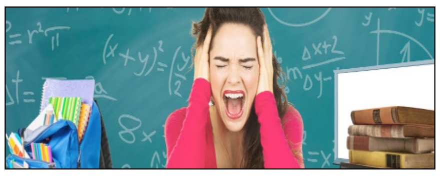

पाकिस्तान की तरह शिक्षा को जहरीला बनाने की कोशिश सम्पादकीय

सीजफायर पर ट्रम्प के दावे की इशाक डार ने खोली पोल पेज 12

हिमाचल के मंडी में लैंडस्लाइड, चार लोगों की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मंडी में मंगलवार को लैंडस्लाइड से एक मकान ढह गया। इसमें एक ही परिवार के 5 लोग मलबे में दब गए, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 लोगों का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। वहीं मंडी के दरंग में मंगलवार सुबह मंदिर जा रहे दो लोग सुमा खड्ड के तेज बहाव में बह गए। इनमें से एक का शव मिल गया है, जबकि दूसरे की तलाश जारी है। धर्मपुर बस स्टैंड पर बारिश के बाद मलबा भर गया। यहां बाढ़ में कई बसें दूर तक बह गईं। सोमवार को भारी बारिश ने महाराष्ट्र के मुंबई में रेलवे ट्रैक, सब-वे और सड़कों पर पानी भर गया। बीड में 11 ग्रामीणों को वायुसेना ने एयरलिफ्ट किया।

युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा को ईडी का समन

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा को पूछताछ के लिए तलब किया है। उथप्पा को 22 सितम्बर और युवराज को 23 सितम्बर को दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है। यह मामला ऑनलाइन सट्टेबाजी एप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस से संबंधित है। उथप्पा फिलहाल एशिया कप 2025 की कमेंट्री टीम का हिस्सा हैं। दिल्ली में इस केस में अब तक चार पूर्व भारतीय क्रिकेटर तलब किए जा चुके हैं। इससे पहले, इस मामले में संघीय एजेंसी ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन से भी पूछताछ की थी। यह मामला 1यूबेट नामक सट्टेबाजी एप प्लेटफॉर्म से जुड़ा है।

मदर डेयरी का टेट्रा पैक दूध, पनीर, घी व बटर होगा सस्ता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की इकाई मदर डेयरी का टेट्रा पैक में मिलने वाला अल्ट्रा-हाई टेम्परेचर (यूएचटी) दूध, पनीर, घी, मक्खन समेत लगभग सभी उत्पाद 22 सितम्बर से सस्ते हो जाएंगे। कंपनी ने बताया कि वह वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में 22 सितम्बर से हो रही कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों को देगी। हालांकि इससे पाउच में उपलब्ध फुल क्रीम, टोन्ड, काउ मिल्क आदि पर कोई असर नहीं होगा, क्योंकि इन पर पहले से ही शून्य कर था। कंपनी ने बताया कि एक लीटर यूएचटी दूध (टोन्ड) अब 77 रुपये की जगह 75 रुपये का मिलेगा, जबकि 450 मिली वाले डबल टोन्ड यूएचटी दूध की कीमत 33 रुपये से घटकर 32 रुपये हो गई है।

मणिपुर हिंसा मामले में एनआईए को नोटिस

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मणिपुर हिंसा मामले में अंतर्राष्ट्रीय साजिश के आरोप में गिरफ्तार मोइरंगथेम आनंद सिंह की याचिका पर एनआईए को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने संबंधित मुकदमे की स्थिति जानने के लिए एनआईए से जवाब मांगा है पीठ की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि केवल मुकदमे की स्थिति जानने के लिए नोटिस जारी करें।

TET की अनिवार्यता पर रिवीजन दाखिल करेगी उप्र सरकार

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ शिक्षकों की सेवा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता: योगी

लखनऊ। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा विभाग के सेवारत शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता पर उच्चतम न्यायालय के आदेश का रिवीजन दाखिल करने का विभाग को निर्देश दिया है।

शिक्षक संगठनों द्वारा पहले ही मांग की जा रही थी कि सरकार इस मामले में हस्तक्षेप कर कारगर कदम उठाए। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रदेश के शिक्षक अनुभवी हैं और समय-समय पर सरकार द्वारा उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया जाता रहा है। ऐसे में उनकी योग्यता और सेवा के वर्षों को नजरअंदाज करना उचित नहीं है। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय के हालिया फैसले ने प्रदेश के लाखों शिक्षकों की चिंता बढ़ा दी है।

सुप्रीम कोर्ट का धर्मांतरण कानूनों पर 8 राज्यों को नोटिस

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ चार हफ्तों में जवाब मांगा, याचिकाकर्ता बोले- कानून अल्पसंख्यकों की धार्मिक स्वतंत्रता पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को धर्मांतरण से जुड़े कानूनों पर 8 राज्यों को नोटिस जारी कर 4 हफ्ते में जवाब दाखिल करने को कहा है।

कोर्ट उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखंड और कर्नाटक के कानूनों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच के सामने याचिकाकर्ताओं ने कहा कि भले ही इन कानूनों को फ्रीडम ऑफ रिलीजन एक्ट कहा जाता है, लेकिन ये अल्पसंख्यकों की धार्मिक स्वतंत्रता पर रोक लगाते हैं और इंटर रिलिजन मैरिज व धार्मिक रीति-रिवाजों को निशाना बनाते हैं। कोर्ट ने वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह, संजय हेगड़े, एमआर शमशाद, संजय परिख समेत अन्य पक्षकारों की दलीलें भी सुनीं और कहा कि मामले की अगली सुनवाई छह हफ्ते बाद -शेष पृष्ठ दो पर

राजस्थान की नदी का जहरीला पानी, मर रहे पशु-पक्षी

सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

■ फैक्ट्रियों का कचरा- केमिकल बहाया जा रहा, 20 लाख की आबादी प्रभावित

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने जीवन और जैव विविधता प्रभावित होने के मद्देनजर राजस्थान की जोजरी नदी में औद्योगिक अपशिष्ट बहाने के मामले में मंगलवार को स्वतः संज्ञान लिया।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि नदी में मुख्य रूप से कपड़ा और अन्य कारखानों से निकलने वाले औद्योगिक अपशिष्ट के छोड़े जाने से सैकड़ों गांव प्रभावित हो रहे हैं। इसके कारण वहां का पेयजल मनुष्यों और पशुओं दोनों के लिए पीने योग्य नहीं रहा। पीठ ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज करने का निर्देश दिया और उचित आदेश के लिए मामले को मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखने का आदेश दिया। पीठ ने कहा कि यह अदालत राजस्थान की मरुधरा जोजरी नदी के संबंध में स्वतः संज्ञान ले रही है।

देहरादून में बादल फटने से मची तबाही, 25 के मरने की आशंका

13 पुल टूटे, 21 सड़कें व सात दुकानें बही, दो घर गिरे

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड से विदा होते मानसून ने एक बार फिर विकराल रूप दिखाते हुए राजधानी देहरादून और आसपास के क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई है। विनाशकारी बादल फटने और मूसलाधार वर्षा की घटनाओं के बाद अब तक 13 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 16 लोग अभी भी लापता हैं। सहस्रधारा, मालदेवता जैसे क्षेत्रों में भारी नुकसान हुआ है, नदियां उफान पर हैं और कई सड़कें व पुल बह गए हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आपदाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया है, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रभावित क्षेत्रों का सुबह सवेरे ही दौरा किया। जिला अधिकारी सविन बंसल एवं एसएसपी अजय सिंह ने भी घटनास्थल का दौरा करके मोर्चा संभाला। सोमवार की रात्रि को अतिवृष्टि के कारण देहरादून के विभिन्न क्षेत्रों में जनहानि, पशु हानि, सरकारी एवं निजी संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है। सड़क, संपर्क मार्ग, पुल, पुलिया क्षतिग्रस्त -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने किया प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार हर प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है। प्रशासन पहले से ही अलर्ट मोड पर है और एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस व स्थानीय प्रशासन लगातार सक्रिय हैं। धामी ने अतिवृष्टि से प्रभावित देहरादून जनपद के मालदेवता क्षेत्र एवं केसरवाला का स्थलीय निरीक्षण कर वहां की स्थिति का जायजा लिया। प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों की गति तेज करने के निर्देश अधिकारियों को दिए तथा स्थानीय नागरिकों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

पीएम एवं गृह मंत्री ने की सीएम धामी से बात

पीएम मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दूरभाष पर सीएम पुष्कर सिंह धामी से उत्तराखंड में अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थिति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने प्रदेश को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि केंद्र सरकार आपदा की इस घड़ी में राज्य के साथ मजबूती से खड़ी है।

मृतकों में मुरादाबाद मंडल के सात मजदूर शामिल

मुरादाबाद/अमरोहा (ब्यूरो)। उत्तराखंड के देहरादून में बादल फटने के बाद बाढ़ की चपेट में आने से मुरादाबाद मंडल के दर्जनभर मजदूर बह गए। हादसे में बिलारी तहसील के मुंडिया जैन गांव के छह मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन अब भी लापता हैं।

अमरोहा जिले के हसनपुर क्षेत्र के रहरा गांव के तीन मजदूर भी नदी में लापता हो गए। उनमें से एक का शव बरामद कर लिया गया है, दो अभी लापता हैं। मुरादाबाद जिले की तहसील बिलारी के थाना सोनकपुर क्षेत्र के मुंडिया जैन गांव निवासी लगभग 20 मजदूर कुछ दिन पहले देहरादून के सहसपुर विधानसभा क्षेत्र में मजदूरी करने गए थे। मंगलवार तड़के मजदूर नदी किनारे बजरी और रेत निकालने का काम कर रहे थे। तभी सहस्रधारा क्षेत्र में बादल फटने से टोंस नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया और तेज बहाव में ट्रैक्टर-ट्रॉली -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने की उच्च न्यायालयों में नौ जजों की नियुक्ति की सिफारिश

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सीजेआई बीआर गवई की अध्यक्षता वाले उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम ने कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, मद्रास और त्रिपुरा उच्च न्यायालयों के लिए कुल नौ न्यायाधीशों की नियुक्ति की सिफारिश की है। शीर्ष अदालत की ओर से जारी अलग-अलग बयानों के मुताबिक, कर्नाटक उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति कुरुबरहल्ली वेंकटरामा रेड्डी अरविंद को अस्थायी न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई।

इसी प्रकार न्यायिक अधिकारियों - श्रीमती गीता कदबा भरतराज सेट्टी, मुरलीधर पी. बोरकटटे और त्यागराज नारायण इनावली को पदोन्नत कर कर्नाटक उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने अधिवक्ताओं - जिया लाल भारद्वाज और रोमेश वर्मा को हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की है। मद्रास उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीशों - न्यायमूर्ति एन. सेंथिलकुमार और न्यायमूर्ति जी. अरुल मुरुगन को पदोन्नत कर स्थायी न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की गई है। इनके अलावा, त्रिपुरा उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति बिस्वजीत पालित को स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। कॉलेजियम ने 15 सितम्बर को अपनी बैठक में चारों उच्च न्यायालय के लिए न्यायाधीशों की नियुक्ति करने की सिफारिश से संबंधित प्रस्तावों को मंजूरी दी।

सुविधाएं नहीं, तो ट्रिब्यूनल खत्म कर दें: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार को ट्रिब्यूनलों की बदहाल स्थिति पर फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि बुनियादी सुविधाओं के अभाव की वजह से हाईकोर्ट जज ट्रिब्यूनलों में पोस्ट-रिटायरमेंट रोल लेने से बच रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि यदि सरकार हालात सुधार नहीं सकती, तो सभी ट्रिब्यूनल बंद कर देना चाहिए। यहां आने वाले मामलों को हाईकोर्ट को भेजा जाना चाहिए। ट्रिब्यूनल में हाईकोर्ट की नियुक्ति की याचिका एनजीटी बार एसोसिएशन वेस्टर्न जोन ने लगाई है। दरअसल, यह मामला वेस्टर्न जोन के ट्रिब्यूनल में 2 जजों की नियुक्ति से जुड़ा है। नियुक्ति पत्र जारी होने के बाद भी इन्होंने पदभार ग्रहण नहीं किया था। अब इस मामले की अगली सुनवाई 16 दिसम्बर को होगी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीवी नागरत्ना और आर. महादेवन ने कहा कि यह कमी केंद्र सरकार की वजह से है।

प्रधानमंत्री को मिले 1300 उपहारों की होगी नीलामी

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ नीलामी से मिली धनराशि का होगा नमामि गंगे परियोजना में उपयोग

नई दिल्ली। पीएम मोदी के जन्मदिन पर हर साल की तरह इस बार भी नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट में उपहारों की नीलामी आयोजित की जाएगी। यह नीलामी पीएम मोदी को उनके अंतर्राष्ट्रीय दौरों, राज्यों के दौरों के दौरान और प्रधानमंत्री से होने वाली मुलाकातों के दौरा।

विभिन्न कार्यक्रमों और शख्सियतों की ओर से दिए गए उपहारों से संबंधित होती है। इस नीलामी का मुख्य उद्देश्य इन उपहारों से प्राप्त राशि का उपयोग सामाजिक और कल्याणकारी कार्यों के लिए किया जाता है। अभी तक इस नीलामी की राशि का उपयोग गंगा की स्वच्छता को लेकर चलाए जा रहे नमामि गंगे अभियान पर खर्च किया जा रहा है। नीलामी में बहुत तरह के उपहार होते हैं, जैसे की कलात्मक वस्तुएं, सांस्कृतिक धरोहर, और अन्य हस्तशिल्प जो विभिन्न देशों और नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री को दिए गए होते हैं। ये उपहार भारतीय संस्कृति और कूटनीति के प्रतीक होते हैं और इनका मूल्यांकन केवल उनके ऐतिहासिक या सांस्कृतिक महत्व के आधार पर किया जाता है। इस बार पीएम मोदी को मिले उपहारों की नीलामी बुधवार से शुरू होगी। ई-ऑक्शन के जरिये लोग कर सकते हैं खरीददारी। इस बार 1300 उपहारों की प्रदर्शनी लगाई गई है।

आरएलडी के फैसले से दावेदारों में खुशी

पंचायत चुनाव

समाजवादी पार्टी के चुनाव न लड़ने के ऐलान से फायदा

समीउल्लाह

■ बिजनौर, बागपत, मुजफ्फरनगर व मेरठ पार्टी का गढ़

बिजनौर। राष्ट्रीय लोकदल के द्वारा जिला पंचायत चुनाव अकेले लड़ने के फैसले से इच्छुक दावेदारों में खुशी की लहर दौड़ गई है। सपा के यह चुनाव न लड़ने के ऐलान से यहां आरएलडी को बड़ा फायदा पहुंचेगा और उसका जनाधार बढ़ जाएगा, वहीं भाजपा नेताओं को इसमें अपना नुकसान साफ दिखाई दे रहा है। प्रदेश में शीघ्र ही जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत एवं ग्राम पंचायतों के चुनाव प्रस्तावित हैं। हालांकि भाजपा सरकार पंचायत चुनाव समय से कराने के पक्ष में दिखाई नहीं दे रही है। सरकार नगर क्षेत्रों की प्रस्तावित सीमा विस्तार का बहाना बना रही है। भाजपा नेता चाहते हैं कि

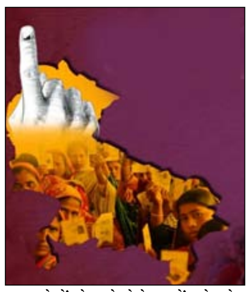

नगर क्षेत्रों से लगे ऐसे ग्रामों को जोड़ लिया जाए, जिससे उनके प्रत्याशी आसानी से चुनाव जीत जाएं और सपा व निर्दलीय प्रत्याशियों को हार का सामना करना पड़े। इसी को लेकर अंदर खाने कवायद चल भी रही है। वरिष्ठ अधिकारी स्थानीय निकायों से प्रस्ताव मांग रहे हैं। ग्राम पंचायतों से प्रस्ताव मांगने की जरूरत ही महसूस नहीं की जा रही है। इस बीच पंचायत चुनावों को लेकर सपा व आरएलडी के ऐलान से प्रदेश में नए राजनीतिक समीकरण बनते नजर आ रहे हैं। सपा ने पंचायत चुनाव न लड़ने का ऐलान किया है। सपा नेतृत्व जानता है कि जिला पंचायत व क्षेत्र पंचायत प्रमुख के चुनाव में सत्ता का दुरुपयोग जमकर होता है। प्रशासन, पुलिस व पैसा इस चुनाव में असर दिखाता है। सपा का एक मात्र लक्ष्य विधानसभा चुनाव है। ऐसे में सपा नेतृत्व नहीं चाहता है कि विधानसभा चुनाव से पूर्व ऐसा कोई प्रतिकूल संदेश मतदाताओं के बीच न जाए कि इससे उसे नुकसान उठाना पड़े। सपा नेतृत्व का मानना है कि जब प्रदेश में सत्ता परिवर्तन हो जाएगा, तो निर्वाचित अध्यक्ष व प्रमुख खुद पाला बदल लेंगे। सपा नेतृत्व बड़े लक्ष्य को हालिस करने के लिए छोटी कुर्बानी दे रहा है। लेकिन आरएलडी ने अकेले जिला पंचायत व क्षेत्र पंचायत चुनाव लड़ने का ऐलान कर सभी को चौंका दिया है। राजनीतिक पंड़ितों को भी इसका अंदाजा नहीं था कि आरएलडी इतना बड़ा दाव चलेगी। आरएलडी के इस फैसले से भाजपा नेताओं -शेष पृष्ठ दो पर

पशु तस्करों की फायरिंग में छात्र की मौत के बाद बवाल

गोरखपुर। उप्र मे गोरखपुर जिले के पिपराइच थानरा क्षेत्र के जंगल छात्रधारी गांव में सोमवार की देर रात पशु तस्करों की गोली से 19 वर्षीय छात्र दीपक गुप्ता की मौत के बाद मंगलवार सुबह माहौल उग्र हो गया। परिजनों और ग्रामीणों ने शव घर आने के बाद आज अपनी मांगों को लेकर भट्ठा चौराहा जाम कर दिया। आरोप है कि पुलिस देरी से पहुंची, इसके बाद भी मामले को गंभीरता से नहीं लिया। अगर समय पर खोजबीन की जाती, तो दीपक की जान बच सकती थी। ग्रामीणों ने बताया तस्करों से झड़प के दौरान दीपक अचानक लापता हो गया था। लोग पूरी उसे ढूंढने में जुटे थे।

गरीब, वंचित शोषित का उत्पीड़न हो रहा है उत्तर प्रदेश में

शाह टाइम्स ब्यूरो

- प्रदेश में बड़े-बड़े खास लोगों के मामलों में समझौते कराए जा रहे हैं: अखिलेश
- गाजीपुर नोनहरा कांड: पीड़ित परिवार के बयान बदलने पर सपा प्रमुख ने योगी सरकार को घेरा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उप्र की योगी सरकार में समस्याओं और नाइंसाफी का समाधान नहीं बल्कि गरीब, वंचित पीड़ित, शोषित का दमन और उत्पीघ्न हो रहा है।

यादव ने मंगलवार को जारी बयान मे कहा कि इस सरकार में पीड़ितों को न्याय नहीं मिल रहा है। प्रदेश में बड़े-बड़े खास लोगों के मामले में समझौते कराए जा रहे हैं और बेचारे आम लोगों को दरबार में बुलाकर धमकाया जा रहा है। पीड़ित लोगों के एक दिन दिए बयान को अगले दिन पलटवाया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि जो आज सरकार के मुखर विरोध करते दिखते हैं, अगले दिन उन्हें घेर कर सत्ता के केन्द्रों तक ले जाया जा रहा है और दबाव बनाकर सत्ता के अन्याय के बाद 'सभी इंतजाम करने' का झूठा आश्वासन दिया जा रहा है। सफेद मेज पर सफेद झूठ बोला जा रहा है। क्या कोई इंतजाम और समझौता किसी का जीवन वापस ला सकता है। भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार चरम पर है। आम जनता और गरीबों को प्रताड़ित, अपमानित किया जा रहा है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य, शिक्षा सब कुछ बर्बाद कर दिया है। किसान, नौजवान, छात्र, महिलाएं, व्यापारी इस सरकार की शोषणकारी और गलत नीतियों से पहले से ही परेशान है। सरकार का कानून व्यवस्था और पुलिस पर कोई नियंत्रण नहीं है। पुलिस हिरासत में लगातार मौते हो रही है। भाजपा सरकार जाएगी तभी लोगों को अन्याय और उत्पीड़न से मुक्ति मिलेगी और लोगों को न्याय मिलेगा। वहीं उप्र में गाजीपुर के नोनहरा थाना में हुई घटना में मारे गए सियाराम उपाध्याय के परिजनों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सोमवार को मुलाक़ात की थी।

मुलाक़ात के बाद परिवार ने मामले की जांच से संतुष्टि जताई थी, लेकिन समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीड़ित परिवार के बदले रुख को लेकर योगी सरकार पर कई आरोप लगाए हैं। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर मंगलवार को लिखा, भाजपा सरकार की समझाइश मतलब धमकाइश। उप्र में बड़े-बड़े खास लोगों के मामले में समझौते कराए जा रहे हैं और बेचारे आम लोग दरबार में बुलाकर धमकाए जा रहे हैं और एक दिन पहले दिए गए उनके बयान पलटवाए जा रहे हैं, जो आज सरकार का मुखर विरोध करते दिखते हैं, अगले दिन उन्हें घेरकर सत्ता के केंद्रों तक ले जाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दबाव बनाकर सत्ता के अन्याय के बाद 'सब इंतज़ाम हो जाएगा' का झूठा आश्वासन दिया जा रहा है। सफ़ेद मेज पर सफ़ेद झूठ बोला जा रहा है। क्या कोई इंतज़ाम या समझौता किसी का जीवन वापस ला सकता है। उप्र में समस्याओं और नाइंसाफी का समाधान नहीं हो रहा है, बल्कि ग़रीब, वंचित, पीड़ित, शोषित का दमन और उत्पीड़न हो रहा है। भाजपा जाए तो न्याय आए।

एआई का विकास हो सदैव मानवता की सेवा के लिए: बिरला

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि एआई का विकास सदैव मानवता की सेवा के लिए होना चाहिए और इसे कभी भी मनुष्यों पर नियंत्रण का साधन नहीं बनने देना चाहिए।

बिरला ने हरिद्वार स्थित देव संस्कृति विश्वविद्यालय में 'फेथ एंड फ्यूचर : इंटिग्रेटिग एआई विथ स्प्रिचुअलिटी' अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करने के बाद कहा कि एआई का विकास सदैव मानवता की सेवा के लिए होना चाहिए, इसे कभी भी मनुष्यों पर नियंत्रण का साधन नहीं बनने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अध्यात्म व समाज सेवा से लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले गायत्री परिवार के

संस्थापक पं. श्रीराम शर्मा आचार्य ने धर्म व विज्ञान की वह व्याख्या दी, जो युवाओं को भारतीय ज्ञान परम्परा आधारित शिक्षा के लिए प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी का उद्देश्य मानवीय अनुभवों को समृद्ध और बेहतर बनाना है, उसका स्थान लेना नहीं। एआई को हमेशा आध्यात्मिक ज्ञान और नैतिक जिम्मेदारी से संचालित होना चाहिए, तभी यह समाज के लिए कल्याणकारी सिद्ध होगा। एआई के प्रयोग में चुनौतियां जरूर है, लेकिन इन्हीं चुनौतियों में समाधान भी है।

यूपी में 16 आईएएस के तबादले

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में लगातार तबादले जारी हैं। मंगलवार को बड़े स्तर पर आईएएस अधिकारियों को इधर से उधर कर दिया गया है। मिल रही जानकारी के मुताबिक करीब 16 आईएएस अधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। लखनऊ की मंडलायुक्त रहीं डाक्टर रोशन जैकब को हटा दिया गया है।

- मंडलायुक्त रोशन जैकब हटाई गईं, विजय विश्वास पंत बनाए गए लखनऊ के नए कमिश्नर

डाक्टर रोशन जैकब को सचिव खाद सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग और आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिम्मेदारी सौंप गई है। उनकी जगह विजय विश्वास पंत को मंडलायुक्त लखनऊ बनाया गया है। इसके साथ ही कई आईएएस अधिकारियों के पदों में छटनी भी की गई है। आईएएस रंजन कुमार को प्रमुख सचिव खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग उत्तर प्रदेश शासन के प्रभाव से मुक्त करते हुए शेष यथावत बना रहेगा। उनके पास मौजूदा समय में आयुष और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग उत्तर प्रदेश था। इस तरह रंजन कुमार के पास अब आयुष विभाग बचा है। इसके अलावा सुहास एलवाई को वर्तमान पद के साथ महानिदेशक युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल उत्तर प्रदेश के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया गया है। वहीं, चौत्रा बी. को महानिदेशक आयुष उत्तर प्रदेश बनाया गया है, जबकि संजय कुमार खत्री को प्रभारी मुख्य कार्यपालक अधिक. ारी बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण की जिम्मेदारी सौंप गई है। इसके अलावा स्कूल शिक्षा की महानिदेशक रहीं कंचन वर्मा को आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद की जिम्मेदारी दे दी गई है। इसी तरह मोनिका रानी को स्कूल शिक्षा का प्रभारी महानिदेशक नियुक्त किया गया है। प्रयागराज के मंडल आयुक्त रहे विजय विश्वास पंत को मंडल आयुक्त लखनऊ बनाया गया है। डाक्टर रोशन जैकब को सचिव खाद सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग और आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिम्मेदारी सौंप गई है इसी क्रम में राजेश कुमार द्वितीय को महा. निदेशक पर्यटन, सौम्या अग्रवाल को मंडल आयुक्त प्रयागराज और किंजल सिंह को परिवहन आयुक्त बनाया गया है। इसके अलावा बृजेश नारायण सिंह को सचिव सामान्य प्रशासन विभाग और मनीषा त्रिघाटिया को सचिव महिला कल्याण तथा बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग बनाया गया है, जबकि बी. चंद्रकला को सचिव वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के साथ ही मुख्य कार्यकारी अधिक. ारी उप्र क्लीन और मैनेजमेंट प्रोजेक्ट अथारिटी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री योगी का ऐलान

संत कबीर के नाम पर होंगे वस्त्र एवं परिधान पार्क

लखनऊ, वार्ता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग क्षेत्र में निजी निवेशकों की बढ़ती रूचि को देखते हुए विभिन्न जिलों में वस्त्र एवं परिधान पार्क स्थापित करने का निर्णय लिया है।

- हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग क्षेत्र में निजी निवेशकों की बढ़ती रुचि पर लिया फैसला

मंगलवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि उप्र पारंपरिक हथकरघा और वस्त्र उत्पादों की समृद्ध धरोहर वाला राज्य है, जिसकी क्षमता का सही उपयोग होने पर प्रदेश को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी नई पहचान दिलाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में वस्त्र एवं परिधान का वैश्विक बाजार वर्ष 2030 तक 2.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है और भारत इसमें 8 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ सबसे तेज़ी से बढ़ते देशों में है। ऐसे परिदृश्य में उप्र की भागीदारी इस क्षेत्र में निर्णायक सिद्ध हो सकती है। योगी ने कहा कि प्रस्तावित योजना को महान संत कबीर के नाम पर समर्पित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संत कबीर ने अपने जीवन दर्शन में श्रम, सादगी और आत्मनिर्भरता को सर्वोपरि माना और यही भाव इस योजना का आधार बनेगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस योजना के माध्यम से निवेश, उत्पादन और रोजगार के नए अवसरों के साथ-साथ परंपरा और आधुनिकता का संतुलन स्थापित होगा। बैठक में प्रस्तुत विवरण के अनुसार वर्तमान में उप्र देश के शीर्ष वस्त्र एवं परिधान निर्यातक राज्यों में शामिल है। वित्त वर्ष 2023-24 में प्रदेश से लगभग 3.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात हुआ, जो देश के कुल वस्त्र एवं परिधान निर्यात का लगभग 9.6 प्रतिशत है। इस क्षेत्र का प्रदेश की जीडीपी में 1.5 प्रतिशत योगदान है, जबकि राज्य में प्रत्यक्ष रोजगार पाने वाले लगभग 22 लाख लोग इससे जुड़े हैं। वाराणसी, मऊ, भदोही, मिर्जापुर, सीतापुर, बाराबंकी, गोरखपुर और मेरठ जैसे पारंपरिक क्लस्टरों ने उप्र को राष्ट्रीय परिधान मानचित्र पर महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है।

सारथी पोर्टल पर वस्त्र व परिधान से जुड़े 659 प्रस्ताव प्राप्त हुए

निवेश सारथी पोर्टल पर अब तक वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र से जुड़े 659 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन प्रस्तावों के लिए लगभग 1,642 एकड़ भूमि की आवश्यकता है।

कुल निवेश मूल्य 15,431 करोड़ रुपए आंका गया है और इसके फलस्वरूप लगभग 1,01,768 रोजगार अवसर सृजित होने का अनुमान है। प्रत्येक पार्क न्यूनतम 50 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा और इनमें प्रसंस्करण उद्योगों के लिए कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना अनिवार्य होगी। साथ ही बटन, ज़िपर, लेबल, पैकेजिंग और वेयरहाउस जैसी सहायक इकाइयों के विकास की भी व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निवेश प्रस्तावों को शीघ्र गति से क्रियान्वित करने हेतु भूमि की पहचान और विकास कार्य को तेज किया जाए। योजना का क्रियान्वयन सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल अथवा नोडल एजेंसी के माध्यम से किया जाएगा, ताकि निवेशकों को समयबद्ध और सुगम सुविधाएं प्राप्त हों। सरकार की ओर से पार्कों तक सड़क, विद्युत और जलापूर्ति जैसी आधारभूत सुविधाएं प्राथमिकता पर उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से युवाओं के लिए कौशल विकास और रोजगार सृजन को इस योजना का मुख्य लक्ष्य बताया। संत कबीर वस्त्र एवं परिधान पार्क योजना न केवल निवेश और रोजगार के नए द्वार खोलेगी, बल्कि उप्र को वैश्विक वस्त्र एवं परिधान मानचित्र पर एक विशिष्ट पहचान भी दिलाएगी।

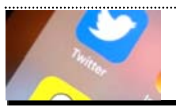

सेंसेक्स 81101.32
निफ्टी 24868.60

सोना रु. 109707
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 128008
प्रति किलो

चौतरफा लिवाली के बीच 595 अंक चढ़ा सेंसेक्स

मुंबई, वार्ता

घरेलू शेयर बाजारों में निवेश धारणा मजूबत होने के कारण मंगलवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 594.95 अंक (0.73 प्रतिशत) की तेजी के साथ 82,380.69 अंक पर पहुंच गया, जो 23 जुलाई के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 169.90 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की बढ़त में 10 जुलाई के बाद के उच्चतम स्तर 25,239.10 अंक पर बंद हुआ। घरेलू के साथ अब विदेशी निवेशकों का विश्वास एक बार फिर भारतीय बाजार में बहाल हुआ है। उन्होंने एफएमसीजी को छोड़कर सभी सेक्टरों में पैसा लगाया। सबसे ज्यादा लिवाली ऑटो सेक्टर में देखने को मिली। रियलिटी में लगातार तेजी को दौर चल रहा है। तेल एवं गैस, आईटी, धातु, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, फार्मा, बैंकिंग सेक्टरों के सूचकांक भी हरे निशान में रहे। सेंसेक्स की 30 में से 28 कंपनियों के शेयर हरे निशान में रहे। बाजार में आज शुरू से ही तेजी रही। सेंसेक्स 66.37 अंक की तेजी के साथ 81,852.11 अंक पर खुला और लगातार चढ़ता गया। इसका निचला स्तर 81,779.94 अंक और ऊपरी स्तर 82,443 अंक रहा। निफ्टी.50 सूचकांक भी 4.30 अंक चढ़कर 25,73.50 अंक पर खुला। यह नीचे 25,070.45 अंक और ऊपर 25,261.40 अंक तक गया। मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.57 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0. 95 फीसदी चढ़ा। एनएसई में कुल 3,152 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ जिनमें 2,005 के शेयर हरे निशान में और 1,059 के लाल निशान में बंद हुए। वहीं अन्य 88 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार.चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर सबसे अधिक 2.55 प्रतिशत चढ़ा। एलएंडटी में 2.28 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 2.22 प्रतिशत और मारुति सुजुकी में 1.99 प्रतिशत की तेजी रही। भारती एयरटेल, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इटरनल, एनटीपीसी, बीईएल और टीसीएस के शेयर भी एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त में बंद हुए। एशियन पेंट्स (0.87 प्रतिशत) और बजाज फाइनेंस (0.69 प्रतिशत) सेंसेक्स में नुकसान उठाने वाली दो मात्र कंपनियां रहीं। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.30 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.04 प्रतिशत की बढ़त में रहा जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 0.03 प्रतिशत टूट गया। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स सूचकांक 0.49 फीसदी और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.25 फीसदी की गिरावट में थे।

भारत-नेपाल सीमा पर शुरू हुआ कारोबार

लखनऊ। नेपाल में अंतरिम सरकार के गठन के बाद उप्र से सटी नेपाल सीमा को फिर से खोल दिया गया है और कड़ी सुरक्षा जांच के बाद यात्रियों व मालवाहक ट्रकों की आवाजाही शुरु होने से कारोबारियों को राहत मिली है। अधिकृत सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि सीमा क्षेत्र पर वाहनो की आवाजाही पर कड़ी नजर रखी जा रही है। सुरक्षा बलों की मदद के लिए सीसीटीवी निगरानी बढ़ा दी गई है। एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी) पर ट्रकों की लंबी कतार अब लगभग साफ हो गई है। नेपाल में अशांति के कारण पिछले छह दिनों से भारत और नेपाल के बीच व्यापार पूरी तरह से ठप था, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय निर्यातकों को करोड़ों रुपए और भूमि बंदरगाह प्राधिकरण को 12 लाख रुपए से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है।

मेडिकल स्टोर पर दवाइयों की नई मूल्य सूची अनिवार्य: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में 22 सितम्बर से होने वाले बदलावों के मद्देनजर पुराना स्टॉक समाप्त होने तक मेडिकल स्टोरों पर दवाइयों की नई मूल्य सूची रखनी अनिवार्य होगी।

वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को आम तौर पर पूछे जाने वाले सवालों पर जारी एक स्पष्टीकरण में कहा है कि दवाओं की खेप वापस मंगाने और दोबारा लेबलिंग की जरूरत नहीं है, लेकिन फार्मा कंपनियां/ विपणन कंपनियां नई मूल्य सूची जारी करेंगी जो डीलरों और मेडिकल स्टोर चलाने वाले खुदरा दुकानदारों के पास आम लोगों के देखने के लिए उपलब्ध होगी। इस मूल्य सूची की एक प्रति राज्य के ड्रग कंट्रोलर और स्थानीय सरकार को भी उपलब्ध कराई जाएगी। मंत्रालय ने कहा है कि अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) का लेबल दोबारा लगाने की जरूरत नहीं है। इसके अलावा यह भी स्पष्ट किया गया है कि जीवन बीमा और व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा पर कोई कर नहीं लगेगा। यदि कोई व्यक्ति अपने साथ परिवार के सदस्यों के लिए भी स्वास्थ्य बीमा लेता है, तो वह भी कर मुक्त होगा। अब हर तरह के ड्रोन पर सपाट पांच प्रतिशत

का कर लगेगा। वहीं 7,500 रुपए रोजाना तक के होटल के कमरों के किराए पर पांच प्रतिशत कर ही लगेगा और इन इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के साथ 18 प्रतिशत कर लगाने का कोई प्रावधान नहीं है। इसी तरह, आरोग्य और सौंदर्य प्रसाधन सेवाओं पर भी सपाट पांच प्रतिशत कर लगेगा। ईंटों पर करों की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और इन पर 20 लाख रुपए की सीमा तक आईटीसी के बिना छह प्रतिशत तथा आईटीसी के साथ 12 प्रतिशत की दर से विशेष कर की व्यवस्था जारी रहेगी। माल ढुलाई सेवा में विभिन्न परिवहन साधनों के इस्तेमाल की स्थिति में यदि किसी चरण में हवाई मार्ग का इस्तेमाल किया गया है, तो 18 प्रतिशत और यदि नहीं किया गया है, तो पांच प्रतिशत जीएसटी लगेगा।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

सुप्रीम कोर्ट.... होगी। सीनियर एडवोकेट चंदर उदय सिंह ने दलील दी कि यूपी में 2024 में धर्मांतरण से संबंधित कानून संशोधित कर सजा 20 साल से लेकर आजीवन कारावास तक कर दी गई है। जमानत की शर्तें भी कठोर कर दी गईं और तीसरे पक्ष को शिकायत दर्ज करने का अधिकार दे दिया गया। उन्होंने कहा कि इससे चर्च की प्रार्थनाओं या इंटरफेथ मैरिज में शामिल लोगों को भी भीड़ और संगठनों की ओर से उत्पीड़न झेलना पड़ रहा है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 2020 में नोटिस जारी किया था।

देहरादून ... होने से जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। मजयाडा में तीन लोग मलबे में दबे होने और एक व्यक्ति लापता होना बताया गया। यहां पर कुछ आवासीय भवन, आंगनबाड़ी केंद्र, पंचायत भवन, सामुदायिक केंद्र, 13 दुकान, 8 होटल, 3 रेस्टोरेंट सहित सहस्रधारा-कार्लीगाड मोटर मार्ग भूस्खलन के कारण 9 से अधिक स्थानों पर क्षतिग्रस्त हुआ है। रा.पूर्व.मा. वि. चामासारी में बनाए गए राहत शिविर में कुछ प्रभावित लोगों को ठहराया गया है। शिविर में प्रभावित लोगों से मिलते हुए जिलाधिकारी ने उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रभावित परिवार यदि सुरक्षित स्थानों पर किराए में शिफ्ट होना चाहते हैं, तो उनको प्रति परिवार तीन माह तक 4-4 हजार रुपये किराया भी दिया जाएगा।

मृतकों में...समेत मजदूर बह गए। हादसे में मदन (45), नरेश (48), हरचरन (60), सोमवती (55), रीना (31) और किरन (35) की डूबकर मौत हो गई। सभी शव बरामद कर लिए गए हैं। इसके अलावा राज. कुमार (21), होराम (32) और सुंदरी (42) का अभी तक पता नहीं चल पाया है। इसी तरह अमरोहा जिले के हसनपुर क्षेत्र के रहरा और आसपास के गांवों के 11 मजदूर भी देहरादून के बाजावाला गांव में मजदूरी करने गए थे। मंगलवार को बादल फटने से रिस्पना नदी का जलस्तर बढ़ गया। इस दौरान रहरा निवासी पुष्पेंद्र (20), पीतम (22) और पंकज (27) पानी के तेज बहाव में बह गए। पंकज का शव बरामद कर लिया गया है। पुष्पेंद्र और पीतम का अब तक कोई सुराग नहीं लगा है।

आरएलडी के... को दिक्कत हो रही है। खासतौर पर बिजनौर, बागपत, मुजफ्फरनगर, मेरठ, मथुरा, शामली, बुलंदशहर और सहारनपुर जनपद में इससे आरएलडी को बड़ा फायदा होने जा रहा है। सपा के चुनाव न लड़ने के ऐलान से इसके ज्यादातर दावेदार फिलहाल आरएलडी का दामन थाम लेंगे। भाजपा के साथ जाने से आरएलडी को जो नुकसान हुआ था, उसकी एक ही झटके में भरपाई हो जाएगी। मगर दावेदार आरएलडी प्रमुख के अगले कदम पर नजर लगाए हुए हैं। उन्हें इसका भी अंदेशा है कि कहीं बिजनौर, बागपत, मुजफ्फरनगर एवं मेरठ का जिला पंचायत अध्यक्ष पद भाजपा से झटक कर आरएलडी अपना यह फैसला वापस न ले ले। क्योंकि आरएलडी के मौजूदा फैसले से भाजपा को ही बड़ा नुकसान होने जा रहा है। वैसे यह भी साफ है कि भाजपा के साथ गठबंधन करने से आरएलडी को कोई ज्यादा फायदा नहीं पहुंचा है। सिर्फ केन्द्र व प्रदेश में मंत्री पद ही मिला है। प्रदेश में भाजपा की मनमानी चल रही है। आरएलडी के बड़े नेता भले ही परेशान न हो, मगर आम कार्यकर्ता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। उसकी सुनवाई नहीं हो रही है और इसीलिए वह विभिन्न किसान संगठनों से जुड़ रहे हैं।

2017 से 2021 तक के गैर-कर ई चालान होंगे खत्म

लखनऊ, वार्ता

उप्र परिवहन विभाग ने 2017 से 2021 तक के गैर-कर ई-चालानों को समाप्त करने का फैसला लिया है। अब इन चालानों को पोर्टल पर षडिस्पोस्ड अबेटेड (यदि मामला कोर्ट में लंबित था) और क्लोज्ड- आर (यदि कार्यालय में लंबित था और समय-सीमा निकल चुकी है) की श्रेणी में दिखाया जाएगा। इन चालानों से जुड़े फिटनेस, परमिट, वाहन ट्रांसफर और एचएसआरपी (हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट) जैसे अवरोध भी स्वतः हट जाएंगे। हालांकि टैक्स से जुड़े चालान इस राहत के दायरे से बाहर रहेंगे।

विभाग के अनुसार यह पूरी प्रक्रिया 30 दिनों में पूरी कर दी जाएगी। इसके बाद वाहन स्वामी पोर्टल पर जाकर अपनी चालान स्थिति देख सकेंगे। कोर्ट में लंबित प्रकरण 'डिस्पोस्ड अबेटेड' और ऑफिस लेवल पर समय-सीमा निकल चुके प्रकरण क्लोज्ड- टाइम-बार (नॉन-टैक्स) के रूप में दर्ज होंगे। विभाग ने साफ किया है कि यह केवल क्लोजर है यानि न तो किसी को रिफंड मिलेगा और न ही पुराने चालान दोबारा खोले जाएंगे। उन्होंने बताया कि 30 लाख से ज्यादा ई-चालान प्रभावित आंकड़ों के मुताबिक 2017 से 2021 के बीच 30.52 लाख ई-चालान बने थे। इनमें से 17.59 लाख का निस्तारण पहले ही हो चुका है, जबकि 12.93 लाख चालान लंबित थे। लंबित चालानों में 10.84 लाख कोर्ट में और 1.29 लाख ऑफिस लेवल पर पेंडिग थे। अब इन सभी का डिजिटल निस्तारण समय-सीमा में पूरा किया जाएगा। फ्रंट-एंड पर सभी अवरोध हटेंगे, जबकि बैक-एंड पर पूरा रिकॉर्ड और ऑडिट ट्रेल सुरक्षित रहेगा। इस फैसले के तहत केवल उन्हीं चालानों को माफ किया जाएगा, जो 31 दिसंबर 2021 तक कोर्ट में लंबित थे। वहीं, जो चालान कभी कोर्ट नहीं भेजे गए और अब समय-सीमा पार कर चुके हैं, उन्हें भी प्रशासनिक रूप से बंद किया जाएगा। टैक्स से जुड़े चालान, गंभीर अपराध, दुर्घटना या आईपीसी से जुड़े मामले इस राहत से बाहर रहेंगे। यह निर्णय कानून का पालन सुनिश्चित करने, जनता को अनावश्यक चालानों और ब्लॉकों से राहत देने, सेवाओं को समय पर उपलब्ध कराने और पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए लिया गया है। उन्होंने बताया कि 30 दिनों के भीतर सभी पेंडिग चालानों का पोर्टल पर निपटारा दिखेगा। इसके लिए हर हफ्ते एक डैशबोर्ड पर प्रगति रिपोर्ट डाली जाएगी। एनआईसी पोर्टल में जरूरी बदलाव कर रहा है ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और सुरक्षित रहे। टैक्स से जुड़ी देनदा. रियां, पहले से जमा जुर्माना और कोर्ट आदेश यथावत रहेंगे।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

क्रेटा की टक्कर ने ली जान, चला रहा था नाबालिग

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। शाहदरा डिस्ट्रिक के जीटीबी एन्क्लेव थानांतर्गत एक क्रेटा ने ओमनी वेन को जोरदार टक्कर मार दी, टक्कर की वजह से वेन में सवार एक व्यक्ति की मौत गयी, बताया जा रहा है हादसा जीटीबी लाल बत्ती पर सुबह तड़के करीब २. ३० बजे हुआ था जिसमे क्रेटा ने लाल बत्ती को तोड़ते हुए वेन में टक्कर मारी, टक्कर इतनी जोरदार थी कि क्रेटा का आगे का हिस्सा भी बुरी तरह ध्वस्त हो गया। इस दुर्घटना में मृत की पहचान चंदन राय (४८) के रूप में हुई है वह अपने परिवार के साथ साहिबा. बाद गांव में रहते थे उनके परिवार में पिता, छोटा भाई, पत्नी, बेटा ओर बेटी है, वह कौशाम्बी में वेव सिनेमा में काम करते थे स वेव सिनेमा द्वारा उनको वेन से घर छोड़ने की व्यवस्था थी मंगलवार सुबह तड़के वह अन्य स्टाफ के साथ डयूटी खत्म करके वेन से घर की तरफ निकले थे जब उनकी वेन जीटीबी हॉस्पिटल की लाल बत्ती पर पहुंची तब लाल बत्ती तोड़ती हुई एक क्रेटा गाड़ी ने वेन में जोरदार टक्कर मारी,टक्कर की आवाज सुनकर वहां आस-पास मौजूद लोगो ने चंदन को उपचार के लिए जीटीबी अस्पताल में पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है क्रेटा को कोई नाबा. लिग चला रहा था जिसे लोगो ने मौके पर ही लोगो ने पकड़ लिया था स चंदन के परिजनों ने बताया मंगलवार सुबह करीब 4 बजे उन्हें मामले की जानकारी मिली थी जिसके बाद जब मौके पर पहुंचे तब पता लगा चंदन की मौत हो चुकी है ओर जो नाबालिग गाड़ी चला रहा था उसे पकड़ लिया गया है। पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया क्रेटा एक १७ वर्षीय नाबालिग चला रहा था, दुर्घटना के समय उसके साथ उसके चार दोस्त ओर भी थे, पुलिस को ३ बजे सुबह सूचना मिली थी, क्रेटा ओर ओमनी वेन की जोरदार टक्कर लगी थी जिससे दोनों गाड़ियों को नुकसान हुआ है, दुर्घटना में चंदन राय की मौत हुई है जो ओमनी वेन से अपने घर जा रहे थे, मामला रजिस्टर्ड किया गया है जांच जारी है।

विधानसभा में 'क्षमावाणी पर्व' का होगा आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा परिसर में १७ सितंबर को दसलक्षण महापर्व के समापन अवसर पर 'क्षमावाणी पर्व' का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम राजधानी में धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक वातावरण को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। कार्यक्रम में दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और विशेष अतिथि के रूप में दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं आचार्य श्री समयसागर जी महाराज के पावन आशीर्वाद से आध्यात्मिक श्रमणी आर्यिका रत्न १०५ श्री पूर्णमति माता. जी (संघ सहित) का दिव्य सान्निध्य प्राप्त होगा।इस मौके पर "विद्याधर से विद्यासागर" प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा।

वासुदेव घाट की चल रही तेजी से सफाई

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। यमुना का जल स्तर बढ़ने से नदी किनारे रहने वाले लोगों की जिंदगी पर गहरा असर पड़ा है। बाढ़ के कारण कई परिवारों की छत और आजी. विका कुछ दिनों के लिए छिन गई थी। उन्हें अस्थायी शिविरों में रहना पड़ा।

बाढ़ प्रभावित यमुना बाजार के लोगों ने खुद के प्रयास से घरों के अंदर जाने के रास्ते बनाए और घरों को रहने लायक बनाया, लेकिन वसुदेव घाट की स्थिति बिगड़ी हुई है।

बाढ़ की आशंका, बाढ़, फिर जमा गाद के चलते करीब एक महीने से नियमित यमुना आरती स्थगित है, जिससे श्रद्धालु निराश हैं। वासुदेव घाट पर प्रत्येक मंगलवार और रविवार को शाम सात बजे आरती होती है। मंगलवार को ५०० से ७०० और रविवार को लगभग दो हजार श्रद्धालु शामिल होते हैं।

अधिकारी के अनुसार घाट पर अभी भी तीन से चार फीट तक गाद जमा है और इसे पूरी तरह साफ करने में 10 से 15 दिन और समय लग सकता है।

डीडीए के एक अधिकारी के अनुसार घाट पर अभी भी तीन से चार फीट तक गाद जमा है और इसे पूरी तरह साफ करने में १० से १५ दिन और समय लग सकता है। तब तक यहां आरती शुरू होने के साथ ही श्रद्धालुओं तथा पर्यटकों का बैठना मुश्किल है। उन्होंने बताया कि मिट्टी में पैर धंस जाने की वजह से काम में भी कठिनाई आ रही है। लेकिन जल्द ही इसे साफ कर दिया जाएगा। उनके अनुसार जहां मिट्टी सूख रही है, वहां से उसे हटाया जा रहा है और मुख्य गेट का काफी हिस्सा साफ हो चुका है।

श्रद्धालुओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए काम तेजी से कराया जा रहा है। जल्द ही घाट अपने पुराने स्वरूप में लौटेगा और आरती फिर से शुरू हो सकेगी।

वैसे, पार्किंग क्षेत्र की सफाई कर दी गई है, लेकिन मुख्य घाट की सफाई बाकी है। पार्क में बुल्डोजर चलाने से हरियाली को नुकसान हो सकता है, इसलिए काम सीमित क्षेत्रों में ही किया जा रहा है। इसी तरह, निगम बोध घाट की टूटी दीवार बनाने का काम भी शुरू नहीं हो सका है।

पीएम के जन्मदिन पर गीत 'नमो प्रगति दिल्ली-बाल स्वर से राष्ट्र स्वर तक' लांच

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। सचिवालय भावनाओं, उल्लास और राष्ट्रभक्ति से भरे ऐतिहासिक क्षण का गवाह बना। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर विशेष रूप से तैयार किए गए गीत 'नमो प्रगति दिल्ली-बाल स्वर से राष्ट्र स्वर तक' को औपचारिक तौर पर लॉन्च किया। इस गीत को दिल्ली के सरकारी स्कूलों के बच्चों ने अपनी आवाज में गाया है, जिसमें भारत की विविध भाषाओं के सुर समाहित हैं। यह गीत प्रधानमंत्री की राष्ट्र निर्माण यात्रा और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प का सशक्त प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने बच्चों को विशेष बधाई दी, जिन्होंने प्यार और अपन. पन से सुंदर गीत और वीडियो तैयार किया और विभिन्न भाषाओं में प्रधानमंत्री जी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री के लिए एक बहुत बड़ा और अनमोल उपहार बताया।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के सचिवालय पहुंचते ही दिल्ली के सरकारी स्कूलों के बच्चों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसमें ५० से अधिक सरकारी विद्यालयों ने सक्रिय भागीदारी की, जिसमें गायन, नृत्य, फोटोग्राफी, वीडिया ग्राफी और कोरियोग्राफी जैसी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया गया। साथ ही ४०० से अधिक छात्रों ने इस विशेष गीत के रिकॉर्डिंग, रचना और प्रस्तुति में योगदान दिया, जो सीधे प्रधानमंत्री जी को समर्पित है। गीत के अलावा छात्रों ने ३०० से अधिक हस्तनिर्मित शुभकामना कार्ड भी तैयार किए, जिनमें उन्होंने व्यक्तिगत जन्मदिन की बधाइयां लिखीं।

ये कार्ड मुख्यमंत्री को सौंपे गए, जिन्होंने छात्रों को आश्वस्त किया कि वह इन्हें स्वयं, साथ ही इस गीत के साथ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुंचाएंगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस परतैयार किए गए गीत 'नमो प्रगति दिल्ली-बाल स्वर से राष्ट्र स्वर तक' को औपचारिक तौर पर लॉन्च करती हुईं।

एक नजर

शरद शिल्पोत्सव में हस्तशिल्प व हथकरघा का अनोखा संगम

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। वस्त्र मंत्रालय के हस्तशिल्प एवं हथकरघा आयुक्त की ओर से "शरद शिल्पोत्सव" का आयोजन किया जा रहा है, जो 30 सितम्बर तक दिल्ली हाट, आईएनए में चलेगी। भारतीय शिल्प और बुनाई की परंपरा को सजीव रूप देने वाली यह प्रदर्शनी सुबह 11 बजे से लेकर रात 8 बजे तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी। इस उत्सव में देशभर से आए 80 हस्तशिल्प कारीगर और ३६ हथकरघा बुनकर अपने उत्कृष्ट और अनोखे उत्पादों के साथ यहाँ हिस्सा ले रहे हैं। प्रदर्शनी में पारंपरिक कलाओं और बुनाई के साथ-साथ समकालीन डिजाइन का आकर्षक मेल देखने को मिलेगा।

दिल्ली हाट को इस अवसर पर रंग-बिरंगे सजावटी स्टॉल, बेंत से बने ढाँचे और विशेष इंस्टॉलेशन से सजाया गया है। आगंतुक न केवल हस्तनिर्मित और हथकरघा उत्पाद खरीद सकेंगे, बल्कि कारीगरों से सीधे संवाद कर उनके हुनर की बारीकियाँ भी जान पाएंगे। लाइव डेमो और विभिन्न गतिविधियाँ इस उत्सव की खासियत हैं, जो कला और परंपरा को करीब से अनुभव करने का मौका देती हैं। इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय शिल्प और बुनाई की परंपराओं को बढ़ावा देना और कारीगरों-बुनकरों को सीधा बाजार उपलब्ध कराना है। "शरद शिल्पोत्सव" शिल्प जगत के असली कलाकारों को सम्मान देने के लिए वस्त्र मंत्रालय का एक सार्थक प्रयास है।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग सम्मेलन आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। अमेरिकन सोसाइटी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स ने आज अपना प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मैकेनिकल इंजीनियरिंग सम्मेलन और प्रदर्शनी इंडिया 2025 का आयोजन किया । हैदराबाद में इसका आयोजन पहली बार किया गया। इस सम्म्मेलन में प्रेरक भाषणों और नीतिगत विचारों द्वारा इंजीनियरिंग और नवाचार में भारत की अग्रणी भूमिका पर प्रकाशा डाला गया।

इस सम्मेलन में शोध, शिक्षा और उन्नत विनिर्माण में सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्ध्य से एएसएमई और केरल की आईसीटी अकादमी के बीच एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्य अतिथि श्रीनिवास कोंडापल्ली, मंत्री, एमएसएमई, आंध्र प्रदेश सरकार, ने कहा, मैं इस कार्यक्रम में शामिल होकर, खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। अपने मजबूत बुनियादी ढाँचे, क्षेत्रीय पार्कों और नवाचार केंद्रों के साथ, आंध्र प्रदेश विनिर्माण, एमएसएमई और निर्यात के केंद्र के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहा है, यह भारत के कुल निर्यात में लगभग 8% का योगदान देता है।

कॉइनस्विच ने पार किया 2.5 करोड़ यूजर्स का आंकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म कॉइनस्विच ने घोषणा की कि उसने 2.5 करोड़ पंजीकृत यूजर्स का ऐतिहासिक आँकड़ा पार कर लिया है। इस उपलब्धि के साथ कॉइनस्विच यह मुकाम हासिल करने वाला भारत का पहला क्रिप्टो प्लेटफॉर्म बन गया है। 2017 में स्थापित कॉइनस्विच ने भारतीय निवेशकों के लिए डिजिटल परिसंपत्तियों तक पहुँच को सरल बनाने का निरंतर प्रयास किया है।

इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, कॉइनस्विच के सह-संस्थापक आशीष सिंघल ने कहा "पहले दिन से ही हमारा लक्ष्य हर भारतीय के लिए धन सृजन को सुलभ बनाना रहा है। चाहे किसी नए यूजर्स के लिए सरल ऐप तैयार करना हो या अनुभवी व्यापारियों के लिए उन्नत उपकरण विकसित करना, हम हर कार्य भारतीय उपयोगकर्ताओं को ध्यान में रखकर करते हैं। 2.5 करोड़ उपयोगकर्ताओं का आँकड़ा पार करना एक बड़ा पड़ाव है, लेकिन इसे वास्तव में विशेष बनाता है यह तथ्य कि इनमें से इतने लोगों ने क्रिप्टो की अपनी पहली शुरुआत हमारे साथ की। यही हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

एफआईआर व डीसीपी की प्रेस कांफ्रेंस विरोधाभासी: आरोपी के वकील

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। धौला कुआं के पास दिल्ली बीएमडब्ल्यू हादसे में आरोपी के वकील विकास पाहवा ने दावा किया है कि इस मामले में दर्ज एफआईआर डीसीपी के प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिए गए बयान से मेल नहीं खाती।

उन्होंने कहा कि श्हमने एफआईआर पढ़ी, जो हादसे के 10 घंटे बाद दर्ज की गई। हादसा दोपहर 1:30 बजे हुआ और एफआईआर रात 11:30 बजे दर्ज की गई। एफआईआर की जानक. ारी डीसीपी की प्रेस कॉन्फ्रेंस से विरोधाभासी है...यह गलत प्रतीत होता है। बता दें कि आरोपी ड्राइवर गगनप्रीत कौर को दिल्ली पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार किया था और बाद में कोर्ट ने उन्हें दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी एवं एक महिला घायल हो गई थी।

पाहवा ने कहा, श्यदि लाप. रवाही और तेज ड्राइविंग के कारण किसी की मौत होती है तो यह जमानती अपराध है। अगर कोई इसे गैर-जमानती अपराध बनाने के लिए कुछ धाराएं जोड़ने की कोशिश करता है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि डीसीपी ने कहा है कि हादसा एक बहुत तीखे मोड़ पर हुआ। जब हादसा तीखे मोड़ पर हुआ, तो कार का अगला हिस्सा पहले टकराया। दोपहिया वाहन पर सवार दो लोग टकराए और एक डीटीसी बस से जा टकराए। उन्होंने आगे कहा, सीसीटीवी को कोर्ट में पेश नहीं किया गया। आरोपी, उनके पति और बच्चे कार में ही थे। उनके एयरबैग भी खुले और वे भी घायल हुए हैं। यह लापरवाही और तेज ड्राइविंग का मामला नहीं है। यह धारा ३०४ (गैर-इरादतन हत्या) का मामला कैसे हो सकता है? पाहवा ने एक और पक्ष रखते हुए कहा कि ड्राइवर पीड़ितों को ४५ मिनट दूर अस्पताल तक ले गए। सबूत हैं कि आरोपित ने फोन पर डॉक्टर से बात की थी और आपातकाल के लिए तैयार रहने को कहा था।

वकील ने कहा, टैक्सी ड्राइवर के अनुसार, डॉक्टरों ने उनका ठीक से इलाज किया। वे 46 मिनट में अस्पताल पहुंचे और लगभग 2:16 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। एफआईआर की कहानी जांच अधिकारी की है...आरोपी को २ दिन की न्यायिक हिरासत मिली है।

कश्मीरी गेट से दिलशाद गार्डन तक जाम से लोग बेहाल

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। कश्मीरी गेट से दिलशाद गार्डन तक का सफर, जिसे सिग्नल फ्री बनाने का दावा किया गया था, आज भी भारी ट्रैफिक से बेहाल है। जीटी रोड का यह हिस्सा राजधानी को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से जोड़ता है और रोजाना लाखों वाहन यहां से आवागमन करते हैं। बावजूद इसके, शास्त्री पार्क और सीलमपुर में फ्लाईओवर बनने के बाद भी यात्रियों को सुगम सफर नसीब नहीं हो पा रहा। सोमवार को अमर उजाला की टीम ने इस हिस्से का निरीक्षण किया तो पाया गया कि आधे घंटे से भी कम का सफर एक घंटे में पूरा हुआ। सुबह करीब ११:३० बजे दिलशाद गार्डन से शुरू किया गया सफर कश्मीरी गेट १२:३५ पर पहुंचा जा सका। दरअसल, इस मार्ग पर करीब दो दशक पहले चरणबद्ध तरीके से फ्लाईओवर बनाने की योजना शुरू हुई थी।

शास्त्री पार्क और सीलमपुर के फ्लाईओवर का उद्देश्य ही था कि यातायात को बिना रुके आगे बढ़ाया जा सके। लेकिन स्थानीय ट्रैफिक का दबाव, रेड लाइट की अधिकता और कट-प्वाइंट्स की वजह से सफर सिग्नल फ्री नहीं हो पाया। यातायात विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ फ्लाईओवर बनाकर समस्या का हल नहीं निकल सकता।

एयरोसिटी में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन डायल की जिम्मेदारी: हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की निविदा को चुनौती देने वाली दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) की याचिका को स्वीकार करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि दिल्ली म्युनिसिपल कारपोरेशन (डीएमसी) अधिनियम के तहत एमसीडी एयरोसिटी सहित एयरपोर्ट जोन में उत्पन्न ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अपने अधिकार का दावा नहीं कर सकता। अदालत ने कहा कि डीएमसी अधिनियम के प्रविधानों के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एमसीडी के अनिवार्य या विवे. काधीन दायित्वों में सूचीबद्ध नहीं है। न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने कहा कि एमसीडी की ओर से वर्तमान में लागू किसी अन्य कानून का हवाला नहीं दिया गया है, जिससे पता चलता है कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नगर निकाय का एकमात्र अधिकार क्षेत्र और कार्य है। डायल ने २८ नवंबर २०२४ के एमसीडी टेंडर नोटिस में हवाई अड्डा टर्मिनल, एयरोसिटी आदि को शामिल करने करने के नोटिस को चुनौती दी गई थी। अदालत ने कहा कि निश्चित तौर पर एमसीडी डीएमसी अधिनियम में परिभाषित नगरपालिका क्षेत्र में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य कर रही है।

दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के दक्षिण जिला पुलिस के स्पेशल स्टाफ ने अवैध हथियारों के नेटवर्क का भंडाफोड़ कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने उनके पास से तीन पिस्टल,आठ जिंदा कारतूस और एक तलवार बरामद की है। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि १३ सितंबर को स्टाफ को सोशल मीडिया पर हथियार दिखा रहे एक व्यक्ति के बारे में एक विश्वसनीय सूचना मिली।इस सूचना के मिलते ही एसीपी ऑपरेशन की देखरेख में इंस्पेक्टर अनुराग के नेतृत्व में टीम ने अपने स्थानीय सूत्रों को सक्रिय किया। टीम ने तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से, आरोपी व्यक्ति का स्थान क्राउन प्लाजा, ओखला के पास पाया गया।

जीटीबी अस्पताल में मना विश्व रोगी सुरक्षा दिवस

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। जीटीबी अस्पताल में विश्व रोगी सुरक्षा दिवस बनाया गया स ताकि रोगी सुरक्षा के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाई जा सके और स्वास्थ्य सेवाओं में रोगियों को होने वाले नुकसान और खतरों को कम किया जा सके। यह पहल वर्ष 2019 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करना है। 2025 का थीम है ष्प्रत्येक नवजात और प्रत्येक बच्चे के लिए सुरक्षित देखभालष और इसका स्लोगन है ष्शुरुआत से रोगी सुरक्षाष। यह थीम खास तौर पर नवजात शिशुओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य देखभाल में सुरक्षा की विशेष जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करती है, क्योंकि वे जोखिम और हानि के प्रति बहुत संवेदनशील होते हैं। इस दिन सरकारें, स्वास्थ्य संगठनों, पेशेवरों, माता-पिता और देखभाल कर्ताओं को साथ मिलकर सुरक्षित और बच्चों के अनुकूल स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रेरित किया जाता है। इस दिवस के अवसर पर भारत और विश्व के कई देशों में राष्ट्रीय अभियान और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें जागरूकता फैलाना, स्वास्थ्यकर्मियों के प्रशिक्षण, नीति निर्माण, परिवारों की भागीदारी बढ़ाना और नवजात एवं बाल रोग देखभाल में सुधार के लिए पहल शामिल है। कई जगह प्रमुख स्थलों को डब्ल्यूएचओ के नारंगी रंग में रोशन किया जाता है, जो इस अभियान का प्रतीक है।

कालजयी गान का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। ली रिदम फोरम ऑफ कल्चर एंड एजुक. शन एवं प्रवासी कल्याणी प्रीति ट्रस्ट ने एनबीसीसी के सहयोग से हाल ही में बिपिन चंद्र पाल ऑडिटोरियम, सी.आर. पार्क, नई दिल्ली में "मेयबेलार गान और कालजयी गान" नामक संगीतमय संध्या का आयोजन किया स

इस संगीतमय संध्या में प्रसिद्ध बांग्लादेशी-स्वीडिश लेखिका और कवयित्री तस्लीमा नसरीन की पहली बार दिल्ली प्रस्तुति हुई, जहाँ वह अपने लेखन और काव्य का पाठ किया। यह एक दुर्लभ सांस्कृतिक क्षण था जो साहित्य, संगीत और सक्रियता को एक साथ जोड़ने में सफल रहा। कार्यक्रम के आरम्भ में आयोजक राजीव मुखोपाध्याय द्वारा केक काटकर तसलीमा नसरीन का जन्मदिन भी मनाया गया

ली रिदम के सह-संस्थापक राजीव मुखोपाध्याय ने बताया कि हमारी संस्था पिछले १७सालों से काम कर रही है स ली रिदम प्रधानमंत्री मोदी जी के स्किल इंडिया मुहीम को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है स कार्यक्रम के बारे में राजीब मुखोपाध्याय ने कहा कि, "यह आयोजन नारीत्व को समर्पित है ख्र उसकी शक्ति, उसकी दृढ़ता और कला एवं संस्कृति में उसकी कालजयी अभिव्यक्ति का उत्सव है।

इसे रीनी मुखर्जी की प्रिय स्मृति में आयोजित किया गया है, और रीनी मुखर्जी फाउंडेशन के अंतर्गत उनके उस प्रेरणादायक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए, जो कला और संस्कृति की निरंतर साधना का प्रतीक है।

तीन ऑटो-लिफ्टर गिरफ्तार

नई दिल्ली। रोहिणी जिला पुलिस के अमन विहार थाने की टीम ने तीन ऑटो-लिफ्टरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से चार चोरी के ई-रिक्शा और अपराध में प्रयुक्त एक ई-रिक्शा बरामद किया है। जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि 7 सितंबर को सुबह 10 बजे, अमन विहार थाने में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई, जिसमें कॉलर ने बताया कि तीन अज्ञात व्यक्तियों ने उसे धोखा देकर उसका ई-रिक्शा चुरा लिया है। शिकायतकर्ता अपने ई-रिक्शा पर सवार था, तभी पास में एक और ई-रिक्शा आया जिसमें तीन व्यक्ति सवार थे। उनमें से एक व्यक्ति शिकायतकर्ता के पास आया और यह कहकर ई-रिक्शा बुक करने को कहा कि उसे कुछ सामान पहुँचाना है और सामान गली में रखा है।

ऑनलाइन धोखाधड़ी रोकने को जागरूकता अभियान शुरू

नई दिल्ली। भारत सरकार के गृह मंत्रालय, द्वारा स्थापित भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र और अमेजन इंडिया मिलकर एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू कर रहे हैं। यह अभियान उपभोक्ताओं को ऑनलाइन घोटालों और धोखाधड़ी के बढ़ते खतरे से बचाने के लिए तैयार किया गया है। इस साझेदारी का उद्देश्य उपभोक्ताओं को शिक्षित और जागरूक करने के साथ ही तकनीक-आधारित रोकथाम प्रावधानों को साथ लाकर घोटालों से जुड़ी जागरूकता को जमीनी स्तर तक पहुँचाना, इसे सुलभ, प्रासंगिक और कार्रवाई योग्य बनाना है। निदेशक,निशांत कुमार ने कहा, ष्स्वाभाविक रूप से त्योहारों के मौसम में हर भारतीय परिवार खरीदारी करता है। इसी दौरान धोखेबाजों अपनी धोखाधड़ी की गतिविधियों में तेजी लाते हैं और उपभोक्ताओं, विशेष रूप से पहली बार इंटरनेट का उपयोग करने वालों और वरिष्ठ नागरिकों जैसे कम जागरूक समूहों को ठगने की कोशिश करते हैं। अमेजन इंडिया लीगल के वाइस प्रेसिडेंट राकेश बख्शी ने कहा, ष्अमेजन में, ग्राहक विश्वास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 109-110, प्रताप भवन, 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎011-41509401-2
फैक्स: 011-41509403
मुख्यालय मोबाइल 9720007290
R.N.I. NoDEL.HIN./2002/8501
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

भारत माँ के चार सिपाही
हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई
देश को मज़बूत बनाना है तो
भाईचारा मज़बूत बनाएं

फैसल कुरैशी

भाई मेहरबान
अध्यक्ष: भाईचारा समिति
दिल्लीप्रदेश 9810024415

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने की जनसुनवाई

■ जनता यदि शिकायत करती है, तो समाधान होने पर प्रशंसा भी करती है: जिलाधिकारी

शाह टाइम्स संवाददाता
गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ द्वारा जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में प्रार्थियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। जन सुनवाई के दौरान नगर निगम, पुलिस विभाग, जीडीए, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना/ शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी महोदय द्वारा सभी प्रार्थियों की बातों को

ध्यानपूर्वक सुना व समझा गया। उन्होने प्रार्थियों से जाना कि उनके द्वारा पूर्व में भी इस सम्बंध में कोई प्रार्थना पत्र दिया गया था अथवा नहीं। यदि दिया गया है तो उसकी डिटेल ऑनलाईन चौक कर उस पर कार्यवाही करते हैं। उन्होने सभी प्रार्थियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्या का पूर्ण गुणवत्ता के साथ समाधान कराया जायेगा। जनसुनवाई के दौरान 1-2 दिनों से विद्युत विभाग के खिलाफ प्राप्त शिकायतों के सम्बंध में जिलाधिकारी महोदय द्वारा विद्युत विभाग एक्सईएन मोदीनगर से उक्त शिकायतों के सम्बंध में आख्या मांगी चाही गयी थी।

जिसके क्रम में एक्सईएन ने विस्तार से आख्या सहित जिलाधिकारी महोदय को समस्या से अवगत कराया, जिस पर जिलाधिकारी महोदय ने एडीएम ई, एसडीएम मोदीनगर, एक्सईएन की टीम गठित करते हुए जल्द रिर्पोट प्रस्तुत करने और समस्या का समाधान करने हेतु निर्देशित किया। इसके अलावा अन्य शिकायतों में सम्बंधित अधिकारियों को वाट्सअप पर शिकायती पत्र भेजते हुए कॉल कर उन्हें शिकायतों को नियमानुसार गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु निर्देशित किया। उन्होने कहा कि यदि किसी को कोई समस्या होती हैं तो वह उस समस्या के निराकरण के हेतु उसके पास जाता है जिससे उसे उम्मीद होती है कि वहां उसकी समस्या का समाधान हो जायेगा।

हमें उनकी इस उम्मीद पर खरा उतरना है और उनकी समस्याओं का निदान कराना है। यदि जनता शिकायत करती है तो उनकी शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण होने पर प्रशंसा भी करती है। जनसुनवाई के दौरान एडीएम ई रणविजय सिंह, एसडीएम अरूण दीक्षित, आईएएस अयान जैन, एसीएम राजेन्द्र कुमार उपस्थित रहे।

गाजियाबाद। डीएम रविंद्र कुमार मांदड को इंडस्ट्रीयल एसोसिएशन ट्रांस हिंडन साहिबाबाद के अध्यक्ष अशोक चौधरी, उपाध्यक्ष आर.के.शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य सचिन चौधरी, सुनील कुमार के द्वारा शिष्टाचार भेंट कर प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया तथा औद्योगिक समस्याओं पर चर्चा की।

स्वास्थ्य शिविर ने बढ़ाई जागरूकता लोगों को मिली सुविधा

गाजियाबाद। जन-जन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और समय पर जांच की अहमियत समझाने के उद्देश्य से गणेश अस्पताल द्वारा चिरंजीव विहार स्थित गुलमोहर सोसाइटी में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शि. विर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बड़ी संख्या में सोसाइटीवासी पहुंचे और रक्तचाप, शुगर, बीएमआई सहित अन्य जांच कराकर लाभ उठाया। शिविर का उद्घाटन गणेश अस्पताल के डायरेक्टर प्रतीक शर्मा ने किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे नियमित स्वास्थ्य जांच अवश्य कराएं क्योंकि समय पर जांच से कई गंभीर बीमारियों का पता चल सकता है और उनका इलाज संभव हो पाता है। प्रतीक शर्मा ने कहा कि गणेश अस्पताल समय-समय पर ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित करता है ताकि आमजन तक बेहतर चिकित्सा सेवाएं पहुंचाई जा सकें। शिविर में अस्पताल के प्रशासक संजय केसरवानी के नेतृत्व में पूरी टीम ने लोगों की जांच की और आवश्यक परामर्श दिया। शिविर के दौरान चिकित्सकों ने बताया कि बदलती जीवनशैली और खानपान की गलत आदतों के कारण मधुमेह, उच्च रक्तचाप और मोटापा जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में समय-समय पर जांच और परामर्श बेहद जरूरी है।

बास्केट बॉल एवं बैडमिन्टन प्रतियोगिता में
दुर्गावती हेमराज टाह सरस्वती विद्या मंदिर ने लहराया परचम

शाह टाइम्स संवाददाता
गाजियाबाद। विद्या भारती से सम्बद्ध विद्यालय दुर्गावती हेम. राज टाह सरस्वती विद्या मंदिर नेहरू नगर में क्षेत्रीय बैडमिन्टन एवं बास्केट बॉल प्रतियोगिता चल रही है। गाजियाबाद में यह विद्यालय 1956 से संचालित है तथा शिक्षा, खेलकूद के क्षेत्र में हमेशा अग्रणी रहा है।

विद्यालय में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 20 जिलों व उत्तराखण्ड के लगभग 400 खिलाडी भैया-बहिनें इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर रहे हैं। इन सभी खिलाडियों के रहने व खाने-पीने की व्यवस्था तीन दिन तक विद्यालय में ही रहेगी। आज इस खेलकूद प्रतियोगिता में उपासना पाण्डेय जी, सहायक पुलिस आयुक्त (ए० सी० पी०) नंदग्राम गाजियाबाद भी उपस्थित रहीं।

उन्होंने सभी खिलाड़ी भैया बहनों के साथ वार्ता भी की। एसीपी उपासना पांडे जी ने दुर्गावती हेमराज टाह सरस्वती विद्या मंदिर नेहरू नगर तथा नोएडा सरस्वती विद्या मंदिर अंडर 17 की बहनों के बास्केटबॉल का मैच बहुत ही उत्साह के साथ देखा। इस मैच में नेहरू नगर की टीम विजेता रही।

उन्होंने खेल के बारे में बताया कि जीवन में अनुशासन के लिए खेल बहुत उपयोगी है। उपासना पाण्डेय जी ने सभी खिलाड़ियों को जीत के लिए अग्रिम शुभकामनाएँ दीं। बास्केट बॉल प्रतियोगिता में अंडर-14, 17 एवं 19 बालक वर्ग में

लगभग 40 टीमों ने प्रतिभाग किया जिसमे अभी तक अंडर-14 व अंडर-17 बालक वर्ग में दुर्गावती हेमराज टाह सरस्वती विद्या मंदिर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा अंडर-19 में बलराम ब्रजभूषण सरस्वती विद्या मंदिर मेरठ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं अंडर-14 एवं अंडर-17 बालि. का वर्ग में भी दुर्गावती हेमराज टाह सरस्वती विद्या मंदिर ने अपना परचम लहराया है।

बैडमिन्टन प्रतियोगिता में अंडर-14 बालिका वर्ग में हनुमान प्रसाद धानुका सरस्वती विद्या मंदिर, वृन्दावन तथा भगवंती देवी सरस्वती विद्या मंदिर मुजफ्फरनगर अपने पूल मैच जीतकर आगे चल रही हैं। अंडर-14 बालक वर्ग में पार्वती प्रेमा जगाती सरस्वती विद्या मंदिर, बेहट एवं सरस्वती विद्या मंदिर शामली की टीमें आगे चल रही हैं। साथ ही अंडर-17 बालिका वर्ग में स्वामी विवेकानंद सरस्वती विद्या मंदिर, साहिबाबाद तथा सरस्वती विद्या मंदिर बागेश्वर की टीम आगे चल रही हैं।

अंडर-19 बालिका वर्ग में बालेराम ब्रजभूषण सरस्वती विद्या मंदिर मेरठ तथा अंडर-19 बालक वर्ग में सरस्वती विद्या मंदिर शामली आगे चल रही हैं। विद्यालय के प्राचार्य श्री विपिन राठी जी ने विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के खेलकूद व्यवस्था के बारे में सारी जानकारी एसीपी उपासना पांडे को दी। कि किस प्रकार से विद्या भारती पूरे देश भर में खेलों का आयोजन करती है और कैसे ये सभी भैया बहन एसजीएफआई और नेशनल तक जाते हैं। प्राचार्य विपिन राठी ने सभी खिलाड़ी भैया बहनों को जीत के लिए शुभकामनाएं दी।

एमपीएस पब्लिक स्कूल के छात्रों को कैंसर के बारे में किया जागरूक

शाह टाइम्स संवाददाता
गाजियाबाद। एम.पी.एस पब्लिक स्कूल जागृति विहार सेक्टर 23 संजय नगर में कैंसर जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा नौवीं से लेकर 12वीं तक के छात्रों को कैंसर की रोकथाम और शीघ्र पहचान के बारे में बताया गया।

इस कार्यक्रम में डॉ. लेफ्टिनेंट कर्नल ब्रहमजीत सिंह, सीनियर कंसल्टेंट यशोदा सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल और कैंसर इंस्टिट्यूट और डॉक्टर एके त्यागी डायरेक्टर सर्जिकल एवं कैंसर इंस्टिट्यूट और डॉक्टर संगम त्यागी ने कैंसर से जुड़ी समस्याओं एवं उनके इलाज के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई एवं प्लास्टिक के उपयोग की रोकथाम और उनसे जुड़ी हानि के बारे में बताया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के डायरेक्टर राजीव त्यागी, आशा त्यागी, विद्यालय की प्राचार्य सुनीता जॉनसन, उप प्रधानाचार्य पूनम शर्मा एवं सभी सभी अध्यापकगण उपस्थित रहे।

उत्तर कुमार मामले में बढ़ा आक्रोश, किया गया विरोध प्रदर्शन

गाजियाबाद। हरियाणवी फिल्म अभिनेता उत्तर कुमार से जुड़े मामले में न्याय की मांग को लेकर गाजियाबाद में आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। पीड़ित पक्ष और कई सामाजिक संगठनों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए आज जोरदार प्रदर्शन किया। सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग चलो गाजियाबाद पुलिस मुख्यालय अभियान के तहत इकट्ठा हुए और नारेबाजी करते हुए जुलूस की शक्ल में पुलिस मुख्यालय की ओर बढ़े। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन पर आरोप लगाया कि अब तक की कार्रवाई नाकाफी है, जिससे जनाक्रोश और भड़क गया है।

छाया स्कूल में होगी खो-खो राष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञ परीक्षा: एमएस त्यागी

शाह टाइम्स संवाददाता
मोदीनगर। गोविंदपुरी स्थित छाया पब्लिक स्कूल में आगामी 12 अक्टूबर 2025 को खो खो राष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञ परीक्षा का आयोजन किया जाएगा इसमें देश भर के विभिन्न राज्यों के राज्य व राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी, शारीरिक शिक्षक व खेल प्रशिक्षक इस परीक्षा में भाग लेंगे खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के चौयरमैन एम एस त्यागी ने एक प्रेस वार्ता में यह घोषणा की। उन्होंने बताया आज खो खो विश्व के 50 से भी अधिक देशों में खेला जा रहा है जनवरी2025 में दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में खो-खो वर्ल्ड कप का सफल आयोजन किया

गया था जिसमें विभिन्न देशों की 25 टीमों ने भाग लिया। खो-खो हमारा पारंपरिक खेल है और हमारे लिए यह गर्व की बात है कि हमारा खेल दूसरे देश खेल रहे हैं छाया स्कूल के प्रधानाचार्य डॉक्टर अरुण त्यागी परीक्षा के आयोजन सचिव व भूपेंद्र सिंह परीक्षा प्रभारी होगे परीक्षा को सफल बनाने में सुनील वशिष्ठ, प्रवीण कुमार, योगेश गुप्ता, अशोक नागर, सुमित, कपिल कुमार को अलग-अलग दायित्व सोपे गए हैं इस अवसर पर खो खो से जुड़े गणमान्य खिलाड़ियों की गरिमामय उपस्थिति रहे।

प्रतिष्ठित अरविंद सम्मान के लिए
संदीप त्यागी रसम के नाम की घोषणा किए जाने पर किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता
गाजियाबाद। राष्ट्रीय व्यापार मंडल के द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित अरविंद सम्मान के लिए संदीप त्यागी रसम के नाम की घोषणा किये जाने पर स्वागत किया गया। प्रतिष्ठित अरविंद सम्मान के लिए वर्ष 2025 के लिए देश भर से भारी संख्या मे आये प्रस्ताव मे केवल 13 व्यक्तित्व चिन्हित करते हुए अरविंद सम्मान के लिए घोषित किये गये हैं। राष्ट्रीय व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष बालकिशन गुप्ता व पंडित अशोक भारतीय ने कहा कि गजप्रस्थ उत्तर प्रदेश से राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित अरविंद सम्मान के लिए एडवोकेट संदीप

त्यागी रसम के नाम की घोषणा करने पर राष्ट्रीय व्यापार मंडल प्रसन्नतापूर्वक शाश्वत हिंदू प्रतिष्ठान का धन्यवाद करता है।

विदित हो कि शाश्वत हिंदू प्रतिष्ठान प्रत्येक वर्ष देश भर से अरविंद सम्मान के लिए गहनता से जांच कर कार्य के अनुसार अलग-अलग क्षेत्र मे राष्ट्रीय स्तर पर सेवा कर रहे व्यक्तित्व को चिन्हित कर सम्मानित करता है इस बार वर्ष 2025 का अरविंद सम्मान समारोह केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर मे 12 अक्टूबर को आयोजित हो रहा है डेढ दशक पूर्व कश्मीर के लाल चौक पर धारा 370 के विरुद्ध राष्ट्र ध्वज फहराने वाले, गाजियाबाद नाम परिवर्तन अभियान, चुनाव सुधार विषय पर समस्त उत्तर भारत मे सडको पर जन जागरण अभियान सफलतापूर्वक चलाकर लक्ष्य प्राप्त करने वाले, शहीद स्थल मैट्रो स्टेशन का नामकरण कराने, अमर बलिदानी क्रांतिकारियों के विभिन्न विषय पर जन जागरण करने वाले राष्ट्र भक्त एडवोकेट संदीप त्यागी रसम को अरविंद सम्मान मिलना न सिर्फ उनके लिए अपितु समस्त सहयोगी साथियो के लिए गौरव का विषय है शहर जिले- आसपास के सभी नागरिको सहित हर विषय पर कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाले उत्तर भारत के सभी सहयोगी संगठनो का सम्मान है।

संदीप त्यागी रसम ने उपस्थित सभी गणमान्य जन सहित जनसामान्य से अनवरत मिल रहे सहयोग समर्थन आशीर्वाद का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए अपना समर्थन आशीर्वाद यूं ही बनाए रखने का आग्रह किया व शाश्वत हिंदू संगठन के सभी सम्मानित पदाधिकारियो का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अरविंद सम्मान की निर्णायक कमेटी ने जो भरोसा संदीप त्यागी रसम पर जताया है उस पर खरा उतरने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ प्रयासरत रहूंगा।

बाढ़ राहत सामग्री पहुंचाने वाले मुस्लिम सेवादारों का सम्मान

गाजियाबाद। सामाजिक एकता और भाईचारे की मिसाल पेश करते हुए गाजियाबाद में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन सरदार हरमीत सिंह, प्रबंधक श्री गुरु गोविंद सिंह सभा, बजरिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम में एएसपी सिंह ओबरॉय के नेतृत्व में पंजाब में आई भीषण बाढ़ आपदा के समय राहत सामग्री पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाने वाले मुस्लिम समुदाय के समाजसेवकों और सेवादारों को सम्मानित किया गया।

समारोह में समाजसेवा की भावना से जुड़े कई प्रमुख नामों को सम्मान पत्र और शॉल भेंट कर सराहना की गई। इनमें जगमोहन कपूर, जसविंदर सिंह (अमन भाई), जसवीर सिंह, कुलविंदर सिंह, प्रितपाल सिंह खोसला, ज्ञानी संत सिंह, पप्पू भाई, हार्जिंदर सिंह, इमरान, रिजवान, गुलाब सिद्दीकी, इमरान सिद्दीकी, बल्ले सिद्दीकी, तैयब सिद्दीकी, मुरसलीन कुरैशी, जाकिर मेवाती, दानिश खान, माजिद मलिक, हाजी नदीम कुरैशी, तनवीर सहित कई अन्य सेवादार शामिल रहे। इन सभी ने बाढ़ पीड़ितों तक जरूरी सामान जैसे खाने-पीने की वस्तुएं, कपड़े, दवाइयां और दैनिक उपयोग की सामग्री पहुंचाने में अहम योगदान दिया था।

जब पंजाब में बाढ़ का संकट गहराया तो वहां हजारों परिवार प्रभावित हुए। इस कठिन समय में गाजियाबाद से कई समाजसेवी संगठन और गुरुद्वारा समितियां मदद के लिए आगे आईं। खास बात यह रही कि इस राहत अभियान में मुस्लिम समाज के लोग भी बढ़-चढ़कर शामिल हुए और भाईचारे का संदेश दिया। इन्होंने न केवल राहत सामग्री एकत्र की बल्कि उसे बाढ़ प्रभावित इलाकों तक पहुंचाने में भी सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि ऐसे सम्मान समारोह समाज में सेवा करने वालों के हौसले को बढ़ाते हैं। गुरुद्वारा प्रबंधक सरदार हरमीत सिंह ने कहा कि सिख धर्म का मूल सिद्धांत है ष्सरबत दा भलाष यानी सबका भला, और यही भावना इस राहत कार्य में दिखी। उन्होंने बताया कि मुस्लिम समुदाय के भाइयों ने यह साबित कर दिया कि इंसानियत सबसे बड़ा धर्म है।एएसपी सिंह ओबरॉय ने सेवादारों को बधाई देते हुए कहा कि गाजियाबाद जैसे शहरों में सामाजिक सौहार्द की यह मिसाल देशभर के लिए प्रेरणा है।

गाजियाबाद। सीबीएसई नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप 2025 - 26 जेपी पब्लिक स्कूल ग्रेटर नोएडा में होने वाली चैंपियनशिप में अजय प्रमुख के पुत्र विज्यांश चौधरी को 10 मीटर एयर पिस्टल (वर्ग अंडर 14) सेकंड नंबर पर सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ। विज्यांश चौधरी नेहरू वर्ल्ड स्कूल शास्त्री नगर के विद्यार्थी है। कक्षा 9 के और शूटिंग क्लब कवि नगर में प्रैक्टिस करते हैं।

डॉ. केएन मोदी यूनिवर्सिटी ने जेबीएम अहमदाबाद के साथ
उद्योग-अकादमिक संबंधों को किया मजबूत

शाह टाइम्स संवाददाता
मोदीनगर। डॉ. के. एन. मोदी विश्वविद्यालय, एनसीआर, मोदीनगर ने जेबीएम के साथहाथ मिलाकर ओद्योगिक-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

इस साझेदारी का उद्देश्य शैक्षणिक शिक्षा और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच की खाई को पाटना, ज्ञान संसाधनों को साझा करना और दो कार्यक्रमों के माध्यम से उपयोगकर्ताओं की क्षमता निर्माण पर संयुक्त रूप से काम करना है - जेबीएम अहमदाबादच्छात्रों को बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है।

इस सहयोग की घोषणा डॉ. के. एन. मोदी विश्वविद्यालय, एनसीआर मोदीनगर के कुलपति प्रो० (डॉ०) पी०एन० ऋषिकेशा जी नेकी, जिन्होंने छात्रों और संकाय के लिए इस साझेदारी के लाभों पर प्रकाश डाला।

कुलाधिपति डॉ. डॉ. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय, एनसीआर, मोदीनगर डी. के. मोदी जी और डॉ. के. एन. मोदी फाउंडेशन के रजिस्ट्रार श्री यू एन. मिश्रा जी ने इस प्रगति पर

प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उद्योग-प्रासंगिक कौशलप्रदान करने के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यह सहयोग छात्रों को जय भारत मारुति की अत्याधुनिक तकनीकों और विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए वास्तविक दुनिया की परियोजनाओं पर काम करने में सक्षम बनाएगा।

इस पहल से छात्रों की रोजगार क्षमता में वृद्धि होने और उन्हें उद्योग में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल से लैस होने की उम्मीद है। विश्वविद्यालय के मजबूत उद्योग संबंध यहसुनिश्चित करते हैं कि इसके छात्रउद्योग की मांगों को पूरा करने के लिए अच्छीत रहतैयार हों।

जेबीएम अहमदाबाद सहयोग डॉ. के. एन. मोदी विश्वविद्यालय के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के प्रति समर्पण और क्षमता निर्माण एवं छात्रों को उद्योग-तैयार बनाने पर इसके फोकस का प्रमाण है।

इस साझेदारी से छात्रों, शिक्षकों और उद्योग को व्यापक रूप से लाभ होने की उम्मीद है जिससे क्षेत्रमें कौशल विकास, नवाचार और विकास को बढ़ावा मिलेगा।

एक परिवार के छह लोगों को कुत्ते से कटवाया, रॉड-डंडों से पीटा

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। वेलकम थानांतर्गत सुभाष पार्क में बाइक हटाने को लेकर लेकर हुए विवाद में हैवानियत देखने को मिली, आरोपियों अपने पड़ोसियों पर लोहे की रॉड ओर डंडो से हमला करने के साथ अपना पालतू कुत्ता उनके ऊपर छोड़ दिया, कुत्ते ने छह लोगो को कांटकर बुरी तरह जख्मी कर दिया स घायलों में एक की हालत गंभीर बनी हुई है। पीड़ित चेतन राठौड़ ने बताया कि रविवार रात तकरीबन 11. 30बजे उनके पिता अरविन्द राठौड़ गली के बाहर खड़ी अपनी बाइक को घर के बाहर लगाने गए थे, चेतन के घर के बाहर उनका पडोसी शालू स्वामी अपनी बाइक खड़ी करके अपने दो साथियों के साथ बैठा हुआ था, जब चेतन के पिता में उनसे बाइक हटाने के लिए बोला तो शालू स्वामी नाराज हो गया और गाली-गलोच करने लगा स जिसके बाद चेतन के पिता अपने फ्लैट में चले गए ओर चेतन को बताया की शालू स्वामी बतमीजी कर रहा था, जब चेतन ने शालू स्वामी को फोन करके इस बात की शिकायत की तो उसने चेतन को अपने पास बुलाया ओर चेतन को पीटना शुरू कर दिया स जब चेतन का भाई, पिता, चाचा ओर चचेरा भाई उसे बचाने पहुंचे, तब शालू का एक साथी भागकर लाठी,डंडे ओर कुत्ता लेकर आ गया, शालू ने अपने साथियो के साथ मिलकर रॉड ओर डंडो से हमला कर दिया ओर अपना कुत्ता उनके ऊपर छोड़ दिया,कुत्ते ने छह लोगो को काट कर घायल कर दिया,इन घायलों में से अरविन्द की हालत गंभीर बनी हुई है ओर अस्पताल में एडमिट किया गया है।

गौरतलब है कि आरोपियों ने जिस कुत्ते से पीड़ित परिवार पर हमला करवाया वह रोडविलर प्रजाति का है जो काफी खतरनाक होता है, आरोपियों ने पीड़ित परिवार की महिलाओं को भी बुरी तरह पीटा है जिससे उन्हें भी काफी चोट आई है।

इग्नू ने आवेदन तिथि 30 सितंबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने जुलाई सत्र के लिए दाखिले की अंतिम तिथि को एक बार फिर बढ़ा दिया है। अब छात्र ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग और ऑनलाइन मोड के तहत विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ३० सितंबर २०२५ तक आवेदन कर सकते हैं। इससे पहले आवेदन की अंतिम तिथि 15 सितंबर थी। द्वारा डिप्लोमा, अंडरग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट, सर्टिफिकेट और पीजी डिप्लोमा जैसे कई कोर्सेज ऑफर किए जाते हैं, जिनमें अब इच्छुक अभ्यर्थी तय समय सीमा तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।इग्नू में साल में दो बार जनवरी और जुलाई सत्र के लिए एडमिशन की प्रक्रिया चलाई जाती है। जुलाई २०२५ सत्र के लिए आवेदन की अंतिम तिथि एक बार फिर बढ़ा दी गई है।

यमुना बाढ़ क्षेत्र से 2012.99 एकड़ जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी में यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्र से २०१२.९९ एकड़ जमीन (८१४.६३१ हेक्टेयर) को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। इसमें जोन-० में भूमि प्रबंधन विभाग ने २.२२ एकड़ और बागवानी विभाग की तरफ से २०१०.७८ एकड़ जमीन से अवैध कब्जे हटाए गए हैं।

दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण को सौंपी रिपोर्ट में इसका खुलासा किया है। यह कार्रवाई १ जनवरी, २०२२ से ३१ मार्च, २०२५ के दौरान की गई है। इसके अलावा दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने विभाग को ब्योरा दिया है कि उन्होंने जोन-० का सर्वेक्षण पूरा कर लिया है और अब अधिकारी निष्कर्षों के आधार पर अतिक्रमण का विश्लेषण कर रहे हैं।

एनजीटी ने दिल्ली सरकार, डीडीए और अन्य एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि वजीराबाद से पल्ला तक २२ किमी लंबे यमुना के बाढ़ प्रभावित इलाके का सीमांकन कर अवैध निर्माण हटाया जाए। इसके तहत नवंबर, २०२३ में दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया था। इसको लेकर अब तक छह बार स्थिति रिपोर्ट दायर की गई हैं। यह कार्रवाई उस समय शुरू हुई जब एनजीटी ने २२ अगस्त, २०२३ को एक मीडिया रिपोर्ट 'बाढ़ ने डीडीए के मास्टर प्लान पर पुनर्विचार क्यों किया' का स्वत: संज्ञान लिया था। रिपोर्ट में यमुना के बाढ़ क्षेत्र में हो रहे अनधिकृत निर्माण से राजधानी में आई बाढ़ की स्थिति पर चिंता जताई गई। डीडीए की तरफ से किए गए हालिया सर्वे अगस्त २०२४ के अनुसार, यमुना नदी का बाढ़ क्षेत्र (फ्लड प्लेन) कुल ९,७०० हेक्टेयर में फैला हुआ है जो दिल्ली मास्टर प्लान २०२१ के तहत जोन-० के अंतर्गत आता है। यह क्षेत्र वजीराबाद से पल्ला तक लगभग २२ किलोमीटर लंबी पट्टी को कवर करता है।

मच्छर जनित रोगों को लेकर अलर्ट पर रहने की सलाह

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। बारिश और यमुना का जलस्तर कम होने के बाद केंद्र सरकार ने दिल्ली और एनसीआर को मच्छर जनित रोगों को लेकर अलर्ट पर रहने की सलाह दी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में पड़ोसी राज्यों के साथ दिल्ली को मच्छर जनित बीमारियों के खिलाफ सावधानी बरतने की सलाह दी है। इस दौरान डेंगू को लेकर दिल्ली एनसीआर को अलर्ट पर रखते हुए अस्पतालों में जल्द से जल्द तैयारियां पूरी करने का आदेश दिया गया। हालंकि २०२४ की तुलना में ४७% कम डेंगू मामले सामने आए हैं। बारिश के लंबे मौसम और कई इलाकों में जलभराव को देखते हुए राज्यों को अपनी तैयारी फिर से आकलित करनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि दिल्ली और एनसीआर के सभी जिलों में मच्छर नियंत्रण गतिविधियों को तेज किया जाए, सर्विलांस और केस रिपोर्टिंग को और मजबूत किया जाए। बैठक में दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और नोएडा के नगर निगम अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे नियमित फॉगिंग और सोर्स रिएक्शन अभियान चलाएं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सिविल लाइन्स स्थित वीआर मेट्रोपॉलिटन में आयोजित विश्वकर्मा दिवस समारोह का उद्घाटन करती हुईं।

मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के योगदान को किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। सिविल लाइन्स स्थित वीआर मेट्रोपॉलिटन में आयोजित विश्वकर्मा दिवस समारोह शहर के श्रमिकों के योगदान को सम्मानित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर बना, जिसकी अगुवाई दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने की।

इस अवसर पर दिल्ली के माननीय श्रम मंत्री श्री कपिल मिश्रा, श्रम आयुक्त श्रीमती शिल्पा शिंदे, और वीआर मेट्रोपॉलिटन के निदेशक निपुण जैन, सिद्धार्थ गुप्ता और तारिक चिनॉय भी उपस्थित रहे। इसने श्रमिक कल्याण और साम. ुदायिक सशक्तिकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत किया।मुख्यमंत्री ने वीआर मेट्रोपॉलिटन प्रोजेक्ट साइट के श्रमिकों को सम्मानित करते हुए उन्हें प्रमाणपत्र प्रदान किए, ताकि उनके समर्पण और इस ऐतिहासिक सिटी सेंटर के विकास में दिए गए योगदान की सराहना की जा सके। यह कदम शहर के समावेशी विकास, कौशल सम्मान और श्रमिक कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने की प्रतिबद्धता को दोहराता है।

भारतभर में मनाया जाने वाला विश्वकर्मा दिवस भगवान विश्वकर्माख्रश्रमिकों और कारीगरों के देवताख्रको समर्पित है, जिससे यह अवसर शहर के निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों को सम्मानित करने के लिहाज से विशेष महत्व रखता है। "विश्वकर्मा दिवस पर हम रचनात्मकता और शिल्पकला की उस भावना को नमन करते हैं, जो हमारे शहरों का निर्माण करती है और हमारे साझा भविष्य को आकार देती है। दिल्ली के लिए वीआर मेट्रोपॉलिटन का निर्माण करते समय हमें भारत की सांस्कृतिक धरोहर से प्रेरणा मिलती हैख्रजहां पारंपरिक शिल्प कौशल और विश्वस्तरीय शहरी विकास का संगम है।

इस पहल ने न केवल कुशल श्रमिकों का सम्मान किया बल्कि यह भी प्रदर्शित किया कि सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोगी मॉडल किस तरह दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक मूल्य प्रदान कर सकते हैं।

भूजल संकट से निपटने को 15,962 अवैध बोरवेल सील

नई दिल्ली। भूजल संकट से निपटने के लिए अवैध बोरवेल के खिलाफ दिल्ली में २०,२९७ अवैध बोरवेल में से १५,९६२ को सील कर दिया गया है। इस कार्रवाई का असर इतना प्रभावी रहा कि ३,८७५ लोगों ने खुद अपने अवैध बोरवेल कनेक्शन कटवा लिए हैं। यह खुलासा केंद्रीय भूजल प्राधिकरण ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण को सौंपी अपनी हालिया रिपोर्ट में किया। यह रिपोर्ट एनजीटी के २८ मई, के निर्देश के जवाब में दाखिल की गई, जिसमें दिल्ली सरकार और जल बोर्ड की कार्रवाइयों की निगरानी कर अवैध बोरवेल की स्थिति और जल निकायों के कायाकल्प पर जानक. ारी मांगी गई थी।

धौला कुआं बीएमडब्ल्यू हादसा मामले में गगनप्रीत कौर का अल्कोहल टेस्ट नेगेटिव

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। धौला कुआं बीएमडब्ल्यू हादसा मामले में दिल्ली पुलिस ने बताया कि आरोपी गगनप्रीत कौर का अल्कोहल टेस्ट नेगेटिव आया है। यह जांच इसलिए की गई ताकि यह पता चल सके कि हादसे के समय क्या गगनप्रीत नशे में गाड़ी चला रही थी? फिलहाल, गगनप्रीत को अरेस्ट कर तिहाड़ जेल में दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस दुखद सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है और एक अन्य गंभीर रूप से घायल है।आरोपी के वकील विकास पाहवा ने मामले में दर्ज एफआईआर पर चिंता जताई है। उनका दावा है कि एफआईआर डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (डीसीपी) के प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिए गए बयानों से मेल नहीं खाती।

पाहवा ने बताया, ष्हमने एफआईआर पढ़ी, जो हादसे के १० घंटे बाद दर्ज की गई। हादसा दोपहर १:३० बजे हुआ और एफआईआर रात ११:३० बजे दर्ज की गई। एफआईआर की जानकारी डीसीपी की प्रेस कॉन्फ्रेंस से विरोधाभासी है और गलत प्रतीत होती है। पाहवा ने तर्क दिया कि लापरवाही और तेज ड्राइविंग के आरोप इस मामले में लागू नहीं होने चाहिए। उनका कहना है कि भारतीय दंड संहिता की धारा ३०४ (गैर-इरादतन हत्या) को अनुि. चत रूप से लागू किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, ष्यदि लाप. रवाही और तेज ड्राइविंग के कारण किसी की मौत होती है, तो यह जमानती अपराध है। इसे गैर-जमानती बनाने के लिए धाराएं जोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण है। डीसीपी ने कहा कि हादसा एक तीखे मोड़ पर हुआ, जहां कार का अगला हिस्सा पहले टकराया। दोपहिया वाहन पर सवार दो लोग टकराए और एक डीटीसी बस से जा टकराए। पाहवा ने बताया, ष्सीसीटीवी फुटेज को कोर्ट में पेश नहीं किया गया।

आरोपी, उनके पति और बच्चे कार में थे, उनके एयरबैग खुले और वे भी घायल हुए हैं। यह लापरवाही और तेज ड्राइविंग का मामला नहीं है। धारा ३०४ का मामला कैसे बनता है? आरा. ेप है कि पीड़ितों को ४५ मिनट दूर अस्पताल ले जाया गया।

हरियाणा आईटीओ बैराज सौंपने पर सहमत

नई दिल्ली। हरियाणा सरकार ने यमुना नदी पर स्थित आईटीओ बैराज को दिल्ली सरकार के नियंत्रण में सौंपने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इससे दिल्ली में बाढ़ से निपटने में आसानी होगी। २०२३ में दिल्ली में आई बाढ़ के लिए बैराज के खराब गेट बड़ी वजह बने थे, जिसके बाद दिल्ली सरकार ने इसके नियंत्रण की मांग की थी। दिल्ली सरकार के अनुरोध के बाद हरियाणा सरकार ने आईटीओ बैराज को सौंपने का निर्णय लिया है। इस बार मानसून से पहले ही बैराज के सभी ३२ गेटों की मरम्मत कर दी गई थी, ताकि २०२३ जैसी बाढ़ की स्थिति दोबारा न हो।

बेटे के बर्थ-डे पर निकली पिता की अर्थी

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। धौला कुआं में 14 सितंबर को बीएमडब्ल्यू कार दुर्घटना में जान गंवाने वाले नवजोत सिंह का पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया और विधि विधान के साथ उनको आखिरी विदाई दी गई। इससे पहले खबर थी कि उनकी बहन अमेरिका में हैं इस वजह से अंतिम संस्कार में देरी हुई। मंगलवार को वो दिल्ली लौटीं और नवजोत सिंह को अंतिम विदाई दी गई। बहन ने अपने पिता से फोन कर भाई को आखिरी बार देखने की इच्छा जताई थी। नवजोत सिंह की मौत की खबर जब बड़ी बहन पुनीत तक पहुंची तो उनकी दुनिया ही उजड़ गई। उन्होंने पिता बलवंत सिंह से वीडियो कॉल पर रोते हुए यही गुजारिश की कि भाई का अंतिम संस्कार उनके आने के बाद ही किया जाए।

परिवार के सदस्यों ने बताया कि घटना के बाद से नवजोत के ८० साल के पिता बलवंत सिंह पूरी तरह से टूट चुके हैं। पिता बलवंत सिंह एयरफोर्स से रिटायर अधिकारी हैं। उन्होंने बताया कि नवजोत का कुछ ही दिनों में प्रमा. ेशन होने वाला था और परिवार ने प्रमोशन के बाद एक साथ घूमने की योजना बनाई थी।

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर शपथ लेते हुए।

मंत्री ने ओजोन विश्व दिवस पर पर्यावरण संरक्षण की ली शपथ

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने पर्यावरण विभाग और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर शपथ ली। इस अवसर पर सरकार की पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री सिरसा ने कहा कि ओजोन परत की रक्षा हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए सामूहिक जिम्मेदारी है। विश्व ओजोन दिवस पर हम वैज्ञानिक समझ से आगे बढ़कर ठोस वैश्विक कदम उठाने का संकल्प लेते हैं। दिल्ली ने हमेशा ओजोन नष्ट करने वाले पदार्थों को खत्म करने में नेतृत्व दिखाया है और हम जलवायु संरक्षण और वायु गुणवत्ता सुधार में भी अग्रणी बने रहेंगे। मैं सभी नागरिकों से अपील करता हूँ कि जागरूक निर्णय लें, पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाएँ और दिल्ली एवं देश को स्वस्थ व सस्टेनेबल बनाने में योगदान दें। इस मौके पर पर्यावरण विभाग, डीपीसीसी अधिकारियों और आम जनता को जागरूक करने के लिए एक कार्यशाला और प्रदर्शनी का भी आयोजन किय।

एनडीएमसी विश्व कीर्तिमान बनाने की ओर विकसित

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ७५ वें जन्मदिन के अवसर पर उनके दूरदर्शी नेतृत्व का उत्सव मनाने हेतु नई दिल्ली नगरपालिका परिषद एक विश्व कीर्तिमान बनाने की ओर "विक. सित भारत के रंग, कला के संग" कार्यक्रम का आयोजन करेगी। यह जानकारी नई दिल्ली नगरपा. लिका परिषद के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने दी।

चहल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी.सेवा ही संकल्प है, भारत प्रथम प्रेरणा है ७५ साल के ध्यान में रखते हुए परिषद १७ सितंबर से २ अक्टूबर तक सेवा पर्व के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। इन्हीं कार्यक्रमों की श्रृंखला में "विकसित भारत के रंग, कला के संग" कार्यक्रम १९ सितंबर को कर्तव्य पथ लॉन, में किया जाएगा। चहल ने बताया की इस राष्ट्रव्यापी आंदोलन में हर राज्य, हर जिला और हर गांव अपनी-अपनी भागीदारी निभाएगा।

उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम पद्मविभूषण, पदमश्री, प्रख्यात एवं वरिष्ठ कलाकारों, त्रिवेणी कला संगम तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।चहल ने कहा कि अब तक १२५०० कलाकारो ने रजिस्ट्रेशन करवा लिया है । उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण १० किलोमीटर लंबी कैनवस पेंटिंग होगी, जिसे पद्म विभूषण, पद्मश्री, प्रख्यात एवं वरिष्ठ कलाकारों और विद्यार्थियों द्वारा बनाया जाएगा। यह पहल विश्व की सबसे बड़ी सामूहिक कला कृतियों में से एक होगी और इसे विश्व रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने बताया कि पेंटिंग की थीम में मोदी जी के कार्यों, उनकी योजनाओं एवं परियोजनाओं, विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका तथा "विक. सित भारत @२०४७ की परिकल्पना सहित अन्य विषयों को प्रदर्शित किया जाएगा।

उन्होंने आगे बताया कि भारत और विदेशों के कई प्रसिद्ध कलाकार वर्चुअल रूप से इस कार्यक्रम से जुड़ेंगे, अपनी कलाकृतियाँ और प्रेरणादायी संदेश साझा करेंगे।

14 लाख की डकैती करने वाले गैंग का पर्दाफाश, 3 गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। आनंद विहार इलाके में हुई नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने आनंद विहार इलाके में दिनदहाड़े हुई चौदह लाख रुपये की डकैती करने वाले गैंग का भंडाफोड़ कर तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने उनके पास से दो देसी पिस्टल ,१ बेरेटा पिस्टल और १७ जिंदा कारतूस और डकैती में इस्तेमाल की गई एक ऑल्टो कार बरामद की है।दिल्ली पुलिस अपराध शाखा पुलिस उपायुक्त संजीव कुमार यादव ने बताया कि ३१ अगस्त को दिल्ली के आनंद विहार थाना क्षेत्र में पान मसाला व्यापारी के गोदाम में चौदह लाख रुपये मूल्य की सशस्त्र डकैती की घटना हुई थी। इस संबंध में आनंद विहार, थाने के तहत मामला दर्ज कर एसीपी संजय क्र. नागपाल की देखरेख में इंस्पेक्टर अरुण सिंधु के नेतृत्व में टीम ने जांच शुरू की। जांच के दौरान टीम ने घटना स्थल के सीसीटीवी फुटेज की जाँच की गई जिसमें पाँच व्यक्ति घटना स्थल पर एक ऑल्टो कार में दिखाई दिए जो फर्जी पाई गई। इसी बीच १० सितंबर को गुप्त सूचना पर गैंग के दो सदस्य आमिर सुहेल और दीपक शर्मा को गिरफ्तार कर लिया।

जीएसटी में बदलाव के बाद मदर डेयरी के प्रोडक्ट पर होंगे दो रूपये कम

नई दिल्ली। मदर डेयरी ने मंगलवार को जीएसटी कटौती के साथ अपने ग्राहकों को बड़ी राहत देने का फैसला लिया है। कंपनी ने पैकेज्ड दूध की कीमतों पर दो रुपये की कटौती का एलान किया गया है। यानी दूध दो रुपये सस्ता हो जाएगा। मदर डेयरी ने एलान करते हुए कहा कि जीएसटी में कटौती का लाभ २२ सितंबर से सीधे ग्राहकों को मिलेगा। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी मदर डेयरी ने कहा कि नई कीमतों के साथ कंपनी के उत्पादों का पूरा पोर्टफोलियो अब जीएसटी के शून्य या सबसे निचले 5 प्रतिशत स्लैब के अंतर्गत आता है।

डूसू चुनाव: अंतिम दिन प्रत्याशियों ने झोंकी ताकत

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव प्रचार के आखिरी दिन किरोड़ीमल कॉलेज में एनएसयूआई और एबीवीपी छात्र समूहों के बीच झड़प हो गई।

यह घटना उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के आने से कुछ समय पहले हुई, जो एनएसयूआई उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने परिसर में आए थे। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के उम्मीदवारों ने नॉर्थ कैंपस, साउथ कैंपस और ऑफ कैंपस के कॉलेजों में प्रचार

■ एसयूआई-एबीवीपी में भिड़ंत

किया। चुनाव के लिए एबीवीपी ने अध्यक्ष पद पर आर्यन मान, उपाध्यक्ष पद पर गोविंद तंवर, सचिव पद पर कुणाल चौधरी और संयुक्त सचिव पद पर दीपिका झा को मैदान में उतारा है।

एबीवीपी से डूसू अध्यक्ष पद के उम्मीदवार आर्यन मान ने कहा कि कैंपस परिसरों में छात्रों का अथाह प्यार मिल रहा है। पूर्व में एबीवीपी- नीत डूसू पदाधिकारियों द्वारा किए गए कार्यों को लेकर हम छात्रों के बीच जा रहे हैं। चाहे यू-स्पेशल बस की शुरुआत हो या कॉलेज में आईसीसी का सुचारू संचालन हो। ऐसे तमाम मुद्दों पर छात्र हमारे साथ खड़े हैं। पूर्ण विश्वास है कि आगामी छात्रसंघ चुनाव में छात्र एबीवीपी पर भरोसा जताएंगे और हमारी जीत सुनिश्चित करेंगे।

एबीवीपी से उपाध्यक्ष पद के उम्मीदवार गोविंद तंवर ने कहा कि इस वर्ष एबीवीपी यूनिवर्सिटी हेल्थ कार्ड, ओपन जिम, सब्सिडाइज्ड स्वास्थ्य बीमा और जॉब मेला जैसे विषयों पर कार्य करने वाली है। मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार एबीवीपी के पक्ष में जनमत आएगा और केंद्रीय पैनल की सभी सीटों पर एबीवीपी विजय प्राप्त होगी। एबीवीपी से सचिव पद के उम्मीदवार कुणाल चौधरी ने कहा एबीवीपी की विशेषता है कि यह पूरे वर्ष जमीन पर सक्रिय रहती है, केवल रील पर नहीं। इस वर्ष एबीवीपी विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट, 10 हजार से अधिक इंटर्नशिप, मुफ्त एआई टूल्स सर्टिफिकेशन प्रोग्राम और चतुर्थ वर्ष के छात्रों के लिए रिसर्च पेपर लेखन में सुविधा जैसे मुद्दों पर कार्य करेगी।

मुझे विश्वास है कि इस बार हमारा पैनल भारी मतों से विजयी होगा और डीयू के इतिहास में नया अध्याय लिखेगा।

एबीवीपी से संयुक्त सचिव पद की उम्मीदवार दीपिका झा ने कहा कि सभी कॉलेजों में छात्राओं का स्नेह और समर्थन मिल रहा है।

सूचना

मुकदमा नं.-575

नाम मौ. उमर पुत्र हाजी मौ. साबिर मकान नं.-202, राजीव गांधी, न्यू मुस्तफाबाद, दिल्ली तुमको सूचित किया जाता है कि तुम्हारी पत्नी शबनम पुत्री मुन्सिफ अली निवासी काजीबाड़ा, खुर्जा, बुलन्दशहर ने तुम्हारे खिलाफ एक मामला महकमा-ए-शरिया, जिला मेरठ में दाखिल किया है और तुमने उसका जवाब भी दाखिल कर दिया है। तुमको बयानहल्फी के लिए बुलाया गया लेकिन तुम नहीं आये। अब इस अखबारी और आखिरी नोटिस के जरिये तुमको सूचित किया जाता है इसके प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर अपने ब्यानहल्फी की तकमील करो। अगर तुमने कोई तवज्जो नहीं की तो तुम्हारे तान्नुत की वजह से मामले का शरई फैसला कर दिया जाएगा, जिसके बाद तुमको किसी तरह की चाराजोई का हक नहीं होगा और न तुम्हारा कोई उज्र काबिले कुबूल होगा।

-मौलाना खुर्शीद अहमद कासमी
जनरल सैक्रेट्री
महकमा शरिया जिला मेरठ।

ब्लैक स्पॉट्स स्थलों पर शीघ्र किए जाएं सुधार:जिलाधिकारी

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक, दिए निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। जिलाधिकारी अस्मिता लाल की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में सड़क सुरक्षा, स्कूली वाहनों का औचक निरीक्षण, ब्लैक स्पॉट सुधार, दुर्घटना आंकड़ों की समीक्षा तथा नए सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के दौरान परिवहन विभाग ने अवगत कराया कि शासन द्वारा गुड सेमीरिटन योजना का नाम बदलकर अब इसे राहगीर योजना कर दिया गया है। इस योजना के तहत सड़क हादसों में घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुँचाने वाले नागरिकों को 25,000 तक की प्रोत्साहन राशि एवं कानूनी सुरक्षा का आश्वासन दिया जाएगा।। जिलाधिकारी ने सभी अस्पतालों में इसके लिए अलग रजिस्टर बनवाने के निर्देश दिया ताकि सहायता प्राप्त लोगों का रिकॉर्ड व्यवस्थित रूप से रखा जा सके। सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा में सामने आया कि अगस्त 2024 में जनपद में कुल 28 दुर्घटनाएँ हुई थीं, जिनमें 14 लोगों की मृत्यु हुई थी, जबकि अगस्त 2025 में 30 दुर्घटनाएँ हुईं, जिसमें 10 लोगों की मृत्यु दर्ज की गई। पुलिस विभाग द्वारा अगस्त 2025 में कुल 3680 चालान किए गए, जिनमें बिना हेलमेट दोपहिया वाहन, बिना सीट बेल्ट, ओवर स्पीडिंग, ड्रंक एंड ड्राइविंग, मोबाइल चलाते समय वाहन चलाने जैसे अपराध शामिल हैं। परिवहन विभाग ने भी अलग-अलग उल्लंघनों पर कुल 747 चालान जारी किए। विशेष रूप से ब्लैक स्पॉट्स पर ध्यान दिया गया। जिले में कुल 25 ब्लैक स्पॉट्स हैं, जहाँ दुर्घटनाएँ अधिक होती हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि इन स्थलों पर शीघ्र सुधार कार्य किए जाएं ताकि दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। साथ ही हिट एंड रन मोटर एक्सीडेंट्स कम्पेन्सेशन स्कीम के तहत पीड़ितों को आर्थिक सहायता देने की व्यवस्था पर भी जोर दिया गया। इस योजना के तहत दुर्घटना में घायल पीड़ित को 50,000 और मृत्यु की दशा में 2 लाख की सहायता राशि जिला स्तरीय समिति के समक्ष दावा प्रस्तुत करने पर दी जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसे पीड़ित वंचित नहीं रहेंगे और उनके परिजनों को समय पर आर्थिक लाभ मिलना सुनिश्चित किया जाएगा। हिट एंड रन की जिला स्तरीय समिति में उपजिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्साधिकारी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सहित अन्य सदस्य शामिल हैं, जो नियमित रूप से बैठक कर योजना की प्रगति पर नजर रखते हैं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को व्यापक प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश दिए। इसके लिए बसों पर स्टीकर लगाए जाएंगे और प्रमुख चौराहों व सरकारी कार्यालयों पर होर्डिंग लगवाकर आम जनता को जागरूक किया जाएगा। इस अवसर पर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी राघवेंद्र, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी अतुल कुमार, अधिशासी अधिकारी कृष्ण कुमार भड़ाना सहित आदि उपस्थित रहे।

कब्रिस्तान में भरा नाले का गंदा पानी, लोगों ने जताई आपत्ति

शाह टाइम्स संवाददाता

रटौल। ढिकोली मार्ग पर तिराहे के समीप कब्रिस्तान में नाले का गंदा पानी भरने से लोगो मे आक्रोश है लोगो ने उच्च अधिकारियों से पानी निकलवाने की मांग की है।

रटौल मे ईदगाह से लेकर गंदे नाले तक पानी की निकासी के लिए नाले का निर्माण कराया जा रहा है जिसका कार्य अधिकांश पुरा हो चुका है कुछ हिस्सा रटौल ढिकोली मार्ग पर आरके पब्लिक के समीप बनाया जा रहा है जिससे लेकर नाले के पानी को रटौल तिराहे से पहले मिट्टी डालकर बंद कर दिया गया जिससे नाले का गंदा पानी समीप की अल्लाह बंदी के कब्रिस्तान मे भर गया जब राहगीरों ने और कस्बें के लोगो ने कब्रिस्तान में पानी भरा देखा तो वीडियो बना ग्रुप्रो पर वायरल कर लोगो से अपील की कब्रिस्तान में जिन लोगो के परिवार के लोगो की कब्रे है वह कब्रिस्तान में पहुंच मिट्टी डाल पानी रोके वही लोगो से उच्च अधिकारियों से भी कब्रिस्तान से पानी निकलवाने की अपील की है।

स्वच्छता व पौधारोपण अभियान का किया गया सफल आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। जिलाध्यक्ष चांदनी जैन द्वारा स्थानीय विद्यालयों, सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों के सहयोग से स्वच्छता एवं पौधारोपण अभियान का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर के प्रमुख विद्यालयों की छात्राओं शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सभी को स्वच्छता शपथ दिलाकर किया गया। जन संबोधन में कहा कि स्वच्छता केवल सरकार या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। गंदगी रोगों की जड़ है और स्वच्छ वातावरण से ही स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। अभियान का चरण पौधारोपण को समर्पित रहा। विद्यालय और सड़क किनारों पौधे लगाए गए। छायादार पेड़ों के साथ-साथ तुलसी जैसा औषधीय पौधों का भी रोपण किया गया।

हत्या के मामले में फरार चल रहा आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। बड़ौत कोतवाली पुलिस ने मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी अभियुक्त मोहन को गिरफ्तार किया है। मोहन अपने जीजा सोनू की हत्या के मामले में फरार चल रहा था।

बड़ौत में पुलिस टीम एसपी सूरज कुमार राय के निर्देशन में चेकिंग अभियान चला रही थी। इस दौरान एक बाइक सवार को रोकने का प्रयास किया गया। बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली से बदमाश घायल हो गया। घायल की पहचान वांछित अपराधी मोहन के रूप में हुई। बड़ौत के किदवई नगर निवासी मोहन के पिता सुखपाल की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने 12 सितंबर को मोहन के साथी रोहित सोनू ऊं काली को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। एडिशनल एसपी प्रवीण सिंह चौहान ने बताया कि मोहन के कब्जे से एक मोटरसाइकिल, एक अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद हुआ है। अभियुक्त को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

एक नजर

प्रकृति और पशु-पक्षियों की रक्षा करना केवल दया नहीं, बल्कि हमारा संविधानिक कर्तव्य भी है:डीएम

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। गर्मी में तेज़ धूप और गर्म हवाएं उन्हें जल स्रोत और छांव से वंचित कर देती हैं। सर्दियों में कम तापमान और ठंडी हवाएं उनके लिए जीवन संकट बन जाती हैं। ऐसे में एक छोटा-सा पक्षी घर, हर मौसम में उन्हें सुरक्षा, आराम और स्थायित्व देता है। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने कहा कि प्रकृति और पशु-पक्षियों की रक्षा करना केवल दया नहीं, बल्कि हमारा संविधानिक कर्तव्य भी है। यदि हर घर में एक पक्षी घर हो तो हम हजारों पक्षियों को सुरक्षित जीवन देने के साथ साथ आने वाली पीढ़ियों को भी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का संदेश दे सकते हैं। पक्षी घर लगाने से अनेक लाभ मिलते हैं। ये न केवल पर्यावरण को संतुलित करते हैं, बल्कि हमारे जीवन में भी सकारात्मक बदलाव लाते हैं। सबसे पहले, पक्षी प्राकृतिक कीट नियंत्रण में सहायक होते हैं। वे पौधों को नुकसान पहुंचाने वाले कीड़े और लार्वा खाते हैं। इस प्रकार, खेतों और बगीचों में रसायनों के उपयोग की आवश्यकता कम हो जाती है। कुछ पक्षी परागण और बीज फैलाव में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे जैव विविधता बढ़ती है और पौधों का प्राकृतिक चक्र सुचारु रहता है। पक्षियों की उपस्थिति हरियाली और जीवन्तता बनाए रखती है। खेतों और बगीचों में उनका आना-जाना प्राकृतिक संतुलन को मजबूत करता है। इसके साथ ही, पक्षियों की चहचहाहट मानसिक शांति प्रदान करती है। उनका मधुर स्वर तनाव और थकान को कम करने में सहायक होता है।

हर घर में पक्षी घर बनेगा जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का प्रतीक

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। बच्चों के लिए पक्षी घर प्रकृति से जुड़ने और जीवों को समझने का एक सुंदर अवसर प्रदान करते हैं। इससे उनमें संवेदनशीलता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। जानिए कैसे बनाएं पक्षी घर? लकड़ी, प्लास्टिक की बोतल, या मिट्टी के बर्तन जैसे सुलभ साधनों से इसे आसानी से तैयार किया जा सकता है। छत, दीवार या पेड़ पर इसे सुरक्षित और ऊँचाई पर टांगा जा सकता है। छेद का आकार स्थानीय पक्षियों के अनुकूल हो। पानी और दाने की व्यवस्था हो तो पक्षी बार-बार लौटेंगे और इसे अपना स्थायी निवास बना लेंगे। हर घर में पक्षी घर बनेगा जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का प्रतीक यह मुहिम सिर्फ एक पर्यावरणीय पहल नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक और नैतिक जिम्मेदारी भी है। जिलाधिकारी ने आहवान किया है कि हर घर में एक पक्षी घर केवल आश्रय नहीं, बल्कि हमारी करुणा, जागरूकता और जिम्मेदारी का प्रतीक होना चाहिए। यह छोटा-सा कदम, हजारों जिंदगियों को संवार सकता है। यदि हर नागरिक एक पक्षी घर लगाए, तो यह अभियान एक जनांदोलन बन सकता है। ऐसा आंदोलन जो चहचहाहट से भरा हो, जो आने वाली पीढ़ियों को यह सिखा सके कि प्रकृति के साथ रहना, उसे बचाना और उसे महसूस करना कितना ज़रूरी है। तो आइए, इस संवेदनशील और सुंदर पहल का हिस्सा बनें। अपने घर में एक पक्षी घर लगाएँ, और हर मौसम में बेजुबानों को दें एक सुरक्षित सहारा।

स्वच्छता व पौधारोपण अभियान जारी रखने का लिया संकल्प

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। विशेषज्ञों ने बताया है सभी कि पौधारोपण से न केवल वायु की गुणवत्ता बेहतर होगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को हरियाली और स्वच्छ वातावरण भी मिलेगा। नागरिकों से अपील की गई कि लगाए गए पौधों की देखभाल सामूहिक जिम्मेदारी समझकर करें, ताकि ये भविष्य में घने वृक्ष बनकर पर्यावरण की रक्षा कर सकें। चांदनी जैन ने कहा कि यह अभियान केवल एक दिन का कार्यक्रम न होकर निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। प्रत्येक व्यक्ति यदि अपने घर, गली और मोहल्ले को साफ-सुथरा रखे तथा साल में कम से कम एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल करे, तो हमारा शहर शीघ्र ही स्वच्छ और हरित नगर का उदाहरण बन सकता है। अंत में, सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए यह संकल्प लिया गया कि स्वच्छता और पौधारोपण की यह मुहिम निरंतर जारी रहेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में रेशू जैन, अंजलि सिंह, रेनू शर्मा आदि का सहयोग प्राप्त हुआ।

प्रधान ने डीएम से शिकायत कर पंचायत सचिव पर लगाए आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। अहैड़ा ग्राम पंचायत में सरकारी फंड के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। आरोप है कि पंचायत सचिव संदीप ने केंद्रीय राज्यमंत्री चौधरी जयंत सिंह के प्रस्तावित स्वागत कार्यक्रम के नाम पर ग्राम पंचायत खाते से बिना ग्राम प्रधान की अनुमति के हजारों रुपये निकाले। ग्राम प्रधान हरकरण सिंह ने डीएम को दी शिकायत में बताया कि सात अगस्त को राज्यमंत्री का स्वागत कार्यक्रम प्रस्तावित था। इसके लिए सड़क पर चूना डालने और पौधे लगवाने की तैयारी की गई थी, लेकिन अंतिम समय में मंत्री का कार्यक्रम रद्द हो गया। इसके बावजूद सचिव ने प्रधान का डोंगल लेकर खाते से 13 अगस्त को पांच हजार रुपये चूना और पौधों के नाम पर निकाले। प्रधान का आरोप है कि वास्तव में बहुत कम चूना डाला गया और पौधे विद्यालय से ही लगवाए गए। इतना ही नहीं, एक अगस्त को पेंटिंग के नाम पर 20 हजार रुपये और पांच अगस्त को स्टेशनरी के नाम पर आठ हजार रुपये का भुगतान भी उनकी जानकारी के बिना कर दिया गया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि विद्यालय की दीवारों पर पेंटिंग के दौरान पूर्व सचिव अंजलि का नाम मिटाकर केवल वर्तमान सचिव का नाम लिखवाने के लिए भी खर्च दिखाया गया। ग्राम प्रधान की शिकायत पर डीएम ने मामले की जांच बैठा दी है। फिलहाल यह मामला ग्रामीणों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

चीनी मिल रमाला में उपसभापति जयदेव ने किया किसान मेले का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

रमाला। सहकारी चीनी मिल रमाला के गन्ना विकास परिषद कार्यालय के प्रांगण में किसान मेले का प्रधान प्रबंधक व उपसभापति ने फीता काटकर किया। इस दौरान मेले में पांच चीनी मिलों के अधिकारियों की भागीदारी किसानो की पर्ची सट्टा सर्वे आदि समस्याओं पर चर्चा की गई।

चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक विवेक कुमार यादव तथा उपसभापति जयदीप सिंह ने मिल के अन्य अधिकारियों के साथ सैकड़ो किसानों ने फिता काटकर 10 दिवसीय मेला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर रमाला चीनी मिल खतौली चीनी मिल तितावी चीनी मिल ऊन चीनी मिल बजाज चीनी मिल बुढ़ाना आदि चीनी मिल के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर किसानों की गन्ने संबंधित समस्याएं सुनी। किसानों ने अपनी अपनी समस्या बता समाधान कराया। यह मेला 10 दिन तक मिल परिसर में किसानों की समस्याएं सुनकर हल किया जाएगा। प्रधान प्रबंधक विवेक कुमार यादव ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि जिस किसान भाई के गन्ने की कोई समस्या है तो मिल में आकर अपनी समस्या का समय पर हल करवा सकता है। किसानों ने समस्या बताई तथा मौके पर निस्तारण कराया। इस मौके पर मिल के समस्त अधिकारी उपस्थित रहे। इसके उपरांत प्रधान प्रबंधक विवेक कुमार यादव के साथ मिल के उपसभापति जयदेव सिंह और चीनी मिल के अधिकारियों ने अंदर मिल कारखाने का निरीक्षण किया और कार्य में लगे सभी कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिए।

अमन कुमार के सहयोग से प्रदर्शनी में विशेष कॉर्नर किया जाएगा स्थापित

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश के विकसित होते स्वरूप की झलक भी प्रस्तुत की जाएगी। बीते वर्षों में बुनियादी ढांचे, सड़क निर्माण, स्वास्थ्य सुविधाओं, उद्योग और निवेश के क्षेत्र में हुई प्रगति को विशेष रूप से दर्शाया जाएगा।

प्रदर्शनी का एक बड़ा आकर्षण समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश /2047 अभियान होगा। इसके अंतर्गत प्रदेश सरकार ने नागरिकों से ऑनलाइन सुझाव आमंत्रित किए है ताकि हर वर्ग अपनी आकांक्षाएँ और सुझाव साझा कर सके। इस अभियान का मकसद है कि प्रदेश के विकास की रणनीति केवल योजनाओं और नीतियों तक सीमित न रहे, बल्कि किसानों, युवाओं, महिलाओं, उद्यमियों, शिक्षाविदों, श्रमिकों और समाज के हर वर्ग की भागीदारी पर आधारित हो। जिसके लिए राज्य युवा पुरस्कार से सम्मानित अमन कुमार के सहयोग से प्रदर्शनी में विशेष कॉर्नर स्थापित किया जाएगा। विकसित उत्तर प्रदेश को लेकर चलाए जा रहे जागरूकता अभियान की सामग्री भी प्रदर्शनी का हिस्सा होगी।

गांधीजी के आदर्शों और विचारों को ध्यान में रखते हुए लोगों को सेवा और सहयोग जैसे मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। प्रदर्शनी में आने वाले आगंतुकों को न केवल सरकारी योजनाओं की जानकारी मिलेगी बल्कि वे यह भी समझ पाएंगे कि इन योजनाओं का लाभ उठाकर वे अपने जीवन स्तर को कैसे सुधार सकते हैं और प्रदेश को विकसित भारत बनाने की दिशा में योगदान दे सकते हैं।

हर मौसम, हर घर एक पक्षी घर:जिलाधिकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। जहां एक ओर बदलते मौसम इंसानों के लिए कभी राहत तो कभी चुनौती लेकर आते हैं, वहीं पक्षियों के लिए यह समय और भी कठिन होता है। कभी बारिश, कभी तेज धूप, तो कभी सर्द हवाए। यह सभी मौसम उनके लिए सुरक्षित आश्रय की कमी को उजागर करते हैं। इन्हीं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने एक नवाचारपूर्ण और संवेदनशील अभियान की शुरुआत की है। हर मौसम, हर घर एक पक्षी घर।

इस पहल का उद्देश्य है कि हर नागरिक अपने घर, आंगन, छत या बगीचे में एक पक्षी घर स्थापित करे, ताकि पक्षियों को साल भर एक सुरक्षित आश्रय मिल सके। इससे न केवल पक्षियों की जान बचाई जा सकती है, बल्कि इंसान और प्रकृति के बीच एक गहरा और करुणामय रिश्ता भी स्थापित होगा। हर मौसम के लिए पक्षी घर क्यों ज़रूरी हैं? मानसून में लगातार बारिश और तेज़ हवाओं से पक्षियों के घोंसले नष्ट हो जाते हैं, अंडे और नन्हे चूजे संकट में आ जाते हैं।

71 माध्यमिक अशासकीय प्रबन्ध समितियों की बैठक आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। नगर में मंगलवार को जनता वैदिक डिग्री कॉलिज में जनपद के 71 माध्यमिक अशासकीय इण्टर कॉलिज की प्रबन्ध समितियो के पदाधिकारियों के एक आवश्यक बैठक प्रदेश स्तरीय एक विशेष समिति के गठन हेतु आहुत की गयी, जिसमें लगभग 25 माध्यमिक विद्यालयों कार्यरत प्रबन्ध समिति के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में माध्यमिक विद्यालयों का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रदेश स्तरीय विशेष समिति का गठन किया गया, जिसमें राजेन्द्र शर्मा पूर्व विधायक अध्यक्ष, यमुना इण्टर कॉलिज, बागपत, अनिल यादव, प्रबन्धक, कृष्णा इण्टर कॉलिज, बालैनी, वीरेन्द्रपाल सिंह लोहड्डा, मास्टर प्रहलाद सिंह, निर्भय सिंह, सचिन कुमार, हरपाल सिंह, सोहित त्यागी, संजय शर्मा, शिव कुमार, डॉ.अशोक यादव, प्रवीण जैन, सुखबीर सिंह गठीना, ब्रजमोहन 14 पदाधिकारी एवं सदस्य बनाये गये। इस दौरान बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बागपत अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों की प्रबन्ध समितियों के पदाधिकारियों से 21 सितम्बर तक उनके सामने आ समस्याओं का प्राप्त विभागीय उच्चाधिकारियों को समस्याओं से अवगत कराया जायेगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि गठित विशेष समिति जल्द ही जिला विद्यालय निरीक्षक, बागपत से भी वार्ता करेगी। इस दौरान बैठक में 25 से अधिक विद्यालयों की प्रबन्ध समितियों के पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक विकास भवन में विशेष प्रदर्शनी की जाएगी आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। सेवा पर्व के अवसर पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग बागपत द्वारा 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक विकास भवन में विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना और उन्हें सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित करना है। प्रदर्शनी का शुभारंभ कल गणमान्य अतिथियों द्वारा किया जाएगा और इसका समापन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर किया जाएगा।

प्रदर्शनी में प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी आकर्षक पैनल, मॉडल, पोस्टर और डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि, महिला सशक्तीकरण, स्टार्टअप एवं स्वरोजगार योजनाओं सहित शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्र से जुड़ी तमाम योजनाओं की झलक देखने को मिलेगी। आयोजन में विशेष रूप से युवाओं, महिलाओं, किसानों और विद्यार्थियों को जोड़ने पर जोर दिया जाएगा। प्रदर्शनी को जनसंपर्क और संवाद का माध्यम बनाया गया है। इसमें आगंतुकों के लिए योजनाओं से जुड़े क्विज और प्रश्नोत्तरी जैसी रोचक गतिविधियों का भी आयोजन होगा, ताकि लोग योजनाओं के बारे में जानकारी लेने के साथ-साथ अपनी भागीदारी भी दर्ज करा सकें।

पिता के मरणोपरांत बेटे ने कराया नेत्रदान, समाज के लोगों को दिया संदेश

शाह टाइम्स संवाददाता

बड़ौत। नगर के बिनौली रोड़ निवासी सतीश चन्द गुप्ता ने अपने 85 वर्षीय पिता रामकुमार गुप्ता के मरणोपरांत नेत्रदान कराया है। उन्होंने नेत्र दान कराकर समाज के लोगों को भी संदेश दिया। भारत विकास परिषद् द्वारा संचालित सुभारती आई बैंक सोसाइटी की टीम ने नेत्रदान का कार्य संपन्न कराया। रामकुमार गुप्ता ने 15 वर्ष पहले नेत्रदान का संकल्प लिया था।

पिछले कई बरसों से समाज सेवा के कार्यों के साथ-साथ रामकुमार गुप्ता राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े थे। उन्होंने 1992 में कार सेवा भी की थी। वे विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष व विभाग अध्यक्ष रहे थे। वे अग्रवाल महासभा के संरक्षक भी थे। भारत विकास परिषद के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन ने कहा कि समाज के लिए पुनीत कार्य है। नेत्र और रक्त दुनिया की किसी भी फैक्ट्री में नहीं बनता है। इसके लिए आपको जीते जी रक्तदान और मरणोपरांत नेत्रदान का संकल्प लेना पड़ेगा। नगर निवासी प्रवीण जैन ने कहा सतीश गुप्ता ने अपने पिता का नेत्रदान कर नेक कार्य किया है। हमें संकल्प लेने की जरूरत है कि हम अपनी आंखों को मरणोपरांत अवश्य दान करेंगे।

सूचना

मेरे पुत्र का आचरण ठीक नहीं है गलत आचरण के चलते मै अपने पुत्र ऋषभ व उसकी पत्नि स्वीटी से सम्बंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं भविष्य में अपने किसी भी कृत्य के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। शारदर पत्नि जितेन्द्र कुमरी निवासी बागपत थाना व तहसील बागपत जनपद बागपत।

सूचना

मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम रजिन्देर (RAJINDER) दर्ज हो गया है जोकि गलत है जबकि मेरे समस्त कागजातों में मेरा सही नाम RAJENDRA DHAKA है भविष्य में मुझे RAJENDRA DHAKA के नाम से ही जाना व पहचाना जाए। राजेन्द्र ढाका पुत्र राजवीर सिंह निवासी ग्राम ढिकौली थाना चांदीनगर तहसील बागपत जिला बागपत

सूचना

मेरी पुत्री का आचरण ठीक नहीं है गलत आचरण के चलते मै अपनी पुत्री शिखा से सम्बंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं भविष्य में अपने किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगी। बिमलेश पत्नि अशोक निवासी ग्राम बरनावा थाना बिनौली जनपद बागपत।

यमुना प्राधिकरण के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

■ 2500 करोड़ की भूमि अतिक्रमण मुक्त

शाह टाइम्स ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। यमुना विकास प्राधिकरण (यीडा) के अधिसूचित एरिया में हो रहे अवैध निर्माण के खिलाफ आज बड़ी कार्यवाही की गई। प्राधिकरण द्वारा जनपद बुलंदशहर क्षेत्र के झाझर और ककोड़ में भू-माफिया द्वारा काटी गई अवैध कालोनियों पर यीडा की टीम ने बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। अतिक्रमण मुक्त कराई गई जमीन की कीमत 2500 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इस दौरान कुछ लोगों ने प्राधिकरण की इस कार्रवाई का विरोध करने का प्रयास किया। जो पुलिस बल देखकर भाग गए।

इन दिनों यमुना प्राधिकरण भू-माफियाओं के विरूद्ध एक्शन में है। यमुना सीईओ राकेश कुमार सिंह के सख्त निर्देश पर प्राधिकरण के आला-अफसरों द्वारा की जा रही कार्यवाही से अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मचा हुआ है। प्राधिकरण के अधिकारियों ने प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में अतिक्रमण पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से अर्जित एवं कब्जा प्राप्त भूमि पर भू-माफियाओं द्वारा किये जा रहे अतिक्रमणों के खिलाफ विशेष अभियान चला रखा है।

मंगलवार को यमुना प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में किए गए अवैध अतिक्रमण के लिए सीईओ राकेश कुमार सिंह के कड़े निर्देशों व जिलाधिकारी मेधा रूपम के निर्देशन के क्रम ओएसडी शैलेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में जनपद बुलंदशहर क्षेत्र के झाझर व ककोड़ में व्यापक स्तर पर अतिक्रमण ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया । इस अभियान में दोनों गांव की लगभग 250 बीघा अधिसूचित भूमि को कब्जा मुक्त कराया गया। जिसकी बाजारू कीमत लगभग 2500 करोड़ रुपए है।

ओएसडी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान ऐरोनेस्ट कॉलोनाइजर झाझर, श्री राधा गौरी एनक्लेव ककोड़ तथा रुद्र प्रॉपर्टीज ककोड़ जैसी अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया गया। ओएसडी ने अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध लगातार अभियान जारी रखने की बात कही है तथा भोले - भाले खरीददारों को ऐसे प्रॉपर्टी डीलरों से सतर्क रहने का भी संदेश दिया। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान मौके पर प्राधिकरण के डिप्टी कलेक्टर शिवअवतार सिंह, ओएसडी अजय कुमार शर्मा, ओएसडी अभिषेक शाही, ओएसडी कृष्ण गोपाल त्रिपाठी समेत बुलंदशहर जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों समेत प्राधिकरण के अन्य अधिकारी व पुलिस बल मौजूद रहा।

वहीं यीडा के अधिकारियों ने आम जनता से अपील करते हुए कहा है कि अवैध रूप से जमीन कब्जा कर काटी जा रही कॉलोनियों में अपनी गाढ़ी कमाई न फंसाएं। अगर किसी कॉलोनाइजर से अवैध कॉलोनी में प्लॉट खरीदा है तो रजिस्ट्री का प्रपत्र लेकर पुलिस से शिकायत करें। साथ ही इसकी एक कॉपी प्राधिकरण को भी उपलब्ध कराएं ताकि ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा है कि यमुना प्राधिकरण के अधिसूचित एरिया में किसी भी व्यक्ति को अवैध निर्माण करने की इजाजत नहीं है। यमुना क्षेत्र में कहीं भी जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से संपर्क कर पूरी जानकारी जरूर प्राप्त कर लें। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति व संस्था द्वारा किसी प्रकार की कोई जमीन की खरीद-फरोख्त की जाती है तो उसमें होने वाले किसी भी प्रकार की लाभ-हानि के लिए यमुना प्राधिकरण की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी, उसके लिए व्यक्ति व संस्था स्वयं जिम्मेदार होगा।

नोएडा टोल ब्रिज कंपनी को 100.71 करोड़ का नोटिस

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने बीते सात साल के दौरान का अतिरिक्त शुल्क मांगने के लिए टोल ब्रिज कंपनी को 100 करोड़ 71 लाख रुपये का नोटिस जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि अलग-अलग सड़कों के हिसाब से प्राधिकरण ने विज्ञापन के शुल्क तय कर रखे हैं। नोएडा के हिस्से में विज्ञापन लगवाने का अधिकार डीएनडी को संचालित कर रही नोएडा टोल ब्रिज कंपनी के पास है।

डीएनडी के संचालन के समय से ही प्राधिकरण ने यहां पर नोएडा टोल ब्रिज कंपनी से विज्ञापन शुल्क लेने के लिए कम दरें तय कर रखी थीं। इसकी वजह यह है कि डीएनडी को लेकर नोएडा प्राधिकरण व टोल ब्रिज कंपनी के बीच एग्रीमेंट हो रखा है। साल 2016 से डीएनडी टोल फ्री चल रहा है। इसके अलावा उच्चतम न्यायालय ने कुछ महीने पहले ही इसके एग्रीमेंट को लेकर सवाल भी उठाए थे।

2018 से 2025 तक मांगा अतिरिक्त बकाया: दस साल से डीएनडी के टोल फ्री होने समेत अन्य वजहों के चलते अब नोएडा प्राधिकरण ने टोल ब्रिज कंपनी को विज्ञापन का अतिरिक्त शुल्क लेने के लिए नोएडा टोल ब्रिज कंपनी को नोटिस जारी किया है। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि नोटिस के जरिए अप्रैल 2018 से अप्रैल 2025 का अतिरिक्त बकाया मांगा है।

500 रुपये प्रति स्कवायर फिट से मांगा पैसा: अधिकारियों ने बताया कि टोल ब्रिज कंपनी अभी 125 रुपए स्कवायर फिट के हिसाब से नोएडा प्राधिकरण को विज्ञापन लगवाने का भुगतान कर रही है। अब बीते सालों में दो-तीन बार विज्ञापन के रेट में इजाफा किया है।

इस समय डीएनडी जैसी मुख्य सड़क पर विज्ञापन का शुल्क 500 रुपए प्रति स्कवायर फिट है। इसी हिसाब से गणना करते हुए नोएडा टोल ब्रिज कंपनी से पिछले सात साल का बकाया मांगा गया है। नोएडा प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक विश्वास त्यागी ने बताया कि टोल ब्रिज कंपनी को बकाया जमा करने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है।

बकाया नहीं देने पर होगी कार्रवाई: तय समय में बकाया नहीं देने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरण की जांच में सामने आया कि टोल ब्रिज कंपनी डीएनडी पर अलग-अलग कंपनियों के होर्डिंग्स लगवाकर अधिक मुनाफा कमाती है लेकिन नोएडा प्राधिकरण को न्यूनतम दर से भी भुगतान करती आ रही है। गौरतलब है कि डीएनडी के आसपास काफी खाली जमीन पड़ी है।

कुछ साल पहले तक करीब 300 एकड़ से अधिक जमीन खाली पड़ी थी। खाली जमीन का सटीक आंकलन करने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने सर्वेक्षण कराने का निर्णय ले रखा है।

बाइक सवारों ने दो लोगों से मोबाइल फोन छीने

नोएडा। निठारी गांव निवासी हिमांशु सिंह सोमवार की रात सेक्टर-19 जा रहे थे। बिजलीघर के पास पीछे से आए बाइक सवार बदमाश उनका मोबाइल झपट कर ले गए। सेक्टर-68 के ग्रीन पार्क कॉलोनी निवासी ब्रजेश कुमार नौ सितंबर की रात घर के पास मोबाइल पर बात कर रहे थे। इसी दौरान बाइक पर सवार दो बदमाश आए और उनका मोबाइल छीन कर भाग गए। बदमाशों ने ब्रजेश को धक्का देकर नीचे गिराने का भी प्रयास किया। पुलिस ने दोनों मामलों में केस दर्ज कर लिया है।

फैक्ट्री में भीषण आग, आठ गाड़ियों ने घंटों बाद पाया काबू

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। नोएडा के फेज-2 थाना क्षेत्र के होजरी कॉम्प्लेक्स स्थित प्रोसेस कंपनी लिमिटेड की फैक्ट्री के बेसमेंट गोदाम में अचानक आग लग गई। मंगलवार को आग की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। करीब 8 दमकल गाड़ियों की सहायता से घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

रात डेढ़ बजे मिली सूचना: मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि आग लगने की सूचना रात करीब डेढ़ बजे प्राप्त हुई। आग फैक्ट्री के बेसमेंट स्थित स्टोर में लगी थी, जिससे बचाव कार्य में दिक्कत हुई। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया है। राहत की बात यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। बिल्डिंग के ऊपरी मंजिलों पर रखा सामान सुरक्षित निकाल लिया गया।

मोमबत्ती और अगरबत्ती बनती है: जिस फैक्ट्री में आग लगी है वहां पर मोमबत्ती और अगरबत्ती बनाने का काम होता है। शार्ट सर्किट से आग लगने की घटना के बाद लोगों की भीड़ मौके पर एकत्र हो गई। समय रहते आग पर काबू नहीं पाया गया होता तो बड़ी घटना हो सकती थी।

लगातार लग रही आग: दो दिन पहले ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित ला रेजिडेंशिया सोसायटी के एक फ्लैट में आग लगने की घटना सामने आई थी। फ्लैट मालिक विकास मणि शाम को करीब सवा चार बजे बालकनी के पास बने स्टोर रूम से धुआं उठता दिखाई दिया, जिसके बाद आग की लपटें फैल गई।

आग से स्टोर रूम में रखा कूलर, हीटर और बच्चों का पालना जलकर राख हो गया।

एक नजर

युवक को पीटने के मामले में कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज

नोएडा (शाह टाइम्स)। इकोटेक-3 क्षेत्र के डी पार्क तुस्याना कट के पास काम से लौट रहे युवक पर चार लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की है। बुलंदशहर के विनीत कुमार वर्तमान में इकोटेक-3 स्थित न्यू होलैंड चौक के गोदाम में कार्यरत हैं। 5 जून 2025 की शाम वह ड्यूटी समाप्त कर अपने घर लौट रहे थे। जब वह डी-पार्क तुस्याना कट के पास पहुंचे, तभी अमित, आंसू और उनके साथ आए दो अज्ञात व्यक्तियों ने उसे रोक लिया। आरोपियों ने अचानक उस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया और मारपीट करते हुए गालियां दीं। घटना में विनीत को गंभीर चोटें आईं। राहगीरों की मदद से घायल को तत्काल न्यूमेड हॉस्पिटल सेक्टर-10 में भर्ती कराया गया। जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार का कहना है कि केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

उद्यमियों की शिकायत पर क्या बोले नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम

नोएडा(शाह टाइम्स)। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉक्टर लोकेश एम ने मंच से कहा कि नोएडा के उद्यमियों की शिकायत व समस्या निस्तारण को प्राधिकरण हर समय तैयार है। अगर किसी उद्यमी की कोई शिकायत या समस्या है तो वो पत्र देने के साथ ही मुझसे व्यक्तिगत मिल सकता है। मैं ह्वाट्सऐप पर अगर किसी उद्यमी की शिकायत पाता हूं तो जिम्मेदार अधिकारी को मौके पर भेजता हूं। देश के दूसरे औद्योगिक शहरों की तुलना में नोएडा अलग है। यह सिर्फ औद्योगिक शहर नहीं है। आवासीय व वाण्याजिक हब भी है। इसलिए यहां की चुनौतियां भी अलग हैं। सीईओ ने कहा कि हम चाहते हैं, जहां पर इंडस्ट्री है। उसके आस-पास ही कर्मचारी से लेकर सीईओ तक रहें। न्यू नोएडा में जो उद्यमी इंडस्ट्री लगायेंगे, जो कर्मचारी काम करने को आएंगे। इनके रहने की जरूरत को पूरा किया जाएगा।

जिम से घर लौट रहे युवक से मारपीट में चार युवक गिरफ्तार

नोएडा (शाह टाइम्स)। बीटा-2 कोतवाली पुलिस ने प्रोव्यो टेक्नो सिटी सोसायटी में जिम से लौट रहे युवक से मारपीट मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान बोबेन्द्र उर्फ बाबी निवासी सेक्टर जू-3 व भारत निवासी गांव सुनपुरा, अभिषेक डांगर निवासी निम्बस-1 सोसाइटी व सचिन यादव निवासी निम्बस-1 सोसाइटी के रूप में हुई है। सोसाइटी निवासी पीड़ित लोकेश ने केस दर्ज कराया था कि 11 सितंबर की रात वह जिम से लौट रहे थे। जैसे ही वह सोसायटी गेट के अंदर पहुंचे। तभी पीछे से आए करीब 10 से 12 युवकों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने उस पर हमला बोल दिया और लात-घूंसों से पीटकर घायल कर दिया। हमलावरों ने उसके साथ खड़े सचिन शर्मा को भी नहीं छोड़ा और उसकी भी पिटाई कर दी। पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार का कहना है कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया था। सीसीटीवी फुटेज व अन्य साक्ष्यों के आधार पर घटना में संलिप्त चार आरोपी बोबेन्द्र उर्फ बाबी भाटी, भारत, अभिषेक डांगर व सचिन यादव को गिरफ्तार किया जा चुका है।

नौवें दिन भी अधिवक्ताओं की हड़ताल जारी, रजिस्ट्रार के खिलाफ निकाली रैली

नोएडा (शाह टाइम्स)। सब रजिस्ट्रार कार्यालय ग्रेनो वेस्ट में स्थानांतरण किए जाने के विरोध में अधिवक्ताओं की नौवे दिन भी हड़ताल जारी रही। अधिवक्ताओं ने मंगलवार को डीआईजी रजिस्ट्रार के पुतले की शवयात्रा निकाली। पूरे नगर में घुमाते हुए श्मशान घाट पर दहन कर आक्रोश जताया। इस दौरान करीब 15 संगठन शामिल रहे। मंगलवार को अधिवक्ता एवं सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता तहसील परिसर में एकत्र हुए और नारेबाजी की। अधिवक्ताओं एवं सामाजिक संगठनों कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से कहा कि तहसील से सब-रजिस्ट्रार कार्यालय को ग्रेनो वेस्ट में स्थानांतरण किया जाना अधिवक्ता एवं क्षेत्र की जनता के साथ धोखा है। गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को वहां पहुंचने में बेहद परेशानी होगी। बार एसोसिएशन दादरी को जिला बार एसोसिएशन कलेक्ट्रेट में प्रस्ताव पारित कर आंदोलन में सहयोग करने का आश्वासन दिया गया।

नोएडा में आवारा कुत्तों का टीकाकरण अभियान शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर नोएडा में आवारा कुत्तों के लिए बड़े पैमाने पर टीकाकरण और डीवार्मिंग (कीड़े की दवा) अभियान शुरू कर दिया गया है। यह पहल पीपल फॉर एनिमल्स, वसुंधरा एनिमल वेलफेयर ट्रस्ट और हाउस ऑफ स्ट्रे एनिमल्स जैसी संस्थाओं के सहयोग से चलाई जा रही है।

सूत्रों के अनुसार 15 और 16 सितम्बर को लगभग 80 आवारा कुत्तों का सफलतापूर्वक टीकाकरण और डीवार्मिंग किया गया। इसके साथ ही आरडब्ल्यूए और संबंधित विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में विभिन्न सेक्टरों और गांवों में इन कुत्तों के भोजन स्थलों की भी पहचान की गई।।अभियान को चरणबद्ध तरीके से संचालित किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा 15 सितम्बर से लेकर आगामी 14 अक्टूबर तक पहले चरण में 41 गांव/सेक्टर और 13 नवम्बर तक दूसरे चरण में 50 से अधिक क्षेत्रों को कवर किया जाएगा।

प्रत्येक कुत्ते का रिकॉर्ड तैयार कर सुरक्षित डाटा भी रखा जा रहा है।।जिला प्रशासन का कहना है कि यह अभियान न केवल पशुओं की सेहत की सुरक्षा के लिए है, बल्कि मानव समाज को रेबीज जैसी बीमारियों से बचाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

दुकान के सामने ठेली लगाने पर दो सगे भाइयों को पीटा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट के पतवाड़ी गोल चक्कर पर दुकान के सामने ठेली लगाने को लेकर विवाद हो गया। दुकानदार ने ठेली लगाने वाले दो सगे भाइयों के साथ मारपीट कर दी। सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो वायरल हो गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बिसरख कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पतवाड़ी गोल चक्कर पर अच्छेजा गांव के रहने वाले विकास उर्फ बबलू और नकुल उर्फ नंदू की मिठाई की दुकान है। उनकी दुकान के सामने दो सगे भाई प्रेमपाल और कल्याण ठेली लगाते हैं। दुकानदार विकास का दुकान के सामने ठेली लगाने को लेकर दोनों भाइयों से विवाद हो गया।

अजनारा होम्स में 15 मिनट तक दो फ्लोर के बीच अटकी रही लिफ्ट, बुजुर्ग महिला घबराई

शाह टाइम्स संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की अजनारा होम्स सोसाइटी में लिफ्ट अटकने की घटना सामने आई है। लिफ्ट में चार महिलाओं समेत कुल आठ लोग सवार थे। लिफ्ट ऊपर के फ्लोर की तरफ जा रही थी। अचानक लिफ्ट में झटका लगा और वह दो फ्लोर के बीच रुक गई। लिफ्ट में मौजूद लोगों के मोबाइल में नेटवर्क नहीं था। एक बुजुर्ग महिला घबराने लगी। लोगों ने इमरजेंसी बटन दबाया। गार्ड और टेक्नीशियन ने पहुंचकर लिफ्ट खोली और सभी को बाहर निकाला। लिफ्ट करीब 15 मिनट तक अटकी रही।

लिफ्ट में फंसे एक व्यक्ति ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया। वीडियो में उन्होंने बताया कि लिफ्ट का कोई रजिस्ट्रेशन नहीं है। यह लिफ्ट अक्सर अटकती रहती है। लिफ्ट एक्ट लागू होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने बिल्डर पर लापरवाही का आरोप लगाया। कहा कि यहां उनकी जान की कोई कीमत नहीं है।

कब्रिस्तान की जमीन पर विवाद

शाह टाइम्स संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के रीलखा गांव में कब्रिस्तान के लिए आवंटित जमीन को लेकर विवाद गहरा गया है। प्राधिकरण ने सोमवार को सपेरा समाज को 2200 वर्ग मीटर जमीन कब्रिस्तान के लिए दी थी। मंगलवार को गांव की पंचायत के बाद अन्य समाज के लोगों ने इसका विरोध शुरू कर दिया।

ग्रामीणों का कहना है कि यह जमीन आबादी क्षेत्र के बिल्कुल पास है। वे अपने घरों के नजदीक कब्रिस्तान नहीं बनने देंगे। उन्होंने आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

इस विवाद से पहले रविवार को एक महत्वपूर्ण घटना हुई थी। सपेरा समाज के लोगों ने एक वृद्ध महिला का शव इसी जमीन पर दफनाया था। महिला का शव 24 घंटे से अधिक समय तक धरने के दौरान वहीं रखा गया था। प्रशासनिक अधिकारियों ने रविवार को आकर जमीन आवंटित की थी। इसके बाद अंतिम संस्कार किया गया।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस गांव में तैनात है। दनकौर कोतवाली पुलिस मामले पर नजर रख रही है। प्रशासन की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

ग्रामीण कब्रिस्तान के विरोध में नहीं हैं। उनकी मांग है कि इसे आबादी से दूर बनाया जाए। वहीं सपेरा समाज के लोग अपनी बात पर अडिग हैं। उनका कहना है कि जब एक अंतिम संस्कार हो चुका है, तो कब्रिस्तान यहीं विकसित किया जाए।

गुलदार ने बछिया व बकरे को बनाया निवाला

शाह टाइम्स संवाददाता

बढ़ापुर। गुलदार ने अलग-अलग स्थानों पर हमला कर एक बछिया और एक बकरे पर हमला कर मार डाला। ग्राम मुकंदपुर राजमल निवासी महावीर सिंह ने पशुपालन के लिए गांव के बाहर भट्टे के समीप डेरा डाल रखा है। देर शाम महावीर सभी पशुओं को डेरे में बांधकर घर चला गया। आज सुबह जब वह डेरे पर पहुंचा तो बछिया डेरे से गायब थी। तलाश करने पर पास के गन्ने के खेत में बछिया मृत पड़ी हुई थी, जिसको गुलदार ने मारकर उसका कुछ भाग खा लिया था। उधर ग्राम अफजलपुर भाऊ उर्फ भाऊवाला निवासी सुरेंद्र पाल सिंह ने मकान की छत पर बकरी पाल रखी है। देर शाम वह बकरियों को छत से नीचे उतार रहा था।

डेंगू- मलेरिया की रोकथाम को लेकर प्राधिकरण की समीक्षा बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण की ओर से मंगलवार को डेंगू व मलेरिया नियंत्रण को लेकर विशेष समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालक अधिकारी सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया और विस्तृत चर्चा के बाद रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए कई ठोस कदम उठाए जाने के निर्देश दिए।

बैठक में तय किया गया कि नोएडा क्षेत्र में आवासीय सोसायटियों, सेक्टरों और कॉलोनियों में नियमित फॉगिंग कराई जाएगी। गड्ढों व खाली प्लॉटों में जमा पानी की सफाई की जाएगी और टायर, कूलर व अन्य बर्तनों में पानी न ठहरने देने के लिए जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों और अन्य संस्थानों में विशेष बैठकों के माध्यम से डेंगू-मलेरिया की रोकथाम से संबंधित जानकारी दी जाएगी। औद्योगिक व वाणिज्यिक क्षेत्रों में भी सफाई अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जिला अस्पताल में डेंगू मरीजों के लिए अलग से वार्ड तैयार रखने, दवाओं व उपकरणों का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं, ग्राम स्तर पर प्रभावी निगरानी के लिए प्रत्येक गाँव में एक जूनियर इंजीनियर की नियुक्ति की जाएगी, जो नियमित रिपोर्ट अधिकारियों को सौंपेगा।

नोएडा प्राधिकरण ने मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए आम जनता से भी सहयोग की अपील की है। प्रमुख स्थानों पर होर्डिंग और डिजिटल स्क्रीनिंग के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा।

युवक का शव पेड़ से लटका मिला

नोएडा। तिलपता गांव के समीप खाली भूखंड में सोमवार रात युवक का शव पेड़ से लटका मिला। आशंका जताई गई कि उसने पत्नी से विवाद के चलते यह कदम उठाया। सूरजपुर कोतवाली की पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से कासगंज निवासी 25 वर्षीय मनोज कुमार तिलपता स्थित पायलट कॉलोनी में परिवार के साथ रहता था। वह मजदूरी करता था। मनोज ने सोमवार की रात अपने घर के बराबर में खाली पड़े भूखंड में जाकर गले में बेल्ट से फंदा लगाकर पेड़ से लटक कर खुदकुशी कर ली। पुलिस की छानबीन में पता चला है कि मनोज का अपनी पत्नी से विवाद चल रहा था। पिछले 13 महीने से उसकी पत्नी उसे छोड़कर अलग रह रही थी। इसके बाद से वह मानसिक तनाव में था। आशंका है कि घरेलू विवाद के चलते युवक ने खुदकुशी की।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। 25 से 29 सितम्बर, 2025 तक इंडिया एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले "यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025" के तृतीय संस्करण की भव्य तैयारियों को लेकर इंडिया एक्सपो मार्ट के सभागार में पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह, मुख्य कार्यपालक अधिकारी यमुना प्राधिकरण राकेश कुमार सिंह, मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा प्राधिकरण लोकेश एम व जिलाधिकारी मेधा रूपम ने समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये।

बैठक में यातायात व्यवस्था, वीवीआईपी मूवमेंट, उद्घाटन समारोह की रूपरेखा, सुरक्षा प्रबंध, पार्किंग व्यवस्था, होटल की दरों, ब्रांडिंग एवं आम जनता की सुविधा जैसे प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में पुलिस आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आयोजन स्थल तक आने-जाने वाले मार्गों पर वीवीआईपी मूवमेंट को ध्यान में रखते हुए विशेष ट्रैफिक प्लान तैयार किया जाए। मार्गों पर बैरिकेडिंग, डाइवर्जन, साइनेज एवं सुरक्षा तैनाती की व्यवस्था समय से पूर्ण कर ली जाए ताकि यातायात सुचारु बना रहे और आम नागरिकों को असुविधा न हो।

जिलाधिकारी ने कहा कि उद्घाटन समारोह के दौरान प्रोटोकॉल व्यवस्था में किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरती जाए तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के स्वागत एवं मार्गदर्शन हेतु विशेष हॉस्पिटैलिटी डेस्क की स्थापना की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि शटल बस सेवा, प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, पेयजल सुविधा एवं साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रखी जाए। साथ ही ब्रांडिंग के दृष्टिकोण से आयोजन स्थल तक जाने वाले प्रमुख मार्गों पर आकर्षक होर्डिंग, फ्लेक्स, एलईडी डिस्प्ले एवं दिशा सूचक बोर्ड लगाए जाएं ताकि आगंतुकों को सुविधा के साथ-साथ शो का प्रभाव भी भव्य रूप में दिखाई दे।

बैठक में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण प्रेरणा सिंह व लक्ष्मी वीएस, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, प्रशासन, पुलिस एवं प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक उपरांत जिलाधिकारी ने औद्योगिक पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी इंटरनेशनल ट्रेड शो में अधिक से अधिक पंजीकरण कर प्रतिभाग सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर अपर जिला अधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार दुबे एवं संबंधित औद्योगिक पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

दुष्कर्म मामले में पिता की जमानत याचिका खारिज

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। जिला न्यायालय ने सौतेली बेटी के साथ यौन शोषण और दुष्कर्म के मामले में आरोपी पिता की जमानत याचिका को खारिज कर दिया। इस मामले में करीब एक साल पहले नोएडा के फेज-3 कोतवाली में केस दर्ज करवाया गया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार पीड़िता की मां का निधन हो गया था। उसकी दो बड़ी बहनें अपने ननिहाल झारखंड में रहती हैं, जबकि 10 वर्षीय पीड़िता अकेली सौतेले पिता के साथ रहती थी। आरोप है कि पिछले दो वर्षों में आरोपी पिता ने बच्ची के साथ कई बार दुष्कर्म किया। इस घटना के संबंध में नौ अगस्त 2024 को केस दर्ज करवाया गया।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया था। अदालत ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए कहा कि आरोपी को जमानत देने का कोई पर्याप्त आधार नहीं बनता। ऐसे में आरोपी की जमानत याचिका को खारिज किया जाता है।

शाह टाइम्स

आपके लोकप्रिय अखबार दैनिक शाह टाइम्स में विज्ञापन एवं समाचारों के लिए संपर्क करें।

प्रवेश सिंह दतानियां

जिला प्रभारी गौतमबुध नगर/खोड़ा

ए-37, सेक्टर-10, नोएडा, जनपद गौतमबुध नगर

9810967541, 8920145356

Email: parveshnoida@gmail.com

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

अवैध खनन पर एसडीएम का शिकंजा, तीन डंपर ज़ब्त

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। ज़िलें में खनन माफिया लगातार अवैध खनन कर सरकार को लाखों के राजस्व का चूना लगा रहे हैं। तो वही जिला प्रशासन भी खनन माफियाओं के इरादे लगातार पस्त करता हुआ दिखाई दे रहा है। हापुड़ जिला प्रशासन अवैध खनन पर लगाम लगाने के लिए अवैध खनन के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में बीती रात हापुड़ सदर एसडीएम इला प्रकाश ने बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में छापेमारी कर मिट्टी से भरे तीन डंपरों को जब्त कर लिए लिया है। एसडीएम इला प्रकाश की इस कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

मिली जानकारी के अनुसार देर रात सदर एसडीएम इला प्रकाश को बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के गांव मतनोरा में अवैध खनन की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही वह तुरंत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और तहसीलदार प्रवीण कुमार के साथ मिलकर छापेमारी की। इस दौरान मौके पर तीन डंपर पकड़े गए, जो अवैध रूप से खनन की गई मिट्टी ले जा रहे थे। छापेमारी के दौरान एक डंपर चालक मौके से फरार हो गया जबकि दो चालक पुलिस की चौकसी के कारण भागने में सफल नहीं हो पाए। एसडीएम इला प्रकाश ने साफ तौर पर कहा है कि जिले में अवैध खनन बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। क्षेत्र में अवैध खनन करने वालों पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि खनन माफियाओं के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। एसडीएम की इस सख्ती से अवैध खनन करने वालों में डर का माहौल है और स्थानीय ग्रामीणों ने भी इस तत्परता की सराहना की है। वही पुलिस ने डंपरों को जब्त कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

खाद्य सुरक्षा विभाग पर उत्पीड़न का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। मंगलवार को व्यापारियों ने जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों पर व्यापारियों के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर विरा.ध प्रदर्शन किया।

व्यापारियों ने 17 सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी कों सौंपा। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश के जिलाध्यक्ष बिजेन्द्र पंसारी के नेतृत्व में व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल कलेक्ट्रेट पंहुचा। जहां पर व्यापारियों ने खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। व्यापारियों का आरोप है कि खाद्य सुरक्षा विभाग टारगेट पूरा करने के नाम पर उनका उत्पीड़न कर रहा है। व्यापारियों ने कहा कि हमारी मुख्य मांग में से एक मांग यह कि है कि खाद्य लाइसेंस की अनिवार्यता 40 लाख रुपए के रिटर्न पर होनी चाहिए। इसी के साथ उन्होंने खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा उत्पीड़न से मुक्ति की मांग भी की है। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश के जिलाध्यक्ष बिजेन्द्र पंसारी के नेतृत्व में व्यापारियों ने 17 सूत्री मांगों का एक ज्ञापन जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुनील कुमार को सौंपा। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुनील कुमार ने व्यापारियों को आश्वासन दिया है कि स्थानीय स्तर की समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाएगा और उच्च स्तर की मांगों को शासन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मिलावट को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हाईकोर्ट के आदेश पर अवैध झुग्गी पर प्रशासन की कार्रवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। नगर क्षेत्र के गढ़ रोड पर मंगलवार सुबह हाईकोर्ट के आदेश पर एक अवैध झुग्गी को जेसीबी मशीन से हटा दिया गया। यह झुग्गी घुमंतू जाति के लोगों ने एक निजी मकान के बाहर अवैध रूप से बनाई हुई थी। इस कार्रवाई से स्थानीय लोगों को काफी राहत मिली है।

मिली जानकारी के अनुसार मकान मालिक मनोज अग्रवाल की शिकायत के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था। इससे पहले नगर पालिका ने भी नोटिस जारी कर चेतावनी दी थी। बावजूद इसके अवैध तरीके से किए गए अतिक्रमण को हटाया नहीं गया। जिसके बाद अवैध झुग्गी को जेस.ीबी मशीन से हटा दिया गया। साथ ही झुग्गी में रहने वाले परिवारों को बुलंदशहर रोड पर नगर पालिका द्वारा संचालित रैन बसेरे में सुरक्षित रूप से शिफ्ट किया गया है। इस कार्रवाई के दौरान हापुड़ कोतवाली, देहात थाना और बाबूगढ़ थाने के प्रभारी सहित भारी पुलिस बल मौजूद था। महिला पुलिसकर्मी और पीएसी के जवान भी मौके पर तैनात थे। सीओ वरुण कुमार मिश्रा व नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी संजय मिश्रा ने पूरी कार्रवाई की निगरानी की। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि भविष्य में अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। यह कार्रवाई न केवल न्यायालय के आदेश का पालन था, बल्कि इससे यातायात और सुरक्षा संबंधी समस्याओं का भी समाधान हुआ। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन के इस कदम की सराहना की है।

पत्रकारों की समस्याओं को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। ग्रामीण अंचलीय पत्रकार एसोसिएशन भारत के जिला अध्यक्ष डा. पीतम सिंह ने पत्रकारों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय को सौंपा है। ज्ञापन में पत्रकारों ने मुख्यमंत्री के नाम कई महत्वपूर्ण मांगें रखी हैं।

ज्ञापन में मांग की गई कि लखनऊ के दारूसफा भवन में एसोसिएशन के लिए कार्यालय आवंटित किया जाए। ग्रामीण पत्रकारों को आयुष्मान भारत योजना और बीमा योजना का लाभ मिले। 60 वर्ष से अधिक उम्र के पत्रकारों के लिए पेंशन योजना शुरू की जाए। आपदा या दुर्घटना में दिवंगत पत्रकार के परिवार को किसान बीमा योजना की तर्ज़ पर 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए। पत्रकारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने से पहले एक राजपत्रित अधिकारी द्वारा जांच की जाए। राज्य और जिला स्तर की तरह तहसील स्तर पर भी पत्रकारों की प्रशासनिक अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें हो, पत्रकारों के लिए विशेष सुरक्षा बल का गठन किया जाए, पत्रकारों के लिए आवास योजना शुरू की जाए। पुलिस द्वारा दर्ज किए गए फर्जी मुकदमे वापस लिए जाएं। पत्रकारों के साथ अभद्र व्यवहार करने वाले अधिकारियों को जनपद में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी न दी जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान जाहिद अली, राजेंद्र राठी, जितेंद्र कुमार, अकबर मेवाती, दयानंद, मोहित, रवि तोमर, दीपक सागर, गुलज़ार अली, जाबिर अली, राहुल ठाकुर समेत दर्जनों पत्रकार मौजूद रहे।

स्वस्थ नारी-स्वस्थ परिवार अभियान का हुआ शुभारम्भ

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जीएस विश्वविद्यालय परिसर में 'स्वस्थ नारी-स्वस्थ परिवार अभियान' की शुरुआत होगी। इस अभियान का उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री नरेंद्र कश्यप द्वारा किया जाएगा। विश्व. विद्यालय प्रशासन उपनिदेशक मनोज शिशोदिया ने बताया कि यह अभियान पूरी तरह नि:शुल्क होगा और विशेष रूप से महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए समर्पित रहेगा।

इस अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर से अक्टूबर 2025 तक विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें महिला स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता शिविर, रक्तदान शिविर, परामर्श सत्र तथा सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम प्रमुख रूप से शामिल हैं। इन कार्यक्रमों का आयोजन विश्व. विद्यालय परिसर सहित शहर और आस-पास के विभिन्न स्थानों पर किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इससे लाभ मिल सके। शिशोदिया ने बताया कि 'स्वस्थ नारी' ही 'स्वस्थ परिवार' और 'स्वस्थ समाज' की आधारशिला है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम को रूप दिया गया है। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण किए जाएंगे तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी और सुझाव भी प्रदान किए जाएंगे। विश्वविद्यालय परिवार ने सभी महिलाओं एवं नागरिकों से इस अभियान में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

गंगा में स्नान के दौरान डूबे तीन लोग, गोताखोरों ने सकुशल बचाया

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। गढ़मुक्तेश्वर के तीर्थनगरी ब्रजघाट में मंगलवार को गंगा स्नान के दौरान एक ही परिवार के तीन लोग तेज बहाव के साथ गंगा में डूबने लगे। मौके पर मौजूद गोताखोरों ने ज़ब उन्हें गंगा के गहरे पानी में डूबते हुए देखा तो उन्होंने तुरंत तीनो को सकुशल बचा लिया।

मिली जानकारी के अनुसार गढ़मुक्तेश्वर के तीर्थ नगरी ब्रजघाट में एक ही परिवार के तीन लोग गंगा में स्नान कर रहे थे। स्नान करते समय गहरे पानी में जाने के कारण तीनों गंगा के तेज बहाव में डूबने लगे। अचानक हुई इस घटना से वहाँ पर अफरा तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने जब युवकों को डूबते देखा तो शोर मचाया। चीख पुकार सुनकर मौके पर मौजूद गोताखोरों ने साहस का परिचय देते हुए कड़ी मशक्कत के बाद तीनों युवकों को गंगा में डूबने से बचा लिया। जिसके बाद तीनों ने गोताखोरों का आभार जताया।

एक नजर

पुलिस ने पांच वारंटीयों को पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। ऑपरेशन तलाश अभियान के अंतर्गत थाना बहादुरगढ़, थाना सिंभावली, थाना गढ़मुक्तेश्वर, थाना हाफिजपुर पुलिस ने 5 वारंटीयों को उनके मसकन से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

एएसपी विनीत भटनागर ने बताया कि थाना बहादुरगढ़ पुलिस द्वारा राहुल पुत्र जगतपाल उर्फ़ जग्गी व राहुल पुत्र वीर सिंह, थाना सिंभावली पुलिस द्वारा सुंदर पाल पुत्र किरण पाल थाना हाफिजपुर पुलिस द्वारा जाकिर पुत्र जुल्फिकार और थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस द्वारा आस मोहम्मद पुत्र मोमिन को उनके मसकन से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि फरार वारंटी की गिरफ्तारी हेतु ऑपरेशन तलाश अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा।

गोरखपुर में युवक की हत्या, कानून व्यवस्था पर सवाल

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। ऑल इंडिया हिन्दुस्तान कांग्रेस पार्टी के यूपी प्रदेशाध्यक्ष, पंडित गोपाल शर्मा ने गोरखपुर में हुई एक युवक की हत्या को लेकर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जनपद में ही पशु तस्करों ने दीपक गुप्ता नाम के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी।

पंडित गोपाल शर्मा ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में गो-तस्कर सक्रिय हैं और पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य में हत्या, लूट, बलात्कार, रंगदारी और तस्करी जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि जब मुख्यमंत्री के अपने गृह जनपद में गोवंश और नागरिक सुरक्षित नहीं हैं, तो पूरे प्रदेश की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने बरेली में अभिनेत्री के घर पर गोली चलाने की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं। इस दौरान पार्टी के अन्य पदाधिकारियों जैसे प्रदेश कानूनी सलाहकार पंडित नरेश चंद शर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष पंडित आशीष कुमार, महंत एनके त्रिपाठी और मेरठ मंडल अध्यक्ष निदेश लोधी भी मौजूद थे।

रावण दिग्विजय यात्रा का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। रामलीला महोत्सव के तहत हापुड़ में रामलीला समिति रजिस्टर्ड द्वारा 16 सितंबर 2025 को रावण दिग्विजय यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा रावण के बढ़ते आतंक और उसकी शक्ति को दर्शाने के लिए निकाली गई, जैसा कि व्यास महाराज पवन देव चतुर्वेदी ने बताया। उन्होंने रावण द्वारा संतों, मुनियों और देवी-देवताओं की पूजा पर प्रतिबंध लगाने, कुबेर को हराकर पुष्पक यान और सोने की लंका प्राप्त करने, और मंदोदरी से विवाह के बाद भी उसके अत्याचार जारी रहने की कथा सुनाई। इस आयोजन में हापुड़ के कोतवाल देवेंद्र बिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। यात्रा मनसा देवी मंदिर, बुलंदशहर रोड से शुरू होकर कोठी गेट, बाजार बजाजा, छोटी मंडी, बड़ी मंडी, भाटिया, सराफा बाजार, चंडी रोड, पक्का बाग, दिल्ली रोड, अतरपुरा चौपला, रेलवे रोड, फ्री गंज रोड और तहसील चौपला से होते हुए रामलीला ग्राउंड पहुंची। इस यात्रा में पाँच बैंड, पाँच बग्गियाँ, झाँकियाँ, ताशे, नपीरी और चार घोड़े शामिल थे। इस दौरान अध्यक्ष विनोद वर्मा, महामंत्री उमेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शुभम गोयल, वरिष्ठ प्रधान, नवीन वर्मा, उप प्रधान सुयश वशिष्ठ, संरक्षक अनिल आजाद, रतनलाल नन्हे, मीडिया प्रभारी वरुण गोयल, विवेक सिंहल, नवीन गुप्ता, मनीष मित्तल, विमल वर्मा, हरिप्रकाश जिंदल, गौरव बजरंगी, रवि गर्ग, मिलन टेंट, प्रदीप वर्मा, अतुल वर्मा, अनिल कुमार टोपी, माधव वर्मा, ऋतिक त्यागी सहित कई अन्य सदस्य भी मौजूद थे।

अवैध रूप से शराब बेचने के दोषी को न्यायालय ने सुनाई सज़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में हापुड़ पुलिस द्वारा अवैध रूप से शराब बेचने के मामले में एक आरोपी को प्रभावी पैरवी के चलते न्यायालय द्वारा सज़ा सुनाई गई साथ ही अर्थदण्ड से भी दंडित किया गया। इसी क्रम में न्यायालय द्वारा अवैध रूप से शराब बेचने के मामले में आरोपी हैप्पी चौधरी पुत्र ओमपाल सिंह निवासी कस्बा व थाना सिम्भावली जनपद हापुड़ को जुर्म इकबाल के आधार पर न्यायालय उठने तक की सजा व 3,000 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है।

पंचायती गोशाला के कार्यकारिणी चुनाव में मतगणना में धांधली का आरोप, पुर्न मतगणना की उठी मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। पंचायती गोशाला के हालिया कार्यकारिणी चुनाव में मतगणना में धांधली का गंभीर आरोप लगा है। चुनाव हारने वाले प्रत्याशी विनोद कुमार अग्रवाल ने यह आरोप लगाया है।

उन्होंने आरोप लगाया है कि मतगणना के दौरान अनियमितता हुई, जिसके कारण वे 23वें स्थान पर रहे और चुनाव हार गए। विनोद कुमार अग्रवाल ने इस मामले में डीएम और चुनाव अधिकारी को एक शिकायत पत्र सौंपा है। विनोद अग्रवाल का दावा है कि नौवें राउंड तक वह जीतने वाले एक अन्य प्रत्याशी से आगे चल रहे थे, लेकिन अंतिम परिणाम में उन्हें पीछे दिखाया गया। उन्होंने बताया कि जिस प्रत्याशी को 770 मतों के साथ विजेता घोषित किया गया, उसके मतों की संख्या संदिग्ध लगती है। विनोद अग्रवाल को 763 मत मिले, जिसके कारण वह 22वें विजेता की सूची से बाहर हो गए। उन्होंने डीएम और चुनाव अधिकारी से अपने और संबंधित प्रत्याशी के मतों की फिर से गिनती करने की मांग की है, ताकि परिणामों में पारदर्शिता आ सके। इस चुनाव में कार्यकारिणी के 22 सदस्यों के लिए कुल 27 प्रत्याशी मैदान में थे। यह चुनाव एसएसवी इंटर कॉलेज में आयोजित किया गया था। फिलहाल डीएम कार्यालय या चुनाव अधिकारी की ओर से इस शिकायत पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। उम्मीद है कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जल्द ही इसकी जांच शुरू की जाएगी।

शिक्षकों ने शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता को समाप्त करने की उठाई मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले, सैकड़ों शिक्षकों ने शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता को समाप्त करने की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपा है। यह ज्ञापन प्रधानमंत्री के नाम से जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय को दिया गया।

यह विरोध प्रदर्शन जिला अध्यक्ष देवेंद्र शिशौदिया और जिला मंत्री नीरज चौधरी के नेतृत्व में किया गया। शिक्षकों की मुख्य मांग है कि शिक्षा का अधिकार आरटीई अधि.नियम लागू होने से पहले से कार्यरत शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से छूट दी जाए। जिलाधिकारी ने शिक्षकों को आश्वासन दिया है कि उनका ज्ञापन प्रधानमंत्री तक पहुंचाया जाएगा। संघ के पदाधिका.रियों ने कहा कि अगर उनकी मांगों का जल्द समाधान नहीं हुआ, तो वे एक बड़े आंदोलन की घोषणा करेंगे और दिल्ली की ओर कूच करेंगे। शिक्षकों ने इस मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा दिखाए गए सकारात्मक रुख के लिए उनका आभार व्यक्त किया। ज्ञापन सौंपने के दौरान कई अन्य शिक्षक पदा.धिकारी भी मौजूद थे, जिनमें इशरत अली, अमित भाटी, अंशु सिद्धू, दीपक अग्रवाल, दिनेश, बबीता, योगेश सैनी, रचना, सरिता, प्रज्ञा, अनुज, सरजीत, संजीव त्यागी, भगत सिंह, अशोक, बिजेंद्र, देवेंद्र चौहान, अनूप, प्रवेश, रविंद्र, अमित, विनोद, निशा, सविता, गुलशन और नौशाद शामिल थे।

कथा के दूसरे दिन भक्तों ने सुनी सुखदेव के प्राकट्य की कथा

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। दिव्य धाम बाला जी मंदिर हापुड़ में चल रही भागवत कथा के दूसरे दिन पंडित रोहित रिछारीया महाराज ने भक्तों को राजा परीक्षित के जन्म और सुखदेव के प्राकट्य की कथा सुनाई। इस कथा को सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

पंडित ने बताया कि भागवत कथा सिर्फ एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन को उसके वास्तविक उद्देश्य की ओर ले जाने वाली एक महत्वपूर्ण गाथा है। महाराज परीक्षित का जन्म महाभारत युद्ध के अंत में अभिमन्यु और उत्तरा के गर्भ से हुआ था। जब अश्वत्थामा ने ब्रह्मास्त्र का प्रयोग कर पांडवों के वंश को समाप्त करने की कोशिश की, तो भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं अपनी योग शक्ति से गर्भ में बालक की रक्षा की। ब्रह्मास्त्र के प्रभाव से परीक्षित मृत अवस्था में ही पैदा हुए थे, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें पुनर्जीवित किया। उनका नाम परीक्षित इसलिए रखा गया, क्योंकि वे कौरवों के कुल के परिक्षीण यानी नाश होने के बाद उत्पन्न हुए थे। पंडित ने बताया कि राजा परीक्षित को एक ऋषि के श्राप के कारण तक्षक नाग ने डसा था। इसके बाद, उन्होंने गंगा नदी के किनारे शुकदेव से श्रीमद्भागवत कथा सुनी। यही कथा उनके मोक्ष का कारण बनी और आगे चलकर पूरे संसार के लिए कल्याणकारी सिद्ध हुई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

दो पक्षों में मारपीट की घटना में लापरवाही बरतने वाले दो पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज, डीआईजी ने किया लाइन हाजिर

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। सिंभावली थाना क्षेत्र के सालारपुर गांव में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट की घटना में पुलिस की लापरवाही सामने आने के बाद मेरठ रेंज के डीआईजी कलानिधि नैथानी ने सख्त कदम उठाए हैं। उन्होंने जांच के बाद लाप.रवाही बरतने वाले दो पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है।

यह घटना 10 सितंबर को सालारपुर गांव में हुई थी, जहाँ दो पक्षों में विवाद हो गया था। इसके अगले दिन, 11 सितंबर को दूसरे पक्ष के दुष्यंत, सोवीर और गांधी ने जितेंद्र नामक व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिसका इलाज अभी भी अस्पताल में चल रहा है। पीड़ित पक्ष ने 15 सितंबर को डीआईजी कलानिधि नैथानी से मिलकर इस मामले में कार्रवाई की मांग की।

डीआईजी ने तुरंत मामले की जाँच सीओ गढ़मुक्तेश्वर को सौंप दी। जांच में यह पाया गया कि सिंभावली के चौकी प्रभारी राजदीप सिंह और बीट हेड कांस्टेबल वीरेंद्र सिंह को घटना की जानकारी थी, फिर भी उन्होंने कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की और न ही अपने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। इसके चलते, स्थानीय लोगों में पुलिस के प्रति असंतोष और असुरक्षा की भावना फैल गई थी। डीआईजी ने इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए दोनों पुलिसकर्मियों को तत्काल लाइन हाजिर करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही, पीड़ित जितेंद्र की शिकायत पर दुष्यंत, सोवीर और गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। डीआईजी कलानिधि नैथानी ने सभी थाना और चौकी प्रभारियों को सख्त हिदायत दी है कि भविष्य में इस तरह के मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि पुलिस को तुरंत मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए, न कि मामलों को सुलह-समझौते में उलझाना चाहिए, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके।

भव्य कार्यक्रमों के साथ संपन्न होगा सीसीएस यूनिवर्सिटी का 37वां दीक्षांत समारोहः कुलपति

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्व. विद्यालय मेरठ की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने बताया कि 22 सितम्बर को 37वां दीक्षांत समारोह भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल अध्यक्षता करेंगी तथा छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक एवं विशिष्ट योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान करेंगी। दीक्षांत समारोह में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. टी.जी. सीताराम (मुख्य अतिथि), उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय अति विशिष्ठ अतिथि तथा राज्य मंत्री

रजनी तिवारी भी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इस अवसर पर कुलाधिपति विश्वविद्यालय परिसर में कर्मचारियों के लिए बनाए गए आवासीय फ्लैट, फार्मेसी विभाग की बिल्डिंग एवं मियावाकी तकनीक से विकसित तपोवन पार्क का लोकार्पण भी होगा। यह पार्क शहरी क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण और जैव-विविधता संवर्धन की दिशा में एक अभिनव पहल है। वृक्षारोपण पद्धति जापानी वनस्पतिशास्त्री अकीरा मियावाकी द्वारा विकसित की गई है, जो कम स्थान पर अधिक घने एवं आत्मनिर्भर वन तैयार करने में सक्षम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के दिन शुरू होगा सेवा पखवाड़ा विश्वविद्यालय में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस (17 सितम्बर) से प्रारम्भ 'सेवा पखवाड़ा' के अंतर्गत विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। राजभवन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय परिवार, संबद्ध महाविद्यालय एवं स्थानीय निकाय मिलकर सेवा पखवाड़ा को सफल एवं सार्थक बनाएंगे।

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम

इस दौरान स्वच्छता अभियान एवं सफाई कार्यक्रम, साइकिल यात्रा पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के संदेश के साथ, वृक्षारोपण अभियान, मातृ सम्मेलन, आंगनबाड़ी केंद्रों का भ्रमण व कार्यक्रम, वर्ग 3 एवं 4 के कर्मचारियों का सम्मान समारोह, कस्तूरबा विद्यालय भ्रमण, पोषण जागरूकता पर भाषण एवं कार्यशाला, कारागार भ्रमण एवं सांस्कृतिक संवाद, शिक्षकों द्वारा पुराने कपड़ों का दान, प्रधानमंत्री जन्मदिवस पर आंगनबाड़ी केंद्रों में विशेष आयोजन, वृद्धाश्रम एवं अनाथाश्रम भ्रमण, संतों के आशीर्वाद कार्यक्रम, गोद लिए गए गाँवों में सामाजिक कार्यक्रम, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों/सहायिकाओं हेतु कार्यशाला, शिक्षक एवं विद्यार्थियों के बीच खेलकूद प्रतियोगिताएं, निकटवर्ती राज्यों का अध्ययन प्रवास आदि कार्यक्रम शामिल होंगे।

प्रेस वार्ता मे यह रहे मौजूदः प्रेस वार्ता के दौरान प्रतिकूलपति प्रोफेसर मृदुल कुमार गुप्ता, कुलसचिव डॉक्टर अनिल कुमार यादव, वित्त अधिकारी रमेश चंद्र, प्रोफेसर जितेंद्र ढाका, प्रोफेसर वीरपाल सिंह, प्रोफेसर इंचार्ज मीडिया सेल प्रोफेसर मुकेश कुमार शर्मा, मीडिया सेल सदस्य मितेंद्र कुमार गुप्ता, इंजीनियर प्रवीण पवार आदि मौजूद रहे।

हापुड़ के सलारपुर प्रकरण में...

डीआईजी ने पीड़ित की फरियाद दबाने वाले पुलिसकर्मियों को किया लाइन हाजिर

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। हापुड़ जनपद के थाना सिम्भावली क्षेत्र के ग्राम सलारपुर में मारपीट के मामले को दबाने और पीड़ित की शिकायत पर समय रहते कार्रवाई न करने वाले दो पुलिस कर्मियों पर गाज गिरी है। जांच रिपोर्ट में दोषी पाए जाने पर हल्का प्रभारी उपनिरीक्षक राजदीप सिंह और बीट हेड कांस्टेबल वीरेंद्र सिंह को लाइनहाजिर कर दिया गया।ग्राम सलारपुर में 10 सितंबर को दो पक्षों में विवाद हुआ था। अगले दिन 11 सितंबर को एक पक्ष के जितेंद्र पुत्र हेम सिंह को दूसरे पक्ष के दुष्यंत, सोवीर और गांधी पुत्रगण कमल सिंह ने पीटकर गंभीर रूप से घायल कर

दिया। फिलहाल वह अस्पताल में भर्ती है। पीड़ित पक्ष की लिखित शिकायत के बावजूद पुलिसकर्मियों ने न तो मुकदमा दर्ज किया और न ही अधिकारियों को अवगत कराया। इस लापरवाही से ग्रामीणों में आक्रोश और असुरक्षा की भावना बढ़ गई। डीआईजी के आदेश पर क्षेत्राधिकारी गढ़ ने जांच की। रिपोर्ट में लापरवाही साबित होते ही थाना सिम्भावली में मुकदमा संख्या 293/25 धारा 115(2), 352, 110, 351(2), 351(3) बीएनएस के तहत आरोपियों दुष्यंत, सोवीर और गांधी पर मुकदमा दर्ज किया गया।डीआईजी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि वैमनस्यता से जुड़े मामलों में पुलिस तत्काल कार्रवाई करे। गंभीर घटनाओं में समझौते का इंतजार करने की बजाय मुकदमा दर्ज करना अनिवार्य है, तभी पीड़ितों को न्याय और पुलिस की छवि पर भरोसा कायम रहेगा।

स्वच्छता पखवाड़े में दिलाई साफ-सफाई के लिए शपथ

शाह टाइम्स संवाददाता

सरधना। शासन के निर्देश पर चलाएं जा रहे स्वच्छता पखवाड़े में मंगलवार को नगर पालिका परिषद में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मौजूद लोगों व कर्मचारियों को स्वच्छता मिशन के तहत साफ-सफाई रखनें की शपथ दिलाई गई। इसके अलावा पालिका की टीम ने नगर के कई स्कूल-कालेजों में जाकर भी बच्चों को शपथ दिलाई।

मंगलवार को नगर पालिका परिषद में स्थित अब्दुल कलाम सभागार में शासन के आदेश पर चेयरपर्सन सबीला बेगम, ईओं दीपिका शुक्ला के नेतृत्व में स्वच्छता ही सेवा 2025 पखवाड़ा के अंतर्गत एक शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें नगर पालिका के सभासद गण एवं व नगर के गणमान्य लोगों समेत पालिका के

कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। साथ ही कार्यक्रम में मौजूद लोगों को स्वच्छता ही सेवा 2025 पखवाड़ा जो स्वच्छ उत्सव के बारे के विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक किया गया जायेगा। इस दौरान चेयरमैन पुत्र शाहवेज अंसारी, वरिष्ठ लिपिक विपिन शर्मा, मुनीश कुमार, सोहन वीर सिंह, सभासद, अमित चौटाला, ब्रजपाल सिंह महिला मोर्चा सदस्य उमा त्यागी, शालिनी सैनी, रंजीता, अजीम सैफी आदि मौजूद रहे।

शोभित विवि के छात्रों का लोक अदालत शैक्षिक दौरा

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। शोभित विश्वविद्यालय, मेरठ के विधि एवं संवैधानिक अध्ययन विद्यालय के छात्रों ने भारत में वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्रों की कार्यप्रणाली से व्यावहारिक शिक्षा और परिचय प्राप्त करने के एक भाग के रूप में लोक अदालत का शैक्षिक दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य छात्रों को पारंपरिक न्यायिक प्रणाली के बाहर विवाद निपटान की प्रक्रिया से परिचित कराना और न्याय तक पहुंच को बढ़ावा देने में लोक अदालतों की भूमिका को समझना था।

आगमन पर, छात्रों को पीठासीन न्यायाधीशों और विधि अधिकारियों द्वारा लोक अदालतों के उद्देश्यों, अधिकार क्षेत्र और प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने मोटर दुर्घटना दावों, वैवाहिक विवादों, भूमि मामलों और छोटे-मोटे आपराधिक मामलों से संबंधित कार्यवाही का सीधा अवलोकन किया, जिनका सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटारा किया जा रहा था। विरोधात्मक मुकदमेबाजी के बजाय सुलह और समझौते पर जोर देने से छात्रों को इस बारे

में बहुमूल्य जानकारी मिली कि लोक अदालतें कैसे त्वरित और लागत प्रभावी न्याय सुनिश्चित करती हैं। इस शैक्षिक भ्रमण का सफल आयोजन डॉ. मोहम्मद आमिर द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि लोक अदालत का यह अनुभव छात्रों को न केवल न्याय प्रणाली के व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराता है बल्कि उनमें सामाजिक न्याय और वैकल्पिक विवाद समाधान की भावना को भी मजबूत करता है।

पैनल के सदस्यों के साथ बातचीत में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया कि कैसे लोक अदालतें नियमित अदालतों के बोझ को कम करती हैं और जमीनी स्तर पर न्याय के सिद्धांत को मजबूत करती हैं। छात्रों ने अधिवक्ताओं और संबंधित पक्षों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की और सीखा कि विवाद समाधान में बातचीत और मध्यस्थता कौशल कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह दौरा एक समृद्ध अनुभव साबित हुआ क्योंकि इसने न केवल छात्रों की विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की समझ को गहरा किया, बल्कि समाज के कल्याण के लिए वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र को बढ़ावा देने के महत्व को भी समझाया। छात्रों के साथ आए संकाय सदस्य पवन कुमार (सहायक प्रोफेसर) और डॉ. निहारिका पिलानिया (सहायक प्रोफेसर) ने कानूनी जागरूकता फैलाने और सहमति से विवाद निपटान के माध्यम से सद्भाव को बढ़ावा देने में लोक अदालत के प्रयासों की सराहना करते हुए दौरे का समापन किया।

भगवानपुर में चकबंदी को लेकर हुआ हंगामा

- पुलिस की मौजूदगी में दो पक्षों के बीच हुई नोंकझोंक

शाह टाइम्स संवाददाता

लावड़। भगवानपुर गांव में चकबंदी के लिए पुलिस के साथ पहुंचे कानूनगो भविश, लेखपाल धीरज सिंह के पहुंचते ही चकबंदी का विरोध करने वाले ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया। काफी गहमा गहमी के बीच पुलिस ने किसी तरह ग्रामीणों को शांत कराया। गांव के अधिकांश ग्रामीण चकबंदी चाहते है, लेकिन कुछ ग्रामीणों ने विरोध करते हुए कार्य नहीं होने दिया, जिस कारण कानूनगो व लेखपाल वापस लौट गए। प्रधान पति जितेंद्र ने चकबंदी के लिए वोटिंग कराने का प्रस्ताव रखा। हालांकि, विरोध करने वाले पक्ष ने इसे भी नकार दिया।

आपको बता दे कि गांव में पिछले कुछ महीने से चकबंदी की प्रक्रिया चल रही है। कुछ ग्रामीण चकबंदी के विरोध में है, जबकि अधिकांश ग्रामीण गांव में चकबंदी चाहते है। मंगलवार को कानून गो, लेखपाल पहले चौकी पहुंचे और पुलिसबल लेकर गांव स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में पहुंचे। अधिक. ारियों के पहुंचते ही चकबंदी का विरोध करने वालों ने लेखपाल से नोकझोंक शुरू कर दी और हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस ने बीच बचाव कराने का प्रयास किया, लेकिन वह हंगामा करते रहे। अधिकांश ग्रामीणों ने चकबंदी कराने के लिए आवाज उठाई तो विरोध करने वाले ग्रामीण उनसे उलझने लगे। मामला बढ़ता देख पुलिस ने दोनों पक्षों को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी, जिस पर ग्रामीण शांत हुए। लेखपाल ने चकबंदी की बात की तो विरोध करने वाले ग्रामीणों ने पहले से ही शपथ पत्र दाखिल कराए जाने की बात कही और चकबंदी को लेकर विरोध जताया जबकि चकबंदी के पक्ष वाले ग्रामीणों ने अधिकारियों के सामने आरोप लगाया कि शपथ पत्रों में बहुत से शपथ पत्र फर्जी लगाए गए है। नतीजा न निकलते देख प्रधान पति जितेंद्र ने लेखपाल के समक्ष वोटिंग कराए जाने का प्रस्ताव रखा, लेकिन विपक्ष वाले ग्रामीण शपथ पत्र की बात पर ही अड़े रहे। चकबंदी कराने वाले ग्रामीणों ने कहा कि गांव में चकबंदी होनी चाहिए। चकबंदी होने से कब्जाई गई भूमि कब्जा मुक्त होगी और छोटी जोत के किसानों को भी फायदा होगा। कानून गो व लेखपाल कोई नतीजा नहीं निकलने पर वापस लौट गए। कानून गो का कहना है कि प्रधान पति द्वारा रखे गए वोटिंग के प्रस्ताव से अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। उनके निर्देश पर पुलिस की मौजूदगी में वोटिंग कराई जाएगी। ग्राम प्रधान रजनी का कहना है कि कुछ ग्रामीणों ने जमीन पर कब्जा कर रखा है। चकबंदी होने से उन्हें कब्जाई जमीन छोड़नी पड़ेगी, इसलिए वह गांव में चकबंदी का विरोध कर रहें हैं। वोटिंग का प्रस्ताव रखा गया है। चकबंदी ग्रामीणों के हित में है, जल्द गांव में चकबंदी कराई जाएगी।

एयरटेल की धोखाधड़ी विरोधी मुहिम से ग्राहकों को होने वाले वित्तीय नुकसान में आई कमी

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। भारती एयरटेल ने मंगलवार को घोषणा की है कि उसके द्वारा शुरू की गई एंटी-फ्रॉड पहलों के चलते साइबर अपराध की शिकायतों में उल्लेखनीय गिरावट आई है। इस प्रभाव की पुष्टि हाल ही में गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (आई 4 सी) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों से भी हुई है। इस पहल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, भारती एयरटेल के वाइस चेयरमैन व प्रबंध निदेशक गोपाल विट्ठल ने कहा कि हमारा मिशन अपने ग्राहकों को स्पैम और वित्तीय धोखाधड़ी से पूरी तरह मुक्त करना है। पिछले एक वर्ष में, हमारे एआई-आधारित नेटवर्क सॉल्यूशंस ने 48.3 बिलियन से अधिक स्पैम कॉल्स की पहचान की और 3.2 लाख धोखाधड़ी वाले संदिग्ध लिंक्स को ब्लॉक किया।

24 सितंबर से रजबन में शुरू होगी रामलीला

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। श्री रामलीला कमेटी रजबन बाजार की ओर से वर्ष 2025 के लिए होने वाली रामलीला के विषय में एक पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। पत्रकार वार्ता में अध्यक्ष राजेश यादव व मुख्य संयोजक सुधीर रस्तोगी ने बताया कि इस वर्ष भी रामलीला वा दशहरे का आयोजन बड़े ही धूमधाम से किया जाएगा। रामलीला का आयोजन 24 सितंबर से आरंभ होगा। दो अक्टूबर को दशहरे का उत्सव भी बड़े ही धूमधाम से किया जाएगा। इस दौरान महामंत्री सुनील कनौजिया, दुर्गादास कनौजिया, कोषाध्यक्ष सुधीर भटनागर, रजनीश यादव आदि मौजूद रहे।

लेखपाल संघ के अध्यक्ष चुने गए ललित कुमार

सरधना में हुए लेखपाल संघ के चुनाव में निर्वाचित सदस्यगण।

शाह टाइम्स संवाददाता

सरधना। मंगलवार को तहसील में हुए लेखपाल संघ के चुनाव में ललित कुमार को लगातार तीसरी बार अध्यक्ष के रूप में चुना गया। इसका अलावा सभी पदों पर पदाधिकारीगण चुनें गए। चुनाव के बाद पदाधिका. रियों का फूल-मलाओं से स्वागत किया गया। तहसील सभागर में आयोजित कार्यक्रम में लेखपाल संघ मेरठ के निर्वाचन अधिकारी पवन कुमार भारती व सहायक मनोज कुमार की अध्यक्षता में हुए चुनाव में सर्वसहमित से अध्यक्ष पद के लिए ललित कुमार धलानिया को तीसरी बार अध्यक्ष के रूप में चुना गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरबीर सिंह, कनिष्ठ उपाध्यक्ष कपिल चौहान, तहसील सचिव गौरव राणा, उपसचिव रीना, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार व आडिटर उदित शर्मा को चुना गया। बैठक में संघ के हितों के लिए जोर दिया गया। साथ ही संगठनों को और ज्यादा मजबूत करने पर बल दिया गया।

उत्तर प्रदेश में प्रगति की नई उड़ान फ्लिपकार्ट का विकास और सशक्तिकरण का संकल्प

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश अपनी जीवंत सांस्कृतिक विरासत, उद्यमशीलता की भावना और तेजी से विकसित हो रहे डिजिटल इकोसिस्टम केसाथ भारत के ई-कॉमर्स परिदृश्य में एक पॉवरहाउस के रूप में उभर रहा है। यहां पर अनेकों कारीगर, एमएसएमई और किसान राज्य के व्यवसाय को बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। इसलिए यह राज्य अवसरों और नवाचार के केंद्र के रूप में उभर रहा है। उत्तर प्रदेश के इस गतिशील विकास में फ्लिपकार्ट की एक अहम भूमिका है। फ्लिपकार्ट उत्तर प्रदेश की समावेशी वृद्धि में एक भरोसेमंद पार्टनर के रूप में विक्रेताओं और एमएसएमई को समर्थ बनाने, नौकरियों का सृजन करने, लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर को विस्तारित करने तथा सामुदायिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

रालोद का सदस्यता अभियान पकड़ रहा जोर

- कस्बा किठौर में अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता सम्मेलन का हुआ आयोजन
- भारी तादाद में लोगों ने ली रालोद की सदस्यता

शाह टाइम्स संवाददाता

किठौर। प्रदेश भर में चल रहे रालोद के सदस्यता अभियान के तहत मंगलवार को कस्बा किठौर में अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के द्वारा कार्यकर्ता सम्मेलन व सदस्यता अभियान चलाया गया जिसमें भारी तादाद में लोगों ने रालोद की सदस्यता ली। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मतलूब गौड़ ने की तथा संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ आबिद इशाक

के द्वारा किया गया। लगभग सैकड़ों की तादात में नौजवानों ने रालोद की सदस्यता ग्रहण की। कार्यकर्ता सममेलन में मुख्य अतिथि प्रबुद्ध कुमार राष्ट्रीय सचिव प्रदेश प्रभारी दिल्ली मौजूद थे। इनके अतिरिक्त पूर्व विधायक दिलनवाज, प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ नरेंद्र खजूरी सदस्य एस टी आयोग विनय प्रधान, प्रतीक जैन, जहीर अब्बासी, गौरव जिठोली, फैसल शेरू समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पार्टी हाई कमान ने रणबीर दहिया को दी बड़ी जिम्मेदारी

जानी खुर्द। प्रदेश महासचिव और सिवाल खास विधानसभा प्रभारी रणबीर दहिया लगातार क्षेत्र में रालोद के सदस्यता अभियान को रफ्तार देते हुए गांव-गांव घूम रहे हैं। मंगलवार को वह सिवाल खास विधानसभा के कस्बा सरूरपुर व करनावल पहुंचे जहां उन्होंने भारी तादाद में क्षेत्र की जनता को रालोद की सदस्यता दिलाई। इस दौरान रणवीर दहिया ने कहा कि रालोद गरीब, मजलूम व कमजोरों की आवाज बुलंद करती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी जैसे नेता हर वर्ग की लड़ाई लड़ते हैं। इस दौरान जगह जगह रणबीर दहिया का स्वागत किया गया। सदस्यता अभियान के दौरान प्रदेश महासचिव सचिन चौधरी, आरुषि सिरोही, प्रदेश महामंत्री मोनू ढिढाला, डॉ. सुशील, एसटी एक्ट प्रकोष्ठ मुकेश पार्चा ने भी सदस्य अभियान को मजबूत बनाया।

कंकरखेड़ा पुलिस ने तीसरी आंख से पीड़ितों को किया दूर

सरकार ने जनहित में लाखों खर्च कर जानना चाहा दर्द, कंकरखेड़ा पुलिस को नहीं आया रास

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। कंकरखेड़ा पुलिस अपने कारनामों से हमेशा चर्चा में रहती है। सरकार जनहित में लाखों खर्च कर जनता के लिए हर संभव सहायता देकर उसे सरल बनाना चाहती हैं लेकिन पुलिस की अपनी एक छवि बनी हुई हैं कि तुम डाल डाल है हम पात पात हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार ने पुलिस की मनमानी तानाशाही रवैए को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर नजर बनाने के लिए प्रदेश स्तर पर करोड़ों खर्च कर प्रदेश के हर थाने को ऑनलाइन कर तीसरी आंख की नजर में रखने को जिला कार्यालय से जोड़ा गया था ताकि पुलिस कार्यशैली पर नजर बनाई जा सके। जिसकी वजह थी कि थाने में आने जाने वालो पीड़ितों की साथ व्यवहार कार्य करने में गति आ सके।

सरकार का हर थाने में सीसी टीवी लगवाने का खास मकसद था बेकस. ूरों को पकड़ कर पुलिस तानाशाही से वसूली कर छोड़ती थी। पुलिस ने सरकार की आंखों में धूल झोंक कर निगरानी करने वाले सप्लाई के ही तार काट दिए हैं। डीवीआर तक की पावर ऑफ है निगरानी दूर की बात कैमरे केवल दिखावा मात्र रह गए हैं।

थाने में पकड़कर लाए गए मुजरिम या बेकसूरों को थर्ड डिग्री से मौत तक हो जाना जानकारी जुटाने में सीसी टीवी की अहम भूमिका होती हैं ताकि पुलिस की कार्यशैली का पता लगाया जा सके कि पुलिस किस समय किसको पकड़ कर लाई थी। पुलिस ने अपनी मनमानी करने के लिए उस व्यवस्था को ही बदल दिया है।

अवैध वसूली पर रोक लगाना था सीसीटीवी कैमरों का मकसद

सरकार ने पुलिस के कार्यालयों से लेकर थाना प्रभारी के दफ्तर तक में ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखने व वसूली पर अंकुश लगाने के लिए यह कदम उठाया था। पुलिस ने उसके मायने ही बदल दिए हैं। ऑफिसों में लगे कैमरों को पुलिस ने उनकी कैमरों की दिशा ही बदल दी है या उनकी सप्लाई ही बंद कर दी गई हैं।

सुभारती समूह के संस्थापक डॉ. अतुल कृष्ण ने मुख्यमंत्री से की भेंट

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार, भारतीयता के साथ राष्ट्र प्रथम को अपने जीवन का मूल ध्येय रखने वाले और शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान करने वाले सुभारती समूह के संस्थापक डॉ. अतुल कृष्ण को समाज, शिक्षा तथा राष्ट्र की प्रगति में अप्रतिम योगदान के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की और इस अवसर पर डॉ. अतुल कृष्ण ने स्व-लिखित पुस्तकों की प्रति मुख्यमंत्री को भेंट की। जिसमें आधारशीला एवं जीवन तरंगनी के भाग 2 और 3 हैं। सुभारती समूह सर्वविदित है कि शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक बड़ा नाम है और इसके साथ ही डॉ. अतुल कृष्ण ने अनेक किताबें लिखी हैं जिसमें आधारशीला एवं जीवन तरंगनी के भाग 2 और 3 के अलावा पलायन, उन्नति के पथ पर उतराखण्ड के बलिदानी तथा राष्ट्रीयता से प्रेरित राष्ट्र-अनुभूति जैसी पुस्तकें समाज व राष्ट्र को समर्पित की हैं और अभी इनकी नवीनतम रचनाओं में जीवन तरंगनी भाग-3 आयी है और जीवन तरंगनी के दो और भाग पर कार्य चल रहा है।

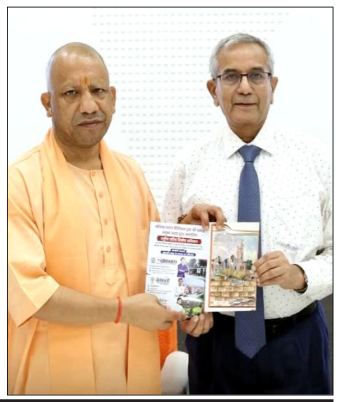

संक्षिप्त खेल समाचार

ममता ने फिडे ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट जीतने पर वैशाली को बधाई

कोलकाता, वार्ता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू को फिडे ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट दूसरी बार जीतने पर आज बधाई दी।

बंगाल की मुख्यमंत्री ने एक संदेश में कहा कि वैशाली रमेशबाबू को दूसरी बार फिडे ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट जीतने पर बधाई। यह एक अनूठी उपलब्धि है और मैं उनके परिवार और दोस्तों को भी बधाई देती हूं।

प्रो कबड्डी लीग में अपनी कमेंट्री से मनोज बाजपेयी ने रचा 'भौकाल'

नई दिल्ली, वार्ता। सालों तक विभिन्न विधाओं में प्रभावशाली और सूक्ष्म अभिनय करने के बाद, अभिनेता मनोज बाजपेयी को एक नया आयाम मिल गया है, इस बार माइक के पीछे भोजपुरी कमेंट्री के साथ। प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 के जियोस्टार प्रेजेंटेशन में, बाजपेयी कैमरे में एक उल्लासपूर्ण उन्माद में कैद हुए, जब उन्होंने जियोस्टार स्टूडियो में पिछले सीजन के एक यादगार पल पर कमेंट्री करते हुए एक अविस्मरणीय क्षण प्रस्तुत किया। यह सिर्फ एक सहज इशारा नहीं था, बल्कि भोजपुरी में कमेंट्री का एक पूरी तरह से डूबा हुआ शॉट था, जो इस लीग की सबसे नई क्षेत्रीय भाषाओं में से एक है। खेल के सबसे रोमांचक पलों में से एक पर बाजपेयी की स्पष्ट और सच्ची प्रतिक्रिया इस बात का प्रतीक है कि भारत के सबसे पसंदीदा खेलों में से एक को घर जैसी भाषा में देखना लोगों को अद्वितीय तरीकों से जोड़ता है। भोजपुरी कमेंट्री बॉक्स में कुशल परीक्षण के साथ, यह देखना बाकी है कि क्या बाजपेयी इस सीजन में फिर से लौटेंगे और जल्द ही अपने नए करियर को आजमाएंगे।

स्टेटिंग विश्व चैंपियनशिप में आनंद ने जीता सोना

भारत को पहला विश्व स्वर्ण पदक दिलाया, पीएम ने दी बधाई

बीजिंग/नई दिल्ली, वार्ता। भारत के स्पीड स्केटर आनंदकुमार वेलकुमार ने स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर देश के लिए एक स्वर्णिम अध्याय लिखा।

वेलकुमार ने सीनियर पुरुषों की 1,000 मीटर स्प्रिंट स्पर्धा में 1 मिनट 24-924 सेकंड के समय लेकर शानदार जीत हासिल की और प्रतिस्पर्धी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सबसे आगे रहे। उनकी यह जीत भारतीय रोलर स्पोर्ट्स के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण था, जो लंबे समय से वैश्विक मंच पर पहचान बनाने की कोशिश कर रहा था। तमिलनाडु के इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले हफ्ते बेइदाई में 500 मीटर स्प्रिंट में 43:072 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीतकर इसी प्रतियोगिता में भारत के लिए पहला सीनियर पदक हासिल किया था। इस जीत के साथ, उन्होंने अपनी इस उपलब्धि को सर्वोच्च पोडियम तक पहुंचाया और स्पीड स्केटिंग में भारत के पहले विश्व चैंपियन बने। भारत की पदक तालिका में तब और इज़ाफ़ा हुआ जब जूनियर स्केटर कृष शर्मा ने अंडर-19 वर्ग में 1,000 मीटर स्प्रिंट में स्वर्ण पदक जीता, जिससे देश में इस खेल के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित किया। स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप 13 सितम्बर को बेइदाई में शुरू हुई और 21 सितम्बर को समाप्त होगी। भारतीय रोलर स्केटिंग महासंघ के अधिकारियों ने इस जीत को एक ऐसे खेल के लिए महत्वपूर्ण मोड़ बताया, जिसने जमीनी स्तर की अकादमियों के माध्यम से लगातार लोकप्रियता हासिल की है। इतालवी कोच लुका प्रेस्टी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रहे वेलकुमार ने यह पदक अपने परिवार और कोचों को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ मेरी जीत नहीं है। यह उन सभी की जीत है जिन्हें विश्वास था कि एक भारतीय ऐसा कर सकता है। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन से स्पीड स्केटिंग के लिए सरकारी और कॉर्पोरेट समर्थन बढ़ने की उम्मीद है, जो आने वाले वर्षों में ओलंपिक में शामिल होने की उम्मीद कर रहा है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप 2025 में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतने पर आनंदकुमार वेलकुमार की सराहना की। एक्स पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री ने लिखा, "स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप 2025 में सीनियर पुरुष 1000 मीटर स्प्रिंट में स्वर्ण पदक जीतने पर आनंदकुमार वेलकुमार पर गर्व है। उनके धैर्य, गति और जोश ने उन्हें स्केटिंग में भारत का पहला विश्व चैंपियन बनाया है।

योगी ने स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप विजेता आनंद को दी बधाई

लखनऊ, वार्ता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्केटिंग में नया कीर्तिमान स्थापित करने वाले आनंद वेलुकुमार को बधाई दी है। 22 साल के आनंदकुमार ने चीन में आयोजित स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप 2025 में सीनियर पुरुष 1000 मीटर स्प्रिंट में स्वर्ण पदक जीतकर स्केटिंग में भारत के पहले विश्व चैंपियन बनने पर आनंदकुमार वेलकुमार को हार्दिक बधाई। आपका दृढ़ संकल्प और उपलब्धि हर युवा भारतीय को बड़े सपने देखने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगी।आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं। गौरतलब है कि भारत के आनंदकुमार वेलकुमार ने स्केटिंग में नया इतिहास रच दिया है। 22 साल के आनंदकुमार ने चीन में आयोजित स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इस तरह वह स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने मेन्स सीनियर 1000 मीटर स्प्रिंट इवेंट में पहला स्थान हासिल किया। वेल. कुमार ने 1:24:924 सेकंड के समय के साथ फिनिश लाइन पार की और भारत के पहले वर्ल्ड चैंपियन स्केटर बन गए।

अपोलो टायर्स बना भारतीय क्रिकेट टीम का नया प्रायोजक

● 579 करोड़ रुपये में हासिल किए अधिकार

मुंबई, वार्ता। अपोलो टायर्स ने 579 करोड़ रुपये की शानदार बोली लगाकर त्रिकोणीय मुक़ाबले में जीत हासिल करते हुए भारतीय टीम के प्रायोजन अधिकार हासिल कर लिए हैं। यह प्रायोजन सौदा तीन साल का है और इसमें 121 द्विपक्षीय मैच और 21 आईसीसी मैच शामिल हैं।

100 से ज्यादा देशों में मौजूदगी वाली गुड़गांव स्थित इस टायर कंपनी ने कैनवा और जेके सीमेंट्स की चुनौतियों को मात दी, जिन्होंने क्रमश: 544 करोड़ रुपये और 477 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। यह सौदा प्रति मैच लगभग 4.77 करोड़ रुपये का बैठता है, हालांकि द्विपक्षीय और आईसीसी मैचों के बीच मूल्य अंतर को देखते हुए इसमें थोड़ा अंतर हो सकता है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा निर्धारित आधार मूल्य द्विपक्षीय मैचों के लिए 3.5 करोड़ रुपये और विश्व कप मैचों के लिए 1.5 करोड़ रुपये था। सभी रियल मनी गेमिंग कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने वाले सरकारी आदेश द्वारा ड्रीम11 के सौदे को रद्द करने के बाद बीसीसीआई को एक नए प्रायोजक के लिए निविदाएं जारी करनी पड़ीं। एशिया कप के करीब आने वाले सरकारी आदेश के साथ, बीसीसीआई को संयुक्त अरब अमीरात में चल रही महाद्वीपीय चैंपियनशिप में भारतीय टीम के लिए जर्सी प्रायोजक के बिना जाना पड़ा।

नए प्रायोजकों को पहला अंतर्राष्ट्रीय लाभ 2 अक्टूबर से शुरू होने वाली वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला में मिलेगा, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया में एक सफेद गेंद की श्रृंखला होगी।

चीन के वांग टेटे पुरुष विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर लौटे

बीजिंग, वार्ता। आईटीटीएफ द्वारा मंगलवार को जारी की गई नवीनतम विश्व रैंकिंग के बाद, चीन के वांग चुकिन पुरुष एकल रैंकिंग में शीर्ष पर लौट आए हैं। वांग ने रविवार को डब्ल्यूटीटी चैंपियंस मकाओ जीतकर 1,000 रैंकिंग अंक अर्जित किए, जिससे वह हमवतन लिन शिदोंग से 9,425 अंकों के साथ आगे निकल गए, जबकि लिन के 9,375 अंक हैं। डब्ल्यूटीटी चैंपियंस मकाओ के उपविजेता ब्राज़ील के ह्यूगो काल्डेरानो तीसरे स्थान पर पहुंच गए, जबकि जापान के तोमोकाज़ु हरिमोतो चौथे स्थान पर खिसक गए। शीर्ष 10 में स्वीडन की ट्रुल्स मोरेगार्ड, चीन की लियांग जिंगकुन, फ्रांस की फेलिक्स लेब्रन, जर्मनी की डुडा, चीन की जियांग पेंग और स्लोवेनिया की डार्को जोर्गिक शामिल हैं।

रैंकिंग में फिर नंबर-1 मंधाना

● स्मृति मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार फिफ्टी लगाकर आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान कब्जाया

दुबई, वार्ता। भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने रविवार को न्यू चंडीगढ़ में खेले गए तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार अर्द्धशतक जड़कर आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष स्थान फिर से हासिल कर लिया है। बाएं हाथ की इस स्टाइलिश सलामी बल्लेबाज ने 63 गेंदों में छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 58 रनों की पारी खेली और इंग्लैंड की कप्तान नैट शिवर-ब्रंट को पीछे छोड़कर वह स्थान फिर से हासिल कर लिया है जो उन्होंने पहली बार जनवरी 2019 में हासिल किया था और हाल ही में इस साल जुलाई में हासिल किया था। शीर्ष पर यह उनका चौथा कार्यकाल है। ऑस्ट्रेलिया ने आठ विकेट से जीत हासिल की और यह शानदार जीत उनकी खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी दिखाई दी। बाएं हाथ की बल्लेबाज बेथ मूनी ने 74 गेंदों में नाबाद 77 रनों की पारी खेली जिससे वह तीन पायदान ऊपर चढ़कर पांचवें स्थान पर पहुंच गईं। एनाबेल सदरलैंड अपनी नाबाद 54 रनों की पारी के बाद चार पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त 25वें स्थान पर पहुंच गईं। वह सलामी बल्लेबाज फोएबे लिचफील्ड के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। फोएबे लिचफील्ड ने 80 गेंदों पर 88 रनों की पारी खेलकर 13 पायदान ऊपर चढ़कर मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनीं।

विश्व पैरा एथलेटिक्स में भारत जीतेगा 20 से ज्यादा पदक: देवेंद्र

● 27 सितम्बर से 5 अक्टूबर तक होने वाले खेलों में इस बार भारत का रिकॉर्ड 73 खिलाड़ियों का दल हिस्सा ले रहा है

नई दिल्ली, वार्ता। भारत अब तक के सबसे बड़े पैरा खेल आयोजन, इंडियनऑइल नई दिल्ली 2025 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी करने जा रहा है।

27 सितम्बर से 5 अक्टूबर तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होने जा रहे इस खेल आयोजन में इस बार भारत का रिकॉर्ड 73 खिलाड़ियों का दल हिस्सा ले रहा है। इतना बड़ा दल पहली बार किसी वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए उतरेगा, जो यह दिखाता है कि भारत पैरा खेलों में कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है। पैरा ओलंपिक कमेटी ऑफ इंडिया (पीसीआई) के अध्यक्ष और दो बार के पैरा ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट देवेंद्र झाझरिया ने कहा कि इस बार भारत का अभियान ऐतिहासिक रहेगा।

उन्होंने भरोसा जताया कि भारतीय दल 20 से ज्यादा मेडल जीतकर इतिहास रचेगा। पीसीआई के अध्यक्ष झाझरिया ने कहा कि हमारे पास 73 खिलाड़ी हैं, जो अब तक का सबसे बड़ा भारतीय दल है। यह हमारे देश में पैरा खेलों की तरक्की को बखूबी प्रदर्शित करता है।

पिछली बार कोबे में भारत ने 17 मेडल जीते थे। इस बार हमारी टीम और मजबूत है और मुझे पूरा यकीन है कि हम 20 से ज्यादा मेडल जीतेंगे।

डुप्लांटिस ने पोल वॉल्ट का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

● डुप्लांटिस ने पहले ही प्रयास में 6.15 मी. की ऊंचाई पर शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया

टोक्यो, वार्ता। वह कूद पड़ा। वह चिल्लाया। उमस भरी सोमवार की रात टोक्यो के नेशनल स्टेडियम में 50,000 से ज़्यादा दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उसने अपनी बाहें फैला दीं। आर्मंड डुप्लांटिस ने फिर जीत हासिल की। और एक बार फिर, उसने विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया।

फरवरी 2022 के बाद से यह 14वीं बार था जब इस स्वीडिश खिलाड़ी ने पुरुषों की पोल वॉल्ट में विश्व रिकॉर्ड को फिर से बनाया, जब यह 'सिर्फ' 6.17 मीटर था। विश्व खिताब तो आसानी से मिल गया था। डुप्लांटिस ने 5.75, 5.85, 5.95, 6.00 और 6.10 मीटर की दूरी आसानी से पार करने के बाद, पहले ही प्रयास में 6.15 मीटर की ऊंचाई पर शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। लेकिन रिकॉर्ड ऊंचाई की बात ही कुछ और थी। डुप्लांटिस ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं, मैं इसे बयां नहीं कर सकता। मुझे लगा कि जापान छोड़ने का एकमात्र तरीका विश्व रिकॉर्ड बनाना ही है। हर असफल प्रयास ने उनके आत्मविश्वास को और बढ़ा दिया। पहली कोशिश में, उन्होंने लगभग बार पार कर लिया, दूसरी कोशिश में, बार डगमगाया, लेकिन गिरने से पहले आखिरी क्षण तक टिका रहा। आखिरकार, अपने तीसरे प्रयास में, डुप्लांटिस 6.30 मीटर से ऊपर पहुंच गए। जो कि सिर्फ 27 दिन पहले उनके द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड से एक सेंटीमीटर ज़्यादा था। यही मेरी मानसिकता थी कि उन्होंने बताया। मुझे पता था कि मेरे पास रिकॉर्ड है। जैसे ही मैं उड़ान भरता हूं, ज़मीन से हवा में कदम रखता हूं - मुझे पता चल जाता है कि मेरी छलांग सही रहेगी या नहीं। मुझे पता चल जाता है कि मैंने पर्याप्त ऊर्जा लगाई है या नहीं, या यह वास्तव में कारगर नहीं होगा। सिर्फ 25 साल की उम्र में, डुप्लांटिस ने सब कुछ जीत लिया है। चार साल पहले, टोक्यो के इसी स्टेडियम में, लेकिन महामारी के कारण खाली सीटों के सामने, उन्होंने ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता था। तब से, उन्होंने यूजीन और बुडापेस्ट में विश्व खिताब जीते हैं, पेरिस में दूसरा ओलंपिक ख़िताब जीता है, और अब एक और विश्व चैंपियनशिप जीत ली है। हर बार रिकॉर्ड को और ऊंचा करते हुए। टोक्यो में इस रात ने इस खेल के महानतम खिलाड़ी के रूप में उनकी विरासत को और मजबूत किया, जहां माहौल उनके प्रदर्शन से मेल खाता था।

मुझे उस समय विश्व चैंपियनशिप जीतने पर गर्व है जब इसकी सबसे ज्यादा ज़रूरत थी। विश्व रिकॉर्ड बनाना एक बोनस है, उन्होंने कहा। मुझे लगता है कि मेरे लिए कोई सीमा नहीं है। शायद मुझे ही पता चलेगा कि पोल वॉल्ट में असल में सीमा क्या है।

सुपर-4 की जंग के लिए भिड़ेंगे पाक-यूएई

दुबई, वार्ता। क्रिकेट अक्सर तब सबसे रोमांचक होता है जब एक टीम अपनी लय फिर से तलाश रही होती है और दूसरी टीम यह साबित करने पर आमादा होती है कि वह उसी मंच के लिए काबिल है। सलमान आगा की अगुवाई में पाकिस्तान कल दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में एशिया कप 2025 के 10वें मैच में संयुक्त अरब अमीरात से भिड़ने के लिए तैयार है, और यही स्थिति है। पाकिस्तान यहां कुछ चोटों के साथ पहुंचा है।

उनके गेंदबाज अनुशासित और नए-नए अंदाज में खेल रहे हैं, लेकिन भारत के खिलाफ बल्लेबाजी का पतन-एक आशाजनक शुरुआत के बाद 127 रन पर नौ विकेट-सवालों के घेरे में है। यह मुकाबला उनके बल्लेबाजों को यह दिखाने का मौका देता है कि एक खराब प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट को परिभाषित नहीं करता। सईम अयूब शीर्ष क्रम में व्यवस्थित दिखे हैं, और साहिबज़ादा फरहान ने दबाव वाले मैचों में जरूरी शांत स्वभाव दिखाया है। स्वाभाविक रूप से आक्रामक खिलाड़ी, फखर जमान जानते होंगे कि टीम को एक स्थिर शुरुआत के बाद साफ-सुथरे स्ट्राइक की जरूरत है। कप्तानी में नए लेकिन शांतचित्त सलमान आगा को बीच के ओवरों में लय बनानी होगी। हसन नवाज, मोहम्मद हारिस और मोहम्मद नवाज के पास ऐसे स्ट्रोक्स हैं जो अगर उन्हें सही मंच मिले तो स्कोर को मजबूत बनाए रख सकते हैं। गेंदबाजी के मोर्चे पर, पाकिस्तान का आक्रमण काफी मजबूत है। शाहीन अफरीदी की बाएं हाथ की तेज गेंदबाजी किसी भी शीर्ष क्रम को परेशान कर सकती है, और हारिस रऊफ का अंतिम छोर पर नियंत्रण बेहद अहम है।

सिंधु चाइना मास्टर्स के दूसरे दौर में

शेनझेन। पीवी सिंधु ने डेनमार्क की जूली डावाल जैकबसेन को केवल 27 मिनट में 21-5, 21-10 से हराकर ली-निंग चाइना मास्टर्स 2025 के राउंड ऑफ 16 में प्रवेश कर लिया।

अब उनका सामना छठी वरीयता प्राप्त थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से होगा। पुरुष एकल में, युवा आयुष शेट्टी ने छठी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन को कड़ी टक्कर दी। पहला गेम 19-21 से हारने के बाद, आयुष ने वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-12 से अपने नाम किया, लेकिन निर्णायक गेम में 68 मिनट तक चले मैच में 16-21 से हार गए। मिश्रित युगल में, रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गड्डे की भारतीय जोड़ी अपने जापानी प्रतिद्वंद्वियों से हार गई।

एशिया कप से नाम वापस लेना आसान काम नहीं

● पाकिस्तान को होगा 140 करोड़ तक का नुकसान

● एशियाई क्रिकेट परिषद की सालाना कमाई का 74 प्रतिशत हिस्सा पांच टेस्ट खेलने वाले देशों में बराबर-बराबर बंटता है

दुबई, वार्ता। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की एशिया कप से बाहर निकलने की कथित धमकी को अमल में लाना आसान नहीं होगा। अगर पाकिस्तान ऐसा करता है, तो उसे करीब 12 से 16 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 100 से 140 करोड़ रुपये तक) का नुकसान उठाना पड़ सकता है।

एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की सालाना कमाई का 75 प्रतिशत हिस्सा पांच टेस्ट खेलने वाले देशों- भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में बराबर-बराबर बांटा जाता है। यानी हर देश को 15 प्रतिशत राजस्व मिलता है। शेष 25 प्रतिशत सहयोगी सदस्य देशों के बीच बांटा जाता है। ये कमाई प्रसारण अधिकार (टीवी और डिजिटल), प्रायोजन सौदे और टिकट बिक्री जैसे विभिन्न स्रोतों से आती है। अकेले इस एशिया कप से पीसीबी की अनुमानित 12 से 16 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कमाई होने वाली थी। ऐसे में अगर पाकिस्तान टूर्नामेंट से हटता है तो उसके लिए यह बड़ा आर्थिक झटका साबित हो सकता है। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया (एसपीएन) ने 2024 से 2031 तक आठ साल के लिए एसीसी के साथ 170 मिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रसारण करार किया है। इसमें महिला एशिया कप और अंडर-19 एशिया कप के प्रसारण अधिकार भी शामिल हैं। अगर पाकिस्तान बीच टूर्नामेंट से बाहर होता है तो प्रसारक के साथ बड़ी दिक्कतें खड़ी हो सकती हैं, क्योंकि भारत-पाकिस्तान मुक़ाबला इस सौदे का सबसे बड़ा आकर्षण है। इस मैच के लिए विज्ञापन स्लॉट प्रीमियम रेट पर बेचे जाते हैं। पाकिस्तान के बाहर होने पर विज्ञापनदाताओं और प्रसारक को बड़ा आर्थिक नुकसान होगा। पीसीबी प्रमुख और पाकिस्तान के गृह एवं नारकोटिक्स नियंत्रण मंत्री मोहसिन नकवी इस समय एशियाई क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष भी हैं। नकवी ने खुलकर आईसीसी मैच रेफरी एंडी पायक्राफ्ट पर निशाना साधा था और भारतीय टीम द्वारा पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाने के विवाद के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया था। साथ ही आईसीसी को पत्र लिखकर पायक्राफ्ट को टूर्नामेंट से हटाने की मांग की थी। साथ ही यह धमकी भी दी थी कि अगर पायक्राफ्ट को नहीं हटाया गया तो पाकिस्तान टीम टूर्नामेंट का बहिष्कार करेगी। हालांकि, आईसीसी ने पीसीबी की मांग ठुकरा दी और पायक्राफ्ट को हटाने से इनकार कर दिया। ऐसे में अब पीसीबी के सामने मुश्किल स्थिति है। एक तरफ पैसा है तो दूसरी तरफ देश का आत्मसम्मान है। यह देखना दिलचस्प होगा कि पाकिस्तान क्या चुनता है। अगर उसे पैसा कमाना है तो आत्मसम्मान से समझौता करना होगा।

ऑस्ट्रेलिया की नजरें सीरीज जीत पर भारत की वापसी पर

न्यू चंडीगढ़, वार्ता। इसमें कोई शक नहीं कि असली परीक्षा यहीं से शुरू होगी। पहले वनडे में आठ विकेट से शानदार जीत के बाद, ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम एक और सीरीज जीत के दरवाजे पर दस्तक दे रही है। भारत के खिलाफ पिछले दस मुकाबलों में से नौ में जीत, और कुल 57 में से 47 में जीत-यह एक ऐसा रिकॉर्ड है जो चैंपियन होने का प्रमाण देता है। वे महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आत्मविश्वास से लबरेज और ड्रेसिंग रूम में आत्मविश्वास से लबरेज हैं। लेकिन भारत को पूरी तरह से नजरअंदाज मत कीजिए-अभी नहीं। वे पहले मैच में भले ही दूसरे स्थान पर रहे हों, लेकिन हरमनप्रीत कौर की टीम के लिए कुछ सकारात्मक पहलू भी रहे हैं। स्मृति मंधाना और युवा प्रतिका रावल ने शीर्ष क्रम में 117 रनों की शानदार साझेदारी करके एक आक्रामक स्कोर की नींव रखी।

सम्पादकीय

बुधवार, 17 सितम्बर 2025

धर्मांतरण कानून पर नोटिस

धर्मान्तरण कानून को लेकर देश की सर्वोच्च अदालत में सुनवाई चल रही है। मंगलवार को धर्मान्तरण से जुड़े कानूनों पर सुप्रीम कोर्ट ने आठ राज्यों को नोटिस जारी किया है और इसका जवाब चार हफ्ते में दाखिल करने को कहा है। उप्र, मध्य प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखंड और कर्नाटक में बने धर्मान्तरण कानूनों को चुनौती देने वाली याचिकाएं दायर की गईं। इन्हीं याचिकाओं पर मुख्य न्यायाधीश बीआर गवेई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच सुनवाई कर रही थी। याचिका कर्ताओं ने कोर्ट को बताया कि भले ही इन कानूनों को फ्रीडम ऑफ रिलीजन एक्ट कहा जाता है लेकिन यह अल्पसंख्यकों की धार्मिक स्वतंत्रता पर रोक लगाते हैं। असल में जिस तरह की कठोरता धर्मान्तरण कानूनों को लेकर बरती गई है वह बिल्कुल भी व्यवहारिक नहीं है। इसलिए धर्मान्तरण कानूनों को लेकर एक पक्ष विशेषकर अल्पसंख्यक समाज जरा भी सहज नहीं है, बल्कि वह यह अंदेशा बार-बार सार्वजनिक रूप से जाहिर होती है कि इस कानून द्वारा एक समुदाय विशेषकर मुस्लिम समुदाय के लोगों का उत्पीड़न होगा। जिस तरह के प्रावधान धर्मान्तरण कानून में किए गए हैं, इससे उनकी आशंकाओं की पुष्टि भी होती है। जैसाकि सीनियर एडवोकेट चंद्र उदय सिंह ने अदालत में दलील भी दी कि यूपी में 2024 में धर्मान्तरण से संबंधित कानून संशोधित कर सजा 20 साल से लेकर आजीवन कारावास तक कर दी गई है। उदय सिंह का कहना था कि जमानत की शर्तें भी कठोर कर दी गईं और तीसरे पक्ष को शिकायत दर्ज करने का अधिकार दे दिया गया। उनका कहना था कि इससे चर्च की प्रार्थनाओं या इंटरफेयर मैरिज में शामिल लोगों को भी भीड़ और संगठनों की ओर से उत्पीड़न झेलना पड़ रहा है। अधिवक्ता ने याद दिलाया कि इस मामले में एससी ने 2020 में नोटिस जारी किया था, बाद में जमीअत उलेमा हिन्द ने कोर्ट से मांग की कि छह हाईकोर्ट में चल रही 21 याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में ही लाया जाए। वर्तमान में गुजरात और मध्य प्रदेश में इस कानून की कुछ धाराओं पर रोक जरूरी है। अब सरकारें चार सप्ताह में क्या जवाब देंगी, यह तो बाद में पता चलेगा, लेकिन इससे एक बात साफ है कि धर्मान्तरण कानून में जिसको फ्रीडम ऑफ रिलीजन एक्ट कहा जाता है। इस तरह की खामियां हैं, जिससे अल्पसंख्यकों की धार्मिक स्वतंत्रता पर रोक लगती है। पीठ के सामने वरिष्ठ वकील इंदिरा जय सिंह, संजय हेगड़े, एमआर शमशाद, संजय पारिख समेत अन्य पक्षकारों ने भी अपनी दलील रखी। वैसे वास्तव में देखा जाए तो इस तरह के कानूनों का विभिन्न समाज वाले देश में कोई औचित्य नहीं है। इसके पीछे देखा जाए तो राजनीति मुख्य कारण है। धर्मान्तरण कानून लाया भी उन्हीं राज्यों में गया है, जहां भाजपा की सरकारें हैं। जो इस बात की तरफ इशारा करती है कि धर्मान्तरण को लेकर केवल भाजपा को ही समस्या है, अन्य सरकारों को नहीं। निसंदेह अगर कहीं कोई बलपूर्वक या षड्यंत्रकारी तरीके से धर्मान्तरण में शामिल होता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी ही चाहिए और उसके लिए हमारे पास पहले से ही कानून हैं, लेकिन यह पक्षपातपूर्ण तरीके से नहीं होना चाहिए।

सफेद मेज पर सफेद झूठ बोला जा रहा

योगी सरकार में समस्याओं और नाइंसाफी का समाधान नहीं, बल्कि गरीब, वंचित पीड़ित, शोषित का दमन और उत्पीड़न हो रहा है, प्रदेश में बड़े-बड़े खास लोगों के मामले में समझौते कराए जा रहे हैं और बेचारे आम लोगों को दरबार में बुलाकर धमकाया जा रहा है, पीड़ित लोगों के एक दिन पहले दिए बयान को अगले दिन पलटवाया जा रहा है, जो आज सरकार के मुखर विरोध करते दिखते हैं, अगले दिन उन्हें घेर कर सत्ता के केन्द्रों तक ले जाया जा रहा है और दबाव बनाकर सत्ता के अन्याय के बाद सभी इंतजाम करने का झूठा आश्वासन दिया जा रहा है, सफेद मेज पर सफेद झूठ बोला जा रहा है, क्या कोई इंतजाम और समझौता किसी का जीवन वापस ला सकता है। **अखिलेश यादव, अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी**

पाकिस्तान की तरह शिक्षा को जहरीला बनाने की कोशिश

पवन सिंह

एनसीईआर जिस तरह से भारत की समूची शिक्षा व्यवस्था को तहस-नहस करने पर आमादा है, उसने भारत की आने वाली पीढ़ियों का भविष्य ही नहीं भारत के समूचे सामाजिक और राजनैतिक व संवैधानिक ढांचे को ही खतरे में फंसा दिया है। बेहतरीन और प्रगतिशील शिक्षा देने वाला एनसीईआरटी मात्र दस सालों के भीतर कैसे इस देश के भविष्य के साथ ही खेलने लगेगा, यह आश्चर्यजनक ही नहीं भयावह भी है। ऐसा लगता है एनसीईआरटी पाकिस्तानी शिक्षा व्यवस्था की तरह कट्टरता को ऊपर से नीचे तक ओढ़ लेना चाहता है। यकीन मानिए इस लेख को लिखते हुए मैं आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को लेकर बुरी तरह से चिंतित हूं।

भारत में हुए किसान आंदोलनों का एक मजबूत इतिहास रहा है और इन किसानों ने अंग्रेजी हुकूमत की चूलें तक हिलाकर रख दी थीं लेकिन एनसीईआरटी को अब किसान आंदोलन अखरने लगे हैं। 80 के दशक का किसान आंदोलन एनसीईआरटी ने पाठ्यक्रम से गायब कर दिया। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की पाठ्यपुस्तकों से कुछ हिस्सों को हटाने को लेकर विवाद भी हुआ और इसी विवाद के बीच NCERT ने 12वीं कक्षा की राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तक से भारतीय किसान यूनियन के किसान आंदोलन से संबंधित राइज ऑफ पॉपुलर मूवमेंट्स नामक अध्याय को हटा दिया। किसान यूनियन की स्थापना 1980 के दशक के अंत में दिग्गज किसान नेताओं महेंद्र सिंह टिकैत, चौधरी चरण सिंह, एमडी नांजुंदास्वामी, नारायणस्वामी नायडू और भूपिंदर सिंह मान ने की थी और इन किसान नेताओं की बदौलत हमारा अन्नदाता किसान एक ताकत के रूप में उभरा। द ट्रिब्यून के अनुसार, 12वीं कक्षा की राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में राइज ऑफ पॉपुलर मूवमेंट्स नामक हटाया गया, जिसकी चर्चा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हुई और अनेक देशों के किसान संगठनों ने ऐसे लंबे और अनुशासित आंदोलन कैसे चलाएं जाएं इस पर आश्चर्य प्रगट किया व सराहना की। हालांकि, राकेश टिकैत ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी थी लेकिन उस पर कितना और कब से अमल हुआ यह ज्ञात नहीं है। इसी तरह से एनसीईआरटी ने 11वीं कक्षा की राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तक इंडियन कॉन्स्टिट्यूशन ऐट वर्क के पहले अध्याय में भी बदलाव कर डाला। देश के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के संदर्भ में बदलाव कर डाले और इसी पाठ्यपुस्तक के अध्याय नंबर 10 में जम्मू कश्मीर के भारत में विलय से जुड़ी वह शर्त और उससे

जुड़ी जानकारी भी हटा दी गई है, जिसमें इसे संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत स्वायत्त बनाए रखने की बात कही गई थी। इसे पाठ्यक्रम में बने रहने देने में कोई ऐतराज नहीं था क्योंकि पीढ़ियों को पता तो चलता कि यह धारा किन परिस्थितियों में और क्यों लगाई गई थी। NCERT ने 12वीं कक्षा की इतिहास की किताबों से मुगलों और 2002 के गुजरात दंगों पर सामग्री को हटा दिया और महात्मा गांधी जितनी आंखों में चुभते थे और चुभते रहे हैं तो महात्मा की लंगोटी को भी कैंची से काटना जरूरी था, लिहाजा कुछ अंश वहां से भी कट हुए। वर्ष 2022 में भी सांप्रदायिक और राजनैतिक दल की तरह एक्ट करने वाले एनसीईआरटी ने पाठ्क्रम से पर्यावरण संबंधी अध्याय हटा दिया था। इस पर शिक्षकों ने विरोध जताया था। कोविड काल में भी एनसीईआरटी ने समाजशास्त्र की किताब से जातिगत भेदभाव से संबंधित सामग्री हटाई थी। कक्षा 10वीं की इतिहास की किताब से राष्ट्रवाद समेत तीन अध्याय हटाए गए। उसके पहले 9वीं कक्षा की किताबों से त्रावणकोर की महिलाओं के जातीय संघर्ष समेत तीन अध्याय हटाए गए थे। 2018 में भी एक ऐसे ही बदलाव में कक्षा 12वीं की राजनीतिक विज्ञान की किताब में गुजरात मुस्लिम विरोधी दंगों में से मुस्लिम विरोधी शब्द हटा दिया था। इस संदर्भ के साथ पाकिस्तान की साम्प्रदायिक हो चुकी शिक्षा व्यवस्था का जिक्र करना जरूरी हो गया है। पाकिस्तान के एक प्रमुख अखबार द डॉन ने एक रिपोर्ट छपी थी कि किस तरह पाकिस्तानी स्कूलों में हिंदुओं और दूसरे धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों के प्रति विद्वेषपूर्ण और भड़काऊ शिक्षा दी जा रही है। पाकिस्तान के शिक्षकों को पूरी तरह से साम्प्रदायिक कर दिया गया है। यह शिक्षक गैर मुस्लिमों को इस्लाम का दुश्मन मानते हैं। एक अध्ययन अमेरिकी सरकार से जुड़े एक मिशन द्वारा किया गया था जिसके अनुसार पाकिस्तान में कट्टर इस्लाम के नाम पर जहर का बीज बोया जा रहा है। 9/11 हमले के बाद पूरी दुनिया का ध्यान स्कूलों में पढाई जाने वाली टैक्स्ट बुक की ओर गया। खासकर सऊदी अरब और पाकिस्तान की स्कूली किताबों की ओर। अमेरिका ने काफी दबाव डालकर सऊदी अरब की स्कूली किताबों के काफी टैक्स्ट बदलवाए, लेकिन पाकिस्तान में वह ऐसा न कर सका। पाक स्कूलों की शिक्षा आतंकियों के प्रति सहानुभूति की वजह बन रही है। यूएस कमीशन आन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम के चेयरमैन लेनार्ड लियो ने पिछले दिनों एक बयान में कहा था, पाकिस्तान में हालात लगातार खराब हो रहे हैं। सरकारों के लगातार कमजोर होने से कठमुल्लावाद को प्रश्रय मिल रहा है। सर्वे में पाकिस्तान के चारों प्रातों में कक्षा एक से लेकर दस तक की सौ से ज्यादा पाठ्यपुस्तकों का अध्ययन किया गया। पाठ्यपुस्तकों का इस्लामीकरण तानाशाह जनरल जिया उल हक के दौरान शुरू हुआ था। इसके बाद किताबों में पढ़ाया जाने लगा कि हिंदुओं की संस्कृति और सामाजिक अन्याय और क्रूरता पर आधारित है। जबकि इस्लाम शांति और भाईचारे का संदेश देता है। देश की सबसे ज्यादा आबादी वाले पंजाब प्रांत में कक्षा चार की सामाजिक अध्ययन की किताबों में लिखा है कि मुस्लिम विरोधी ताकतें दुनिया से इस्लाम के वर्चस्व को खत्म करने में लगी हैं। पाकिस्तानी इतिहास के नायकों में मोहम्मद गजनवी को खासा महिमामंडित किया गया है, जिसने 1029 ईसवी के आसपास सोमनाथ मंदिर को तोड़ा था। आज इन्हीं सब शिक्षाओं का नतीजा है कि पाकिस्तान दुनिया का तीसरा असहिष्णु देश बन चुका है। इसी शिक्षा का परिणाम यह हुआ कि पाक में मंदि. रों, गुरुद्वारों और चर्चों पर हमले, तोडफोड़ और आगजनी की घटनाएं बढ़ीं। कश्मीर हेराल्ड समाचार पत्र के मुताबिक-पाकिस्तानी स्कूली किताबों में स्वतंत्रता संग्राम में हिंदू नेताओं के योगदान को बहुत कम करके दिखाया गया है, जिसमें गांधी जी भी शामिल हैं, जिसकी छवि को पाकिस्तान की स्कूली किताबों में लगातार खराब करने की कोशिश हुई है। पाकिस्तान की स्कूली किताबें कहती हैं कि पाकिस्तान का बनना हिंदूओं के विश्वासघात का नतीजा था। अगस्त 1947 में बंटवारे के दौरान जो व्यापक हिंसा हुई, उसके लिए हिंदू और मुस्लिम जिम्मेदार थे, जिन्होंने मुस्लिमों को निशाना बनाया। पाकिस्तान की इतिहास की किताबों में कहा गया है कि 1971 में बांग्लादेश का बनना गहरी हिंदू साजिश का नतीजा थी, हिन्दू चाहते थे कि पाकिस्तान को अस्थिर कर दिया जाए, इसलिए पूर्वी पाकिस्तान को अलग करने षडयंत्र रचा गया। किसी भी पाकिस्तानी टैक्स्ट बुक में ए उल्लेख कहीं नहीं है कि किस तरह बांग्लादेश में पाकिस्तान सेना ने वहां के लोगों पर जुल्म ढहाए थे। पाकिस्तान के नेशनल कमीशन फार जस्टिस एंड पीस ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि पाकिस्तानी सरकार स्कूली पाठ्क्रम से घृणा और वैमन्स्य पैदा करने वाली धार्मिक सामग्री हटाने में नाकाम रही है। क्या यह माना जाए कि एनसीईआरटी भी पाकिस्तानी शिक्षा बोर्ड कि तर्ज पर आगे बढ़ रही है? एनसीईआरटी ने खेल खेलना आरंभ किया है यह खेल बहुत खतरनाक साबित होगा, बच्चों के दिमाग में जहर की कीमत पूरा समाज और देश एक साथ चुकाता है व पाकिस्तान से बड़ा उदाहरण आपके सामने और क्या हो सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

एक आम लत जो वनमानुष पूर्वजों से मिली

मैदानी रिपोटर्स में अक्सर यह जरूर बताया जाता है कि जानवर क्या खा रहे थे और खाते समय वे कितनी ऊंचाई पर थे। यानी उस समय वे पेड़ पर बैठे थे या जमीन पर। इसके आधार पर शोधकर्ताओं ने यह अनुमान लगाया कि कितनी बार ए वानर पूर्वज यानी एप्स जमीन से फल उठाकर खाते हैं। इसे उन्होंने स्क्रम्पिंग की संज्ञा दी यानी गिरे हुए फल एकत्रित करना। इन गिरे हुए फलों को किण्वन की प्रारंभिक अवस्था में माना गया।

अजीब लगता है लेकिन शायद यह सच है। यह सही है कि 1 करोड़ साल पहले हमारे वानर पूर्वज दारू बनाना तो नहीं जानते थे लेकिन उन्होंने उसका स्वाद परोक्ष रूप से चख लिया था। बायोसाइन्स में प्रकाशित एक रिपोर्ट इस बात को प्रमाणित करती लगती है। जीव वैज्ञानिक रॉबर्ट डूडले द्वारा प्रस्तुत एक परिकल्पना रही है, शराबखोर बंदर, जिसके अनुसार कई लाख साल पहले हमारे वानर पूर्वज गिरे हुए फल खाते थे, जो कुछ हद तक किण्वित होकर मदिरा से भर गए होंगे। इस अध्ययन के दौरान शोधकर्ताओं ने इस प्रवृत्ति को एक अच्छा सा नाम भी दे दिया है-स्क्रम्पिंग (फलचोरी)।

वैसे तो किण्वित होते फलों को सूंघ लेना काफी आसान है। जब फलों, पेड़ों से रिसते रस या मकरंद पर खमीर पनपता है तो वह अल्कोहल पैदा करता है। कई जानवर और पक्षी इसका सेवन करके थोड़े धुत तो हो जाते हैं और फिर मनुष्यों ने लगभग 8000 साल पहले फलों से और अनाज से शराब बनाना सीख लिया था। तो हो सकता है कि हमारे वानर पूर्वजों ने प्राकृतिक रूप से बनती शराब को चखा हो। दरअसल, यदि वे ऐसे किण्वित होते फलों को खाने लगते तो उन्हें अन्य जंतुओं से प्रतिस्पर्धा में लाभ मिलता क्योंकि अन्य जंतु इन्हें नहीं खाते। और तो और, ऐसे फलों को उनकी हवा में फैलती गंध की मदद से दूर से ताड़ लेना भी आसान रहा होगा। हमारे पूर्वजों ने यह क्षमता हासिल कर ली थी, इसका सर्वप्रथम प्रमाण 2015 में 18 प्रायमेट प्रजातियों के एक जेनेटिक विश्लेषण से मिला था। इस अध्ययन में पता चला था कि मनुष्य, चिम्पैंजी तथा गोरिल्ला में एक ऐसा उत्परिवर्तन पाया जाता है जो अल्कोहल पचाने वाले एंजाइम की कार्यक्षमता को 40 गुना बढ़ा देता है। और गणनाओं से अन्दाज लगा था कि यह उत्परिवर्तन करीब 1 करोड़ साल पहले हुआ था, लेकिन इस बाबत आंकड़े उपलब्ध नहीं थे कि क्या हमारे वानर पूर्वज पर्याप्त मात्रा में किण्वित खाद्य पदार्थ का भक्षण करते थे। परोक्ष अनुमानों के आधार पर तो 40 प्रजातियों के भोजन में यह 3 प्रतिशत से भी कम था। शोधकर्ताओं का विचार था कि यह अनुमान वास्तविकता से थोड़ा कम है क्योंकि इसमें उन फलों को शामिल नहीं किया गया है जो किण्वन की प्रारंभिक अवस्था में खाए जाते हैं।

फिर शोधकर्ताओं को एक आइडिया सूझा। उन्होंने विचार किया कि यदि वे गिरे हुए फलों पर ध्यान केन्द्रित करें तो बेहतर अनुमान मिल सकता है। मैदानी रिपोर्ट्स में अक्सर यह जरूर बताया जाता है कि जानवर क्या खा रहे थे और खाते समय वे कितनी ऊंचाई पर थे। यानी उस समय वे पेड़ पर बैठे थे या जमीन पर। इसके आधार पर शोधकर्ताओं ने यह अनुमान लगाया कि कितनी बार ए वानर पूर्वज यानी एप्स जमीन से फल उठाकर खाते हैं। इसे उन्होंने स्क्रम्पिंग की संज्ञा दी यानी गिरे हुए फल एकत्रित करना। इन गिरे हुए फलों को किण्वन की प्रारंभिक अवस्था में माना गया। अब इस नई परिभाषा को लेकर डार्टमाउथ कॉलेज के मानव वैज्ञानिक नाथेनियल डोमिनी और उनके साथियों ने चार प्रायमेट प्रजाति आबादियों के पहले से उपलब्ध आंकड़ों को एक बार फिर से टटोला-बोर्नियो के ओरांगुटान, युगांडा के चिम्पैंजी और पहाड़ी गोरिल्ला तथा गैबन के गोरिल्ला। देखा गया कि इन चारों प्रजातियों के भोजन में फलों की मात्रा लगभग एक बराबर 15 से 60 प्रतिशत के बीच थी लेकिन गिरे हुए या पेड़ से तोड़े गए फलों की मात्रा में काफी विविधता थी।

अफ्रीकी एप्स, गोरिल्ला व चिम्पैंजी ने जो फल खाए उनमें से गिरे हुए फल 25 से 62 प्रतिशत तक थे जबकि ओरांगुटान ने ऐसे फल कभी-कभार ही खाए थे। गौरतलब है कि ओरांगुटान हमारे दूर के रिश्तेदार हैं और उनमें अल्कोहल का कुशलतापूर्वक पाचन करने के लिए जरूरी जेनेटिक उत्परिवर्तन नहीं होता। लिहाजा, उपरोक्त जानकारी काफी महत्वपूर्ण है। अलबत्ता, कई वैज्ञानिकों का कहना है कि चंद स्थलों के आंकड़ों के आधार पर निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है। हो सकता है यह प्रवृत्ति चंद आबादियों तक सीमित हो। जैसे हारवर्ड विश्वविद्यालय के मानव वैज्ञानिक रिचर्ड रैंगहैम बताते हैं कि उन्होंने दशकों से युगांडा के जिन चिम्पैंजियों का अध्ययन किया है उनमें गिरे हुए फल के प्रति हिकारत ही देखी है। बहरहाल, वे मानते हैं कि इस अध्ययन ने अल्कोहल सेवन की ओर जो ध्यान आकर्षित किया है वह महत्वपूर्ण है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

टीवी बहसों का गिरता स्तर समाज के लिए चिंतनीय

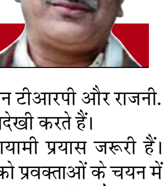

विनीत नारायण

भारत, दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां संवाद और विमर्श लोकतंत्र की रीढ़ माने जाते हैं। वहां आज टीवी बहसें एक ऐसा मंच बन चुकी हैं जहां तर्क की जगह एक दूसरे का अपमान, चीख-पुकार और राजनीतिक दुष्प्रचार हावी हो गया है। प्राइम टाइम के इन शो में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रवक्ता एक-दूसरे पर व्यक्तिगत हमले करते नजर आते हैं, जिससे बहसें निष्कर्षहीन हो जाती हैं। यह न केवल दर्शकों के समय की बर्बादी है, बल्कि समाज में ध्रुवीकरण को बढ़ावा देने वाला एक खतरनाक माध्यम भी बन गया है। प्रवक्ताओं द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली अपमानजनक भाषा ने टीवी डिबेट्स को एक सर्कस का रूप दे दिया है। चैनल और एंकर ऐसे निरर्थक बहसों को क्यों बढ़ावा देते हैं? क्या यह टीआरपी की होड़ है या राजनीतिक दबाव?

टीवी बहसों का इतिहास भारत में 1990 के दशक से जुड़ा है, जब निजी चैनलों का आगमन हुआ। शुरू में ए बहसें मुद्दों पर तथ्यपरक चर्चा का माध्यम थीं, लेकिन आज वे एक शोरगुल भरी जंग बन चुकी हैं। विभिन्न अध्ययनों और रिपोर्टों से स्पष्ट है कि भारतीय टीवी डिबेट्स में आक्रामकता और विषाक्त भाषा का स्तर चिंताजनक रूप से बढ़ा है। एक शोध के अनुसार, बहसों में एंकरों द्वारा आक्रामक लहजे का इस्तेमाल 80 प्रतिशत से अधिक होता है, जो दर्शकों पर नकारात्मक मनोवैज्ञानिक प्रभाव डालता है। ए आंकड़े बताते हैं कि बहसें अब सूचना का स्रोत नहीं, बल्कि प्रचार का हथियार बन चुकी हैं।

राजनीतिक दलों के प्रवक्ताओं द्वारा अपमानजनक भाषा का उपयोग इस समस्या का केंद्रीय बिंदु है। एक बहस के दौरान एक राष्ट्रीय पार्टी के प्रवक्ता को दूसरी पार्टी के प्रवक्ता द्वारा 'जयचंद' और 'गद्दार' कहा गया, जिसे सुनकर उस प्रवक्ता को हार्ट अटैक हुआ और उनकी मृत्यु हो गई। यह घटना टीवी डिबेट्स की विषाक्तता का जीता-जागता उदाहरण है। इसी तरह अन्य प्रवक्ता ने एक दूसरे प्रवक्ता को 'नाली का कीड़ा','दादी मां', 'वैंप' कहा या 'उल्टा टांग दूंगा' जैसे शब्दों का प्रयोग करते पाए गए हैं। एक प्रवक्ता ने तो बहस के दौरान दूसरे प्रवक्ता पर हाथ भी उठा दिया।

यह समस्या बढ़ रही है कम नहीं हुई। मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ में एक टीवी बहस के दौरान एक नेता पर कुर्सी फेंकी गई, जिसके बाद एफआईआर भी दर्ज हुई। नवंबर 2024 में दिल्ली हाईकोर्ट ने एक टीवी चैनल को एक प्रवक्ता के खिलाफ अपमानजनक क्लिप हटाने का आदेश दिया। ए उदाहरण दर्शाते हैं कि अपमान अब शारीरिक हिंसा तक पहुंच गया है। राजनीतिक दलों द्वारा ऐसे प्रवक्ताओं को चुना जाना भी एक चिंताजनक बात है। अधिकांश प्रवक्ता राजनीतिक अनुभव की कमी रखते हैं और केवल टीवी पर चिल्लाने के लिए नियुक्त होते हैं। यदि राजनैतिक दल द्वारा योग्य प्रवक्ताओं को चुना गया होता, तो बहसें अधिक सभ्य और उत्पादक होतीं। लेकिन वर्तमान में, ए प्रवक्ता दलों के चेहरे बन चुके हैं, जो विचारधारा के बजाय व्यक्तिगत हमलों पर निर्भर हैं। ऐसे स्तरहीन प्रवक्ताओं को चैनल क्यों आमंत्रित करते हैं? इसका मुख्य कारण टीआरपी (टेलीविजन रेटिंग पॉइंट) है। शोरगुल भरी बहसें दर्शकों को आकर्षित करती रही हैं, क्योंकि वे मनोरंजन का रूप ले लेती हैं। रॉयटर्स इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट बताती है कि आर्थिक दबावों के कारण ग्राउंड रिपोर्टिंग कम हो गई है और स्टूडियो डिबेट्स ही मुख्य सामग्री बन गई हैं। चैनल जानते हैं कि तर्कपूर्ण चर्चा से दर्शक भागते हैं, लेकिन चीख-पुकार उन्हें बांधे रखती है। दूसरा कारण राजनीतिक दबाव का उदय है। टाइम मैगजीन के अनुसार, राज्य और पार्टी के विज्ञापन बजट चैनलों को नियंत्रित करते हैं। परिणामस्वरूप, बहसें सत्ता पक्ष को लाभ पहुंचाने वाली बन जाती हैं। विपक्षी प्रवक्ताओं को अपमानित किया जाता है, जबकि सत्ताधारी प्रवक्ताओं को खुली छूट मिलती है। 2022 में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने चैनलों को सलाह दी कि वे उत्तेजक भाषा वाली बहसें न दिखाएं, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। चैनल जानबूझकर ऐसे प्रवक्ताओं को बुलाते हैं जो विवाद पैदा करें, क्योंकि यह सोशल मीडिया पर वायरल होता है और चैनल की पहुंच बढ़ाता है। ऐसी बहसों के सामाजिक प्रभाव गंभीर हैं। वे समाज को ध्रुवीकृत करती हैं, विशेषकर हिंदू-मुस्लिम मुद्दों पर। एक शोध के अनुसार, बहसें शफिक्स्ड मैचश की तरह होती हैं, जहां अपमान और झगड़े पूर्वनियोजित होते हैं। मुस्लिम पैनलिस्टों को एंटी-नेशनल कहा जाता है, जो सांप्रदायिक हिंसा को भड़काता है। 'गल्फ न्यूज' की एक रिपोर्ट में कहा गया कि भारत के चैनल मुसलमानों के खिलाफ घृणा फैला रहे हैं। युवाओं का एक वर्ग, जो रोजगार और शिक्षा चाहता है, इन बहसों से प्रभावित होकर हिंसक हो रहा है। लोकतंत्र में संवाद आवश्यक है, लेकिन यह विषाक्त संवाद समाज को कमजोर कर रहा है। चैनल और एंकरों की जिम्मेदारी यहां महत्वपूर्ण है। वे मॉडरेटर हैं, न कि भागीदार। लेकिन अधिकांश एंकर, खुद अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते हैं। रेडिफ की एक रिपोर्ट में कहा गया कि बहसें शविषैलीश हो चुकी हैं। एंकर विपक्ष को बोलने न देकर, मात्र समय काटते हैं। यदि चैनल सख्त कोड ऑफ कंडक्ट लागू करें, तो स्थिति सुधर सकती है। लेकिन टीआरपी और राजनी. तिक लाभ के लालच में वे अनदेखी करते हैं।

समाधान के लिए बहुआयामी प्रयास जरूरी हैं। सबसे पहले, राजनैतिक दलों को प्रवक्ताओं के चयन में सुधार करना चाहिए। केवल अनुभवी और सभ्य व्यक्तियों को ही टीवी पर भेजा जाए। दूसरा, 'ट्राई' और सूचना मंत्रालय को सख्त नियम लागू करने चाहिए, जैसे अपमानजनक भाषा पर तत्काल जुर्माना लगे। तीसरा, दर्शकों को जागरूक होना चाहिएय वे ऐसे चैनलों का बहिष्कार करें जो सनसनी फैलाते हैं। चौथा, स्वतंत्र मीडिया वॉचडॉग को मजबूत बनाना चाहिए। अंत में, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स जैसे यूट्यूब पर तथ्यपरक बहसें बढ़ावा दें, जहां सोशल मीडिया इंगेजमेंट सकारात्मक हो।

भारत की टीवी बहसें लोकतंत्र का मजाक बन चुकी हैं। अपमानजनक प्रवक्ताओं का बोलबाला न केवल बहसों को निरर्थक बनाता है, बल्कि समाज को विभाजित करता है। चैनल और एंकरों को यदि वास्तव में पत्रकारिता का सम्मान करना है, तो उन्हें टीआरपी के पीछे भागना छोड़कर जिम्मेदार संवाद को प्राथमिकता देनी चाहिए। अन्यथा, ए बहसें लोकतंत्र की जड़ों को खोखला करती रहेंगी। समय आ गया है कि हम एक ऐसे मीडिया की मांग करें जहां तर्क जीते, न कि अपमान। केवल तभी भारत का लोकतंत्र मजबूत होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

सीजफायर पर वाहवाही लूटने के ट्रम्प के दावे को झटका

पाक डिप्टी पीएम ने ट्रम्प को दिखाया आईना

इशाक डार बोले: भारत ने कभी भी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की

दोहा। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने भारत-पाकिस्तान जंग रुकवाने का डोनाल्ड ट्रम्प का दावा खारिज कर दिया। मंगलवार को कतर में अलजजीरा से बात. चीत में उन्होंने पहली बार माना है कि भारत ने कभी भी दोनों देशों के बीच किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की। उनसे जब पूछा गया कि क्या आप तीसरे पक्ष की भागीदारी के लिए तैयार थे? इस पर इशाक डार ने कहा कि हमें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन भारत ने साफ तौर पर कहा है कि यह एक द्विपक्षीय मुद्दा है। इशाक डार ने कहा कि हम किसी से भी बातचीत के लिए तैयार हैं।

हम शांतिप्रिय देश हैं और मानते हैं कि बातचीत ही आगे बढ़ने का रास्ता है, लेकिन इसके लिए दोनों पक्षों की भागीदारी जरूरी है। डार ने कहा कि जब पाकिस्तान ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के सामने सीजफायर का मामला उठाया तो अमेरिकी विदेश मंत्री ने साफ कर दिया कि भारत हमेशा से यही कहता आया है कि पाकिस्तान के साथ सभी मुद्दे पूरी तरह से द्विपक्षीय हैं। डार ने आगे कहा कि अमेरिका ने मई में सीजफायर का प्रस्ताव दिया था और यह भी कहा था कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत किसी तटस्थ जगह पर हो सकती है। लेकिन 25 जुलाई को वाशिंगटन में रूबियो के साथ हुई अगली बैठक में उन्हें बताया गया कि भारत इस प्रस्ताव पर सहमत नहीं है। डार ने कहा-भारत का कहना है कि यह एक द्विपक्षीय मुद्दा है। हम किसी चीज की भीख नहीं मांग रहे हैं। हम एक शांतिप्रिय देश हैं और हमारा मानना है कि बातचीत ही आगे बढ़ने का रास्ता है। लेकिन बातचीत के लिए दो लोगों की जरूरत होती है। डार ने यह भी कहा कि अगर भारत जवाब देता है तो पाकिस्तान अभी भी बातचीत के लिए तैयार है। 22 अप्रैल को कुछ आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला किया किया था। इस हमले में 26 लोगों मारे गए थे। इसके 15 दिन बाद यानी 7 मई को भारतीय सेना ने आपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान में कई आतंकी ठिकानों को निशाना बयान था। दोनों देशों के बीच 4 दिन तक संघर्ष चला था, जिसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 10 मई को सबसे पहले दोनों देशों के बीच सीजफायर की जानकारी दी थी। इसके बाद वो करीब 30 से ज्यादा बार दोनों देशों में सीजफायर कराने का क्रेडिट ले चुके हैं। हालांकि भारत साफ तौर पर कह चुका है कि दोनों देशों के बीच सीजफायर आपसी बातचीत से हुआ है, इसमें किसी तीसरे पक्ष का कोई रोल नहीं है।

■ हमें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन भारत ने साफ तौर पर कहा है कि यह एक द्विपक्षीय मुद्दा है
■ हम शांतिप्रिय देश हैं और मानते हैं कि बातचीत ही आगे बढ़ने का रास्ता है: इशाक डार

अगले हफ्ते ट्रम्प से मिल सकते हैं पाक पीएम शहबाज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ 25 सितम्बर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात कर सकते हैं। जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक शहबाज अगले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में शामिल होने अमेरिका जाएंगे। इस दौरान उनकी ट्रम्प से मुलाकात होगी। बैठक के दौरान पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर भी मौजूद रह सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस मुलाकात में पाकिस्तान से आई विनाशकारी बाढ़ और कतर पर इजरायल के हमले के परिणामों की चर्चा की जाएगी। जियो न्यूज ने यह भी बताया कि यह बैठक कतर और सऊदी अरब के सलाह से आयोजित की जा रही है।

जम्मू-कश्मीर। कुलगाम जिले में एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ करने के बाद घटनास्थल पर मौजूद सुरक्षाकर्मी।

इजरायल को अंतर्राष्ट्रीय खेलों से प्रतिबंधित किया जाए: स्पेन

मैड्रिड। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने गाजा में इजरायल की गतिविधियों के कारण उसे अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं से बाहर करने का आह्वान किया है।

उन्होंने अपनी सोशलिस्ट वर्कर्स पार्टी के निर्वाचित प्रतिनिधियों से कहा कि इजरायल अपने गलत कार्यों पर पर्दा डालने के लिए किसी भी अंतर्राष्ट्रीय मंच का इस्तेमाल नहीं कर सकता। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने रविवार को कहा कि 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के लिए इजरायल के साथ भी वैसा ही व्यवहार किया जाना चाहिए जैसा रूस के साथ किया गया है। इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने स्पेन के प्रधानमंत्री को 'शर्मनाक' करार दिया और उन पर मैड्रिड में फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनों को भड़काने का आरोप लगाया, जिसके कारण वुएल्टा-ए-स्पेना साइकिल रेस का अंतिम चरण रद्द कर दिया गया, जिसमें एक इजरायली टीम प्रतिस्पर्धा कर रही थी। इससे पहले सांचेज ने कहा था कि तीन हफ्ते तक चली इस रेस के दौरान हुए पिछले विरोध प्रदर्शनों ने दिखाया है कि स्पेन गाजा मुद्दे पर 'गर्व' के साथ एक मिसाल कायम करता है।

संक्षिप्त समाचार

परमाणु ऊर्जा संयंत्रों पर हमलों पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान

तेहरान। ईरान, रूस, बेलारूस, चीन, वेनेजुएला और निकारागुआ ने अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) से परमाणु ऊर्जा संयंत्रों पर हमले या इस तरह के किसी खतरे पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकेई ने यह घोषणा की। उन्होंने प्रस्ताव का एक स्क्रीनशॉट पोस्ट करते हुए लिखा: एनपीटी की अखंडता की रक्षा के लिए ईरान ने चीन, रूस, वेनेजुएला, निकारागुआ और बेलारूस के साथ मिलकर 'आईएईए सुरक्षा उपायों के तहत परमाणु स्थलों और सुविधाओं पर सभी प्रकार के हमले और हमले की धमकियों पर प्रतिबंध' पर एक मसौदा प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

अमेरिका का वेनेजुएला की बोट पर फिर हमला, मरे

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने एक बार फिर वेनेजुएला के ड्रग तस्करों की बोट पर हमला किया। इस हमले में 3 लोग मारे गए। राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी। उन्होंने इन तस्करों को नार्को टेररिस्ट यानी ड्रग कार्टेल से जुड़े आतंकवादी बताया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा मेरे आदेश पर अमेरिकी सेना ने ड्रग तस्करी करने वाले कार्टेल और नार्को टेररिस्ट पर स्ट्राइक की। ये लोग वेनेजुएला से नशीले पदार्थ अमेरिका की ओर ले जा रहे थे। उन्होंने कहा कि ड्रग कार्टेल अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति और हितों के लिए बड़ा खतरा हैं। ट्रम्प ने यह भी बताया कि इस हमले में अमेरिकी बलों को कोई नुकसान नहीं हुआ।

फिलीपींस के पोत ने चीनी तटरक्षक जहाज को मारी टक्कर

बीजिंग। दक्षिण चीन सागर में मंगलवार सुबह फिलीपींस के एक जहाज ने जानबूझकर एक चीनी तट रक्षक (सीसीजी) जहाज को टक्कर मार दी। चीनी तट रक्षक बल ने यह जानकारी दी है। सीसीजी के प्रवक्ता गान यू ने कहा कि मंगलवार को फिलीपींस के दस पोत अवैध तरीके से चीन के हुआंग्यान दाओ के पास चीनी जलक्षेत्र में घुस आए। इस पर सीसीजी ने कानून के मुताबिक उन्हें चेतावनी देते हुए उनका रास्ता रोका और उन पर पानी की बौछार की। गान के मुताबिक सुबह करीब 10 बजे 3014 नंबर वाले एक फिलीपीनी पोत ने चीन की ओर से दी गई चेतावनी को नजरंदाज करते हुए जानबूझकर एक सीसीजी जहाज को जोरदार टक्कर मारी।

भारत पर 100% टैरिफ लगाए यूरोप: अमेरिका

■ वित्त मंत्री ने कहा: अपनी जिम्मेदारी निभाए यूरोप, चीन पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने से इन्कार

वाशिंगटन डीसी। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने यूरोपीय देशों से भारत और चीन पर 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की अपील की है। यह बात उन्होंने ब्लूमबर्ग को दिए इंटरव्यू में कही। बेसेंट ने कहा कि रूसी तेल खरीद रोकने के लिए अमेरिका तब तक एक्स्ट्रा टैरिफ नहीं लगाएगा, जब तक कि यूरोपीय देश चीन और भारत पर भारी टैरिफ नहीं लगाते।

यूरोप को रूस की आयल इनकम रोकने और यूक्रेन में युद्ध खत्म करने में बड़ी भूमिका निभानी होगी। बेसेंट का यह बयान चीन से टिकटाक को लेकर हुई बातचीत के बाद आया है। उन्होंने कहा कि चीन, रूस से तेल खरीदने को अपना अंतरिक मामला मानता है। ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि भारत और चीन रूस से तेल खरीद रहे हैं, जिससे पुतिन को यूक्रेन के खिलाफ जंग जारी रखने में मदद मिल रही है। भारत-चीन पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर इन्हें रूसी खरीदने से रोका जा सकता है। बेसेंट ने कहा कि अमेरिका यूरोपीय देशों के साथ मिलकर रूस की आयल कंपनियों जैसे रोसनेफ्ट और लुकोइल पर कठोर प्रतिबंध लगा का सोच रहा है। इसके साथ ही 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद रूस की जो 300 अरब डॉलर प्रापर्टी फ्रीज की गई थी, उनका इस्तेमाल करने पर विचार करेगा।

जैश ने कबूला: ऑपरेशन सिंदूर में मसूद का परिवार मारा गया

जैश कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी का एक वीडियो हो रहा वायरल

इस्लामाबाद। आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने पहली बार माना है कि उसके सरगना मौलाना मसूद अजहर के परिवार के कई सदस्य ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के हमले में मारे गए। जैश के कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी का एक वीडियो वायरल हो रहा है।

इस वीडियो में वह कहता है कि 7 मई को बहावलपुर में भारत की कार्रवाई में अजहर के परिवार के लोगों के टुकड़े-टुकड़े हो गए, उनका कीमा बन गया था। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में हमला किया था। ऑपरेशन के दौरान बहावलपुर समेत पाकिस्तान के अंदर नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। सैटेलाइट तस्वीरों से भी मस्जिद के गुंबद और आसपास के ढांचों को गंभीर नुकसान की पुष्टि हुई। बहावलपुर में हुए भारतीय हमले में मसूद के परिवार के 10 लोग मारे गए थे। इसके अलावा 4 सहयोगियों की भी मौत हुई थी। मरने वालों में मसूद की बड़ी बहन और उसका पति, मसूद का भतीजा और उसकी पत्नी, मसूद की एक भतीजी और उसके पांच बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा मसूद के 4 सहयोगी भी मारे गए थे। हमले के वक्त मसूद मौके पर नहीं था, इस वजह से उसकी जान बच गई थी। बीबीसी उर्दू की रिपोर्ट के मुताबिक मसूद ने परिवार के लोगों के मरने के बाद एक बयान भी जारी किया था। इसमें उसने कहा था कि मैं भी मर जाता तो खुशनसीब होता। मसूद अजहर सालों से बहावलपुर के चौक आजम इलाके के मरकज सुभानल्लाह नाम के कैंपस में ही रह रहा था। साल 2011 तक इस कैंपस में सिर्फ एक मस्जिद थी, उसके बाद आतंकियों की ट्रेनिंग और बाकी एक्टिविटीज के लिए कैंपस में इमारतें और बाकी स्ट्रक्चर बढ़ता चला गया। सैटेलाइट इमेजेज के आधार पर इसका पूरा इलाका 18 एकड़ बताया जाता है। फरवरी 2019 में पुलवामा हमले के बाद जैश-ए-मोहम्मद ने इसकी जिम्मेदारी ली थी। इसके बाद भारत की मांग पर संयुक्त राष्ट्र ने मसूद को ग्लोबल टेररिस्ट की लिस्ट में डाला था। अंतर्राष्ट्रीय दबाव बढ़ने पर पाकिस्तान ने कहा था कि जैश के बहावलपुर हेडक्वार्टर को सरकार ने अपने कब्जे में ले लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान ने मसूद की सिक्योरिटी और बढ़ा दी थी। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान को इस तरह की स्ट्राइक का अंदेशा था, इसलिए माना जाता है कि मसूद को पहले ही वहां से शिफ्ट कर दिया गया था। ले. ज. रामेश्वर राय के मुता. बिक पाकिस्तान में मसूद को सेना का प्रोटेक्शन मिला हुआ है, लेकिन पाकिस्तान यह नहीं मानता कि मसूद उसकी जमीन पर मौजूद है। इसलिए पाकिस्तान मसूद अजहर के मारे जाने की बात छिपाने की कोशिश कर सकता है।

7 मई को बहावलपुर में भारत की कार्रवाई में अजहर के परिवार के टुकड़े-टुकड़े हो गए

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में हमला किया था

इजरायल के गाजा सिटी में जमीनी हमलों में 41 की मौत

तीन लाख लोगों ने शहर छोड़ा, रक्षामंत्री काट्ज बोले: गाजा जल रहा

तेल अवीव। इजरायल ने गाजा सिटी में ग्राउंड ऑपरेशन यानी जमीनी हमले शुरू कर दिए है। सीएनएन ने मंगलवार सुबह दो इजरायली अधिका. रियों के हवाले से इसकी पुष्टि की। यह हमला गाजा सिटी के बाहरी इलाकों से शुरू हुआ है। यहां रात भर इजरायल के हवाई हमले भी जारी रहे। इन हमलों में 41 लोग मारे गए। इजरायली सेना के एक अधिकारी के मुताबिक अब तक लगभग 3.2 लाख लोगों ने शहर छोड़ दिया है। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा कि सेना बंधकों की रिहाई और हमास की हार के लिए बहादुरी से लड़ रही है। काट्ज ने कहा कि गाजा जल रहा है, सेना पूरी ताकत से उनके ठिकानों पर हमले कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि हम तब तक पीछे नहीं हटेंगे और न ही रुकेंगे, जब तक मिशन पूरा नहीं हो जाता। इजरायल ने पिछले महीने यानी अगस्त में गाजा सिटी पर कब्जा करने की योजना को मंजूरी दी थी। इसके तहत करीब 60 हजार रिजर्व सैनिकों को डयूटी पर बुलाने का आदेश जारी किया गया। प्लान के मुताबिक गाजा सिटी पर कब्जे के अभियान के लिए कुल 1.30 लाख सैनिक तैनात किए जाएंगे। सैनिकों को डयूटी जाइन करने से कम से कम दो हफ्ते पहले नोटिस दिया जाएगा। पहली खेप में 2 सितम्बर को करीब 40-50 हजार सैनिक बुलाए जाने का शेडयूल तय किया गया। दूसरी खेप नवंबर-दिसम्बर और तीसरी फरवरी-मार्च 2026 में बुलाई जाएगी। इस अभियान को गिदोन'स चेरिएट्स-बी नाम दिया गया है। साथ ही, पहले से डयूटी कर रहे हजारों रिजर्व सैनिकों की सेवा भी 30-40 दिन के लिए बढ़ा दी गई है। ऑपरेशन में 5 आर्मी डिवीजन और 12 ब्रिगेड-लेवल टीमें शामिल होंगी, जिनमें पैदल सेना, टैंक, तोपखाना, इंजीनियरिंग और सपोर्ट यूनिट्स शामिल हैं। इसके अलावा गाजा डिवीजन की नार्थ और साउथ ब्रिगेड भी हिस्सा ले रही हैं। इजरायल का मकसद गाजा सिटी में उन इलाकों में घुसना है, जहां हमास के कब्जे में अभी भी कई बंधक होने की आशंका है।

ट्रम्प ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया सबसे गिरा हुआ अखबार

■ अमेरिकी राष्ट्रपति 15 अरब डॉलर का मानहानि मुकदमा करेंगे दायर

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बताया कि वे चर्चित अखबार द न्यूयार्क टाइम्स के खिलाफ 15 अरब डॉलर का मानहानि मुकदमा करेंगे। ट्रम्प ने न्यूयार्क टाइम्स को 'कट्टरपंथी वाम डेमोक्रेट पार्टी' का मुखपत्र बताया और कहा कि अखबार ने बीते एक दशक से उन्हें बदनाम करने के लिए उनके खिलाफ अभियान चलाया हुआ है। ट्रम्प ने दावा किया कि अखबार उनके बारे में झूठी रिपोर्ट प्रकाशित करता आ रहा है।

ट्रम्प ने न्यूयार्क टाइम्स पर कमला हैरिस के समर्थन में अभियान चलाने का आरोप लगाया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि अखबार द्वारा राष्ट्रपति पद की दौड़ में उनकी डेमोक्रेट प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस का समर्थन किया गया और उनके बयानों को अखबार के पहले पन्ने पर प्रमुखता से छापा। ट्रम्प का दावा है कि यह अब तक का सबसे बड़ा अवैध चुनावी चंदा है। उन्होंने अखबार पर उनके, उनके परिवार, उनके व्यवसाय और अमेरिका फर्स्ट और मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (एमएजीए) आंदोलनों और पूरे देश के बारे में झूठ फैलाने का भी आरोप लगाया। ट्रम्प ने कहा कि कभी सम्मानित रहे अखबार के खिलाफ कार्रवाई करने पर उन्हें गर्व है, जैसा कि उन्होंने पूर्व में कई अखबारों और मीडिया संस्थानों के खिलाफ किया है। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि अखबार को बहुत लंबे समय तक मेरे खिलाफ खुलेआम झूठ बोलने और बदनाम करने की इजाजत दी गई। जो अस्वीकार्य और अवैध दोनों है। अब यह सब बंद हो! यह मुकदमा फ्लोरिडा राज्य में लाया जा रहा है।

भारत-मॉरीशस के संबंध और अधिक मजबूत होंगे: मुर्मु

■ दोनों देशों के बीच साझेदारी और हर क्षेत्र में सहयोग लगातार बढ़ रहा

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति, 'महासागर विजन' और ग्लोबल साउथ के लिए हमारी प्रतिबद्धता में मॉरीशस का विशेष स्थान है और दोनों देशों के बीच साझेदारी और हर क्षेत्र में सहयोग लगातार बढ़ रहा है।

भारत यात्रा पर आए मॉरीशस के प्रधानमंत्री डा. नवीनचंद्र रामगुलाम ने अपनी आठ दिन की यात्रा के अंतिम दिन मंगलवार को यहां राष्ट्रपति भवन में मुर्मु से भेंट की। डा. रामगुलाम नौ सितम्बर को भारत यात्रा पर आए थे। राष्ट्रपति से मुलाकात के साथ ही उनकी यात्रा संपन्न हो गई। इससे पहले दिन में वह उप राष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन से भी मिले। सुबह वह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधी राजघाट और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपई की समाधी सदैव अटल भी गये। इस यात्रा के दौरान वह मुंबई, वाराणसी, अयोध्या और तिरुपति भी गये। मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री रामगुलाम और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति, 'महासागर विजन' और वैश्विक दक्षिण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में मॉरीशस का विशेष स्थान है।

ऑस्ट्रेलिया के 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया खाते होंगे बंद

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने तकनीकी कंपनियों के लिए नियामक निर्देश जारी किया है, जिसके तहत सोशल मीडिया कंपनियों को 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया एकाउंट 10 दिसम्बर तक बंद करने होगे। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने मंगलवार को यह निर्देश जारी किया है, जो 10 दिसम्बर से प्रभावी होगा।

ऑस्ट्रेलिया का यह दुनिया का पहला कानून है, जो नाबालिगों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाता है। दिसम्बर 2024 में ऑस्ट्रेलिया की संसद द्वारा पारित किए गए इस कानून का पालन न करने पर कंपनियों पर 49.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (33 मिलियन अमेरिकी डॉलर) तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया की मंत्री अनिका वेल्स और ऑस्ट्रेलिया की ई-सेफ्टी कमिश्नर जूली इनमैन ग्रांट ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंगलवार को दिशानिर्देश जारी करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं है कि यह प्रतिबंध तुरंत पूरी तरह से प्रभावी हो जाएंगे। सुवेल्स ने कहा कि हम तुरंत किसी पूर्णता की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। लेकिन हम कुछ जरूरी कदमों के जरिए कुछ अर्थपूर्ण परिवर्तन लाना चाहते हैं, जो हमारी संस्कृति पर गहरा प्रभाव डालेंगे और बच्चों को सुरक्षित रखेंगे। सुग्रांट ने कहा कि सरकार समझती है कि इस प्रतिबंध का पालन करने के लिए किसी तकनीक का निर्माण करने और उसे लागू करने में वक्त लगेगा। कंपनियों को नीति और प्रक्रियाओं के पालन में असफलताओं का भी सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने उम्र का पता लगाने वाली तकनीक का परीक्षण कराया था और यह पता चला है कि इस तकनीक को लागू किया जा सकता है।

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108